ಶುಭ್ ಲಾಭ್

शुभ लाभ

DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा से भारत को कोई खास फायदा नहीं होगा... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 13 फरवरी, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 8+4 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-43

भारत को घुन की तरह खा रहे भारत वाले

रोहिंग्या घुसपैठियों को 'हक' दिलाने का अभियान!

अमेरिकी षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस का पैसा तौल रहा ईमान

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ षडयंत्र में शामिल ताकतों के साथ जुड़े भारत के राष्ट्र-विरोधी तत्व अब रोहिंग्या घुसपैठियों को भारतीय नागरिकों की तरह सुविधाएं देने की मांग कर रहे हैं। रोहिंग्या घुसपैठिए भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं, खुफिया एजेंसियों की ओर से बार-बार इस बारे में आगाह के जाने के बावजूद भारत को अस्थिर करने में लगे तत्व रोहिंग्या घुसपैठियों को संरक्षण देने और उन्हें ताकतवर बनाने में लगे हुए हैं। भारत सरकार भी ऐसे तत्वों पर कानूनी अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रही है। ऐसे तत्वों का दुस्साहस इतना बढ़ गया है कि वे अब रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए अधिकार ऐसे मांग रहे हैं, जैसे वे भारत के नागरिक हों। आश्चर्यजनक तथ्य है कि रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए अब डंके की चोट पर आधार कार्ड जारी करने की मांग की जा रही है। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा तक खटखटाया जाने लगा है।

भारत के खिलाफ षडयंत्र में लगे अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस से धन पाने वाला चटोरा वकील कॉलिन गोंजाल्विस सुप्रीम कोर्ट से रोहिंग्या घुसपैठियों के लिए भारत के नागरिकों जैसी ▶10 पर

कांग्रेस सांसद की पत्नी का आईएसआई से लिंक!

गौरव गोगोई का एनजीओ भी ले रहा जॉर्ज सोरोस से धन

नई दिल्ली/गुवाहाटी, 12 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से लिंक होने की बात उजागर होने के बाद राजनीतिक-सामाजिक गलियारे में सनसनी फैल गई है। यह बात इसलिए गंभीर है, क्योंकि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस बारे में संकेत दिए हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि गौरव गोगोई की ब्रिटिश पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से लिंक की चर्चा में यदि थोड़ी भी प्रामाणिकता है तो यह अत्यंत गंभीर बात है। इससे यह साबित होता है कि भारत के लोग ही भारत को घुन की तरह खाकर किस कदर खोखला कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ऐसा गंभीर संकेत देकर बड़ा मामला उजागर किया है। उन्होंने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई का नाम लिए बिना उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न की नागरिकता और उनके आईएसआई से सम्बन्धों को लेकर सवाल उठाए और इन सवालों का जवाब मांगा। असम के मुख्यमंत्री ने अपने सवालों को सोशल मीडिया मंच पर भी साझा किया है। सीएम सरमा ने कहा, आईएसआई से संबंधों के आरोप, युवाओं के ब्रेनवॉश और उनको पाकिस्तानी दूतावास में कट्टरपंथी बनाने समेत पिछले 12 साल से भारतीय नागरिकता ▶10 पर

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की अहम मसलों पर हुई वार्ता

आतंकवाद के खिलाफ भारत और फ्रांस

टेरर-फंडिंग नेटवर्क और आतंकी ठिकाने नष्ट करने पर राजी

पेरिस, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने द्विपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी के साझा दृष्टिकोण पर सहमति जताई है। दोनों देश वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए परस्पर संवाद और सहयोग पर राजी हैं। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों की कई महत्वपूर्ण मसलों पर वार्ता हुई। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार के मसले पर दोनों राष्ट्र प्रमुखों ने सहमति जताई है।

दोनों नेताओं ने एक न्यायसंगत और शांतिपूर्ण अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखने, वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और तकनीकी, आर्थिक क्षेत्रों सहित उभरते विकास के लिए दुनिया को तैयार करने के लिए प्रभावी बहुपक्षवाद के आह्वान को दोहराया। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। यूएनएससी मामलों सहित बहुपक्षीय मंचों में समन्वय पर सहमति व्यक्त की। फ्रांस ने यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन दोहराया। दोनों नेताओं ने सामूहिक अत्याचारों के मामले में वीटो के उपयोग के विनियमन पर बातचीत को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की। उन्होंने वैश्विक चुनौतियों और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय विकास पर व्यापक चर्चा की। साथ ही बहुपक्षीय पहलों और संस्थानों के माध्यम से अपने वैश्विक और क्षेत्रीय जुड़ाव को तेज करने पर सहमति व्यक्त जताई।

दोनों नेताओं ने वैज्ञानिक ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के महत्व को स्वीकार किया। दोनों नेताओं ने भारत और फ्रांस के बीच लंबे और स्थायी जुड़ाव को याद करते हुए राष्ट्रपति मैक्रों और प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च 2026 से नई दिल्ली में होने वाले भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष का लोगो लॉन्च करके भव्य उद्घाटन की घोषणा की। दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी बात की। इसमें पश्चिम एशिया और यूक्रेन में युद्ध भी शामिल है। वे नियमित आधार पर समन्वय और निकटता से जुड़े रहने के अपने प्रयासों को जारी रखने पर सहमत हुए। पीएम मोदी और मैक्रों ने सीमा पार आतंकवाद सहित सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद की निंदा की। उन्होंने आतंकवाद की फंडिंग करने वाले नेटवर्क और सुरक्षित ठिकानों को नष्ट करने का आह्वान किया। वे इस बात पर भी सहमत हुए कि किसी भी देश को उन लोगों को सुरक्षित पनाह नहीं देनी चाहिए जो आतंकवादी कृत्यों को फंडिंग, योजना, समर्थन या अंजाम देते हैं। नेताओं ने सभी आतंकियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई का आह्वान किया। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद 1267 प्रतिबंध समिति द्वारा सूचीबद्ध समूहों से जुड़े ▶10 पर

मुफ्त की योजनाओं के ऐलान से सुप्रीम कोर्ट सख्त नाराज

भारत में परजीवी वर्ग तैयार कर रहे राजनीतिक दल

अदालत में राजनीतिक बयान न दें वकील प्रशांत भूषण

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान चुनाव में राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त के वादे करने पर नाराजगी जाहिर की और कहा कि लोगों को अगर राशन और पैसे मुफ्त मिलते रहेंगे तो इससे लोगों की काम करने की इच्छा नहीं होगी। राजनीतिक दल देश में एक बड़ा परजीवी-वर्ग (पैरासाइट-क्लास) खड़ा कर रहे हैं। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए ये टिप्पणी की। याचिका में बेघर लोगों को शहरी इलाकों में आश्रय स्थल मुहैया कराने की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि मुफ्त वाली योजनाओं के चलते लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है और उन्हें बिना कोई काम किए पैसे मिल रहे हैं। याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने पीठ को बताया कि सरकार ने शहरी इलाकों में आश्रय स्थल की योजना को बीते कुछ वर्षों से फंड देना बंद कर दिया है। इसके चलते इन सर्दियों में 750 से ज्यादा बेघर लोग ठंड से मर गए। याचिकाकर्ता ने कहा कि गरीब लोग सरकार की प्राथमिकता में ही नहीं हैं और सिर्फ अमीरों की चिंता की जा रही है। इस टिप्पणी पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई और कहा कि अदालत में राजनीतिक ▶10 पर

1984 के सिख विरोधी दंगे में सज्जन कुमार दोषी साबित

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को दोषी ठहराया है। यह मामला 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या से जुड़ा है। सज्जन कुमार की सजा के बारे में 18 फरवरी को बहस के बाद निर्णय सुनाया जाएगा।1984 सिख विरोधी दंगे मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को दो लोगों की हत्या के लिए दोषी ठहराया। सरस्वती विहार इलाके में हुई इस घटना में 40 साल बाद पीड़ितों को न्याय मिला है।

18 फरवरी को सुनाई जाएगी सजा

सज्जन कुमार को दोषी ठहराए जाने से सिख समुदाय में खुशी की लहर है। सरस्वती विहार इलाके में एक नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या कर दी गई थी।

भारत की धूम: राजनाथ से मिले दक्षिण अफ्रीकी देशों के रक्षा मंत्री

बेंगलुरु, 12 फरवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को यहां एयरो इंडिया 2025 से इतर जिम्बाब्वे की रक्षा मंत्री ओप्पा मुचिंगुरी काशिरी, यमन के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल मोहसेन मोहम्मद हुसैन अल डेरी, इथियोपिया की रक्षा मंत्री आइशा मोहम्मद , गाम्बिया के रक्षा मंत्री सेरिंग मोडौ न्जी और गैबॉन की राष्ट्रीय रक्षा मंत्री ब्रिगिट ओनकानोवा के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं।

जिम्बाब्वे की रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने मौजूदा द्विपक्षीय रक्षा सहयोग की समीक्षा की और जिम्बाब्वे के सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण, सैन्य पाठ्यक्रमों और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों नेताओं ने रक्षा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और विश्वास व्यक्त किया कि इससे संबंधों में और गहराई आएगी। उन्होंने समझौता ज्ञापन को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रक्षा मंत्रियों के बीच नियमित संपर्क के महत्व पर बल दिया। दोनों देशों ने उत्पादन और रखरखाव के लिए रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को प्रगाढ करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। सैन्य चिकित्सा के क्षेत्र में सहयोग पर भी चर्चा की गई।

इथियोपिया की रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने बढ़ते द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर संतोष व्यक्त किया। घनिष्ठ और सक्रिय संपर्क के महत्व को स्वीकार करते हुए, दोनों मंत्रियों ने मौजूदा संबंधों को संस्थागत बनाने के लिए रक्षा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों ने इथियोपिया के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम, शांति स्थापना और क्षमता निर्माण सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर विचार किया। रक्षा उद्योग सहयोग को और मजबूत करने के लिए भी चर्चा की गई और भारत के उभरते निजी क्षेत्र पर प्रकाश डाला गया।

यमन के रक्षा मंत्री के साथ बैठक में, दोनों नेताओं ने रक्षा क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने पर ध्यान दिया। इसे एक कदम आगे ले जाने के लिए, दोनों नेताओं ने यमन के सशस्त्र बलों के सैन्य प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम और क्षमता निर्माण के क्षेत्र में साझेदारी के लिए चर्चा की। बैठक ने भारत और यमन के बीच रक्षा सहयोग को प्रगाढ बनाने के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन और मार्गदर्शन दिया।

गाम्बिया के रक्षा मंत्री के साथ बैठक के दौरान, दोनों नेताओं ने रक्षा क्षेत्र में एक साथ काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों नेताओं ने क्षमता निर्माण, क्षमता वृद्धि और दोनों पक्षों के पारस्परिक लाभ के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए सहयोग ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 87,430/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 96,920/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

फ्रांसीसी शहर मार्सिले में पीएम मोदी ने वीर सावरकर को याद किया

बीच समुद्र में जहाज से कूदे और तैर कर मार्सेली पहुंचे थे सावरकर

सावरकर को लंदन से गिरफ्तार कर भारत ला रहे थे अंग्रेज

मार्सेली (फ्रांस), 12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन 11 फरवरी को फ्रांस के मार्सेली पहुंचे और स्वातंत्र्यवीर सावरकर को श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने अपनी इस स्मृति-यात्रा के बारे में अपने सोशल मीडिया फोरम पर बताया। प्रधानमंत्री मोदी के साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी थे।

पीएम मोदी ने कहा, भारत की स्वतंत्रता की खोज में मार्सेली शहर का विशेष महत्व है। ब्रिटिश कैद को तोड़ कर वीर सावर बीच समुद्र में जहाज से कूद पड़े थे और तैर कर फ्रांस के मार्सेली शहर पहुंच गए थे। यहीं पर महान वीर सावरकर को ब्रिटिश प्रशासन के हवाले किया गया था। मैं मार्सिले के लोगों और उस समय के फ्रांसीसी कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मांग की थी कि उन्हें ब्रिटिश हिरासत में न सौंपा जाए। वीर सावरकर की बहादुरी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी! सन 1910 में नासिक षडयंत्र मामले में अंग्रेजों ने उन्हें लंदन से गिरफ्तार किया था। ब्रिटिश अधिकारी सावरकर को भारत ला रहे थे, ताकि उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जा सके। उन्हें एसएस मोरिया जहाज से लाया जा रहा था, जिससे उन्होंने बीच समुद्र में छलांग लगा दी थी।

वीर सावरकर को लेकर फ्रांस और ब्रिटेन में कूटनीतिक तनाव भी रहा। फ्रांस का आरोप था कि सावरकर की वापसी अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन था। ब्रिटेन ने इसका उचित रूप से पालन नहीं किया गया। साल 1911 में मामले को लेकर स्थायी मध्यस्थता न्यायालय ने फैसला सुनाया कि सावरकर की गिरफ्तारी में अनियमितता थी। हालांकि, ब्रिटेन सावरकर को वापस फ्रांस को वापस देने के लिए बाध्य नहीं था। फ्रांसीसी सरकार का तर्क था कि सावरकर को ब्रिटिश अधिकारियों को सौंपना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करना था। अंग्रेजों ने मुकदमा चलाने के बाद सावरकर को अंडमान निकोबार द्वीप पर स्थित सेलुलर जेल, जिसे काला पानी कहा जाता था, भेज दिया था। फ्रांस के लोगों और कई नेताओं ने सावरकर को ब्रिटेन के हाथों सौंपने का विरोध किया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी बताया कि मार्सेली की यात्रा में भारत और फ्रांस के बीच संबंधों को और मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सभी को दास प्रथा को समाप्त करने की दिशा में करना चाहिए काम : न्यायाधीश

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष केजी शांति ने कहा कि दास प्रथा एवं मानव तस्करी समाज में दंडनीय अपराध हैं तथा इन्हें जड़ से समाप्त करने के लिए सभी विभागों का सहयोग आवश्यक है। वह बुधवार को बल्लारी में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण और श्रम विभाग के सहयोग से मजदूर विरोधी दिवस समारोह के तहत जिला स्तरीय अधिकारियों के लिए आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन के अवसर पर बोल रही थी। जब आर्थिक स्थिति खराब होती है, तो दास प्रथा भी बदतर हो जाती है। हमारे पूर्वजों के समय में भूदास प्रथा की जड़ें बहुत गहरी थीं। आजादी के बाद से इसमें काफी कमी आई है। 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को काम पर रखना अवैध है। बच्चों को शिक्षित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल शिक्षा के माध्यम से ही दास प्रथा को पूरी तरह से समाप्त किया जा सकता है। संविधान सभी को सम्मान के साथ जीने का अधिकार देता है। सरकार शिक्षा सहित कई सुविधाएं प्रदान कर रही है। इनका सदुपयोग किया जाना चाहिए। भूदास प्रथा को समाप्त करने के लिए विभिन्न विभागों के साथ एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। छात्रों को अपने मित्रों को भी दास प्रथा के निषेध के बारे में बताना चाहिए। घर के आस-पास के पड़ोसियों के साथ भी जानकारी साझा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कहीं गुलामी प्रथा है तो इसकी सूचना नजदीकी पुलिस थाने में दी जानी चाहिए। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रशांतकुमार मिश्रा ने की और कहा कि जिले में दास प्रथा नहीं है। उन्होंने कहा कि अनिर्दिष्ट क्षेत्र एवं अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में दास प्रथा के बारे में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। कार्यशाला में बतौर संसाधन व्यक्ति पहुंचे राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य एच.सी.राघवेंद्र ने बंधुआ मजदूरी प्रथा से निपटने पर विशेष व्याख्यान दिया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव राजेश एन. होसमने, अतिरिक्त उपायुक्त मोहम्मद जुबैर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नवीन कुमार, जिला एवं तालुका स्तर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्कूली बच्चे व अन्य लोग मौजूद थे।

रेल पहिया कारखाना में 69वां रेलवे सप्ताह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेल पहिया कारखाना में मंगलवार को 69वां रेलवे सप्ताह मनाया गया। यह दिन पिछले वर्ष की उपलब्धियों का जश्न मनाने और विभिन्न विभागों में कुछ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करने का था। समारोह के मुख्य अतिथि रेल पहिया कारखाना के महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन ने विशिष्ट रेल सेवा और रेल सेवा प्रमाण पत्र देकर कलाकारों को सम्मानित किया। बाद में महाप्रबंधक चंद्र वीर रमन ने सभा को संबोधित किया और कर्मचारियों के अथक प्रयासों की सराहना की, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि आरडब्ल्यूएफ हमेशा भारतीय रेलवे के माल और यात्रियों के परिवहन के प्रयासों में योगदान देने में सबसे आगे है। महाप्रबंधक ने कहा चालू वित्तीय वर्ष में व्हील शॉप ने रेलवे वर्कशॉप और वैगन बिल्डरों में रखरखाव कार्यों को पूरा करने के लिए 1,70,608 पहिए, 74,979 एक्सल और 83,975 व्हीलसेट का निर्माण किया है। इसी प्रकार से उन्होंने अन्य बातों पर भी प्रकाश डाला।

एयरो इंडिया 2025 में भारत के पहले स्वदेशी वीएचएस निगरानी रडार का अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने देश के पहले वीएचएस (बहुत उच्च आवृत्ति) रडार का अनावरण किया है, जिसे पांचवीं और छठी पीढ़ी के स्टील्थ विमानों का पता लगाने के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना जाता है। यह रडार एयरो इंडिया 2025 बेंगलूरु में आयोजित किया गया था। उन्नत वीएचएफ निगरानी रडार अभी परीक्षण चरण में है। यह एलिमेंट-लेवल डिजिटाइजेशन और ऑप्टिकल इंटरफेस के साथ नवीनतम पीढ़ी का डिजिटल चरणबद्ध सरणी रडार है। यह रडार एलिमेंट-लेवल डिजिटाइजेशन द्वारा संभव बनाए गए अपने उच्च गतिशील रेंज के कारण उच्च-अव्यवस्था वाले वातावरण में काम कर सकता है। यह घूरने और घूमने दोनों मोड में काम कर सकता है। डीआरडीओ के तहत संचालित भारत में एक अनुसंधान और विकास प्रतिष्ठान इलेक्ट्रॉनिक्स और रडार विकास प्रतिष्ठान (एलआरडीई) के अनुसार, इस रडार को समर्पित ट्रैकिंग रडार के साथ क्यूइंग रडार के रूप में भी एकीकृत किया जा सकता है, जो वायु रक्षा के लिए एक व्यापक समाधान प्रदान करता है। इसे पहाड़ी या अन्य चुनौतीपूर्ण इलाकों में लगाया जा सकता है। रडार की पहचान सीमा 400 किलोमीटर तक है। एलआरडीई कर्मियों को भरोसा है कि स्टील्थ तकनीक वाला वीएचएस रडार लगभग दो वर्षों में भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा उपयोग के लिए तैयार हो जाएगा और इस परियोजना पर 50 से 60 विशेषज्ञों और कर्मियों की एक टीम काम कर रही है। एलआरडीई के शिवशंकर ने कहा कि यह रडार भारत में स्टील्थ लक्ष्य का पता लगाने में एक महत्वपूर्ण नवाचार का प्रतिनिधित्व करता है। यह सभी पांचवीं और छठी पीढ़ी के विमानों का पता लगाने में सक्षम होगा। यह एक वीएचएस निगरानी रडार है जो 400 किलोमीटर की दूरी पर बी2 बमवर्षक, एफ-117 और एफ-35 विमानों जैसे स्टील्थ लक्ष्यों का पता लगाने के लिए कम आवृत्ति पर संचालित होता है। इस रडार को एचएलवी का उपयोग करके तैनात किया जाता है, और दोनों वाहन सभी इलाकों में काम कर सकते हैं। रडार को 20 मिनट के भीतर किसी भी स्थान पर तैनात किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा इस रडार में संचालन के लिए स्टीयरिंग और रोटेशन दोनों मोड हैं। स्टीयरिंग मोड में, यह प्लस और माइनस 45 डिग्री रेंज में काम करता है। रडार सक्रिय सरणी इलेक्ट्रॉनिक्स का उपयोग करके अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। यह पूरी तरह से डिजिटल रडार है, जो हमें अव्यवस्था और कई जैमर का मुकाबला करने के लिए उन्नत अनुकूली सरणी सिग्नल प्रोसेसिंग एल्गोरिदम को लागू करने की अनुमति देता है।

वर्तमान में, भारत के पास स्वदेशी कम आवृत्ति वाला रडार नहीं है। ये रडार वर्तमान में आयात किए जाते हैं। यह नया रडार भारत को एंटी-स्टील्थ क्षमताएँ विकसित करने में सक्षम करेगा। यह लक्ष्य ट्रैकिंग और एक साथ निगरानी दोनों की अनुमति देगा। शिवशंकर के अनुसार, इस रडार से स्टील्थ लक्ष्य का पता लगाने में काफी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा यह परियोजना दो साल पहले शुरू की गई थी और अब परीक्षण के चरण में है। केवल दो वर्षों में, हमने रडार का डिजाइन, विकास और निर्माण पूरा कर लिया है। हम अब अंतिम चरण में हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजीत कुमार जी पारस मल, मनोज बरलोटा के निवास स्थान पारसमणी स्प्रिंग्स अपार्टमेंट चमराजपेट से प्रातः 7:20 बजे विहार कर ललित कुमार, प्रतीक कुमार मरलेचा के निवास स्थान गवीपुरम पहुंचे। सभा अध्यक्ष गौतम दक के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मुनि श्री के दर्शन एवं सेवा का लाभ लिया। साथ ही हनुमंतनगर पधारने की विनंती की। इस अवसर पर सभा मंत्री हेमराज मांडोत, पूर्व अध्यक्ष महावीर चावत, तेयुप अध्यक्ष कमलेश झाबक, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री द्वितीय रक्षित लोढा, भरत चावत, जयश्री बरलोटा की उपस्थिति रही।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बैटरायणपुरा होसा बडावणे क्षेमाभिवृद्धी संघ द्वारा आयोजित 35वें अन्नमा देवी महोत्सव में अन्नदान कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने सेवा दी।

मैसूर-टूंडला के बीच कुंभ मेला स्पेशल एक्सप्रेस

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कुंभ मेले के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, रेलवे बोर्ड ने मैसूरु और टूंडला, उत्तर प्रदेश के बीच प्रत्येक दिशा में एक ट्रिप के लिए विशेष एक्सप्रेस ट्रेनों (ट्रेन संख्या 06217/06218) के संचालन को मंजूरी दे दी है। ट्रेन संख्या 06217 मैसूरु-टूंडला स्पेशल एक्सप्रेस 17 फरवरी को रात 9:40 बजे मैसूरु से रवाना होगी और 20 फरवरी को सुबह 9:30 बजे टूंडला पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 06218 टूंडला-मैसूरु स्पेशल एक्सप्रेस 21 फरवरी को सुबह 11:30 बजे टूंडला से रवाना होगी और 23 फरवरी को रात 10 बजे मैसूरु पहुंचेगी। ट्रेन मांड्या, रामानगरम, केंगेरी, केएसआर बेंगलूरु, यशवंतपुर, तुमकुरु, अरसीकेरे, कदुर, चिकजाजुर, दावणगेरे, हरिहर, रानीबेन्नूर, हावेरी, एसएसएस हुब्बल्ली, धारवाड़, अलनावर, लोंडा, खानापुर, बेलगावी, गोकक रोड, घाटप्रभा, रायबाग, कुदाची, मिराज, पुणे, दौंड कॉर्ड लाइन, मनमाड, भुसावल, इटारसी, पिपरिया, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज, फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा स्टेशन पर रुकेगी। स्पेशल एक्सप्रेस में 03 एसी थ्री टियर कोच, 10 स्लीपर कोच, 02 सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच और 02 एसएलआर/डी कोच सहित 17 कोच होंगे। ट्रेन शेड्यूल और टिकट बुकिंग के बारे में अधिक जानकारी के लिए यात्री भारतीय रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं या हेल्पलाइन नंबर 139 पर कॉल कर सकते हैं।

कर्नाटक सरकार ने इन्वेस्ट कर्नाटक 2025 में नई सिंगल विंडो प्रणाली शुरू की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक सरकार ने एक नई सिंगल विंडो प्रणाली शुरू की है, जो राज्य में निवेश को सुविधाजनक बनाने और उसे तेजी से आगे बढ़ाने के लिए एक सुव्यवस्थित और डिजिटल-प्रथम दृष्टिकोण प्रदान करती है, जिसने खुद को औद्योगिक विकास और आर्थिक उछाल के मामले में सबसे आगे रखा है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट, 'इन्वेस्ट कर्नाटक 2025' में लॉन्च की गई, उन्नत प्रणाली व्यवसाय करने में आसानी को बेहतर बनाने के लिए तैयार की गई है, और यह कर्नाटक के संपन्न औद्योगिक परिदृश्य में एक प्रमुख मील का पत्थर है। नवीनतम पहल राज्य के व्यवसाय-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से जुड़ी है कि कर्नाटक एक पसंदीदा निवेश गंतव्य बना रहे। एंड-टू-एंड डिजिटल दृष्टिकोण के साथ, सिंगल विंडो सिस्टम न केवल प्रक्रियाओं को सरल बनाता है, बल्कि औद्योगिक और आर्थिक विकास के केंद्र के रूप में कर्नाटक की स्थिति की पुष्टि भी करता है। 30 से अधिक राज्य विभागों और एजेंसियों से 150 से अधिक व्यावसायिक सेवाओं को एकीकृत करके, यह प्रणाली अनुमोदन को सरल और त्वरित बनाती है। नई सिंगल विंडो प्रणाली को एक सहज, पारदर्शी और कुशल निवेश अनुभव बनाने के लिए डिजाइन किया गया है, जो यह सुनिश्चित करता है कि निवेशकों को अब कई सरकारी विभागों में जटिल नौकरशाही प्रक्रियाओं से गुजरने की जरूरत नहीं है। यह प्लेटफॉर्म व्यवसायों को सिंगल विंडो प्रणाली से आवश्यक अनुमोदन, एनओसी और मंजूरी के लिए आवेदन करने, संशोधन करने और नवीनीकृत करने में सक्षम बनाता है, जिससे निवेशकों के लिए दक्षता और टर्नअराउंड समय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। निवेशक अब ऑनलाइन कॉमन एप्लीकेशन फॉर्म के माध्यम से जिला या राज्य स्तर पर सैद्धांतिक मंजूरी भी प्राप्त कर सकते हैं, जिससे एक अधिक संरचित और पूर्वानुमानित अनुमोदन प्रक्रिया सक्षम होगी। विशेष रूप से, आने वाले महीनों में, यह प्रणाली ऑनलाइन हलफनामा-आधारित मंजूरी की सुविधा शुरू करेगी, जो विनिर्माण क्षेत्र के निवेशकों को पोर्टल के माध्यम से कर्नाटक उद्योग मित्र को एक हलफनामा प्रस्तुत करने के आधार पर, विभिन्न विभागों से मंजूरी की प्रतीक्षा किए बिना निर्माण और प्रारंभिक गतिविधियाँ शुरू करने की अनुमति देगी। इसके अलावा, इस प्रणाली में एक एकीकृत भूमि प्रबंधन प्रणाली शामिल है, जो कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) की सेवाओं, जैसे भूमि उपलब्धता, आवंटन और भवन योजना से संबंधित अनुमोदन, को अधिक सुलभ और निर्बाध बनाती है। निजी या राजस्व भूमि पर परिचालन स्थापित करने के इच्छुक निवेशक अपनी परियोजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण निर्णय लेने से पहले जोनिंग और साइटिंग विनियमों के अनुपालन को सत्यापित करने में मदद करने के लिए जीआईएस-आधारित औद्योगिक सूचना प्रणाली का उपयोग कर सकते हैं। राष्ट्रीय और केंद्र सरकार के ढाँचों के साथ अधिक संपर्क सुनिश्चित करने के लिए, सिंगल विंडो सिस्टम को राष्ट्रीय सिंगल-विंडो सिस्टम और अन्य केंद्रीय विभागों के साथ सहजता से एकीकृत किया गया है। इस प्रणाली में निवेशकों को उनके प्रोजेक्ट जीवन-चक्र के विभिन्न चरणों में आवश्यक अनुमोदन, एनओसी और मंजूरी के माध्यम से मार्गदर्शन करने के लिए एक नो-योर-अप्रूवल विजार्ड भी शामिल है। वित्तीय निर्णय लेने में सहायता के लिए, निवेशकों को विभिन्न राज्य-प्रदत्त लाभों के लिए उनकी पात्रता का आकलन करने में मदद करने के लिए एक प्रोत्साहन विजार्ड और कैलकुलेटर शामिल किया गया है। सिंगल विंडो सिस्टम में एक जनरेटिव एआई-संचालित चैटबॉट उद्योग मित्र सहायक भी पेश किया गया है जो निवेशकों को नीतियों, अनुमोदनों और प्रोत्साहनों पर वास्तविक समय, बहुभाषी सहायता प्रदान करता है। इसके अलावा, प्लेटफॉर्म में एक प्रोत्साहन दावा और संवितरण मॉड्यूल शामिल होगा, जो वित्तीय प्रोत्साहनों का दावा करने के लिए एक पारदर्शी और कुशल तंत्र सुनिश्चित करता है। कुल मिलाकर, यह प्रणाली निवेशकों के लिए उनके अनुमोदन आवेदनों पर वास्तविक समय की स्थिति अपडेट प्रदान करके पारदर्शिता बढ़ाती है। वास्तविक समय के डैशबोर्ड और एसएलए निगरानी की उपलब्धता से सरकारी हितधारकों को अनुमोदन की स्थिति को ट्रैक करने, प्रक्रिया की बाधाओं को पहचानने और हल करने और समय पर सेवा वितरण सुनिश्चित करने की भी अनुमति मिलेगी। यह प्रणाली मोबाइल-अनुकूलित और बहुभाषी है - जो उपयोगकर्ताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए पहुँच और सुविधा सुनिश्चित करती है। निवेशक एक इंटरैक्टिव ऑनलाइन क्वेरी समाधान प्रणाली के माध्यम से शिकायतें भी उठा सकते हैं और ट्रैक कर सकते हैं। व्यावसायिक सेवाओं का लाभ उठाने के लिए पैन को यूनिक बिजनेस आईडी के रूप में उपयोग करके और अपने प्रोजेक्ट जीवन-चक्र के सभी चरणों के माध्यम से निवेशकों का समर्थन करने के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली प्रदान करके, सिंगल विंडो सिस्टम कर्नाटक के औद्योगिक परिदृश्य में एक बड़े परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है।

गौशाला के लिए एकत्र की खाद्य सामग्री

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में बुधवार को पूर्णिमा के अवसर पर पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में महावीर गौशाला के मुक प्राणियों के लिए खाद्य सामग्री एकत्र कर गौशाला भिजवाई गई। संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने कहा एक दूसरे के लिए जीने का नाम ही जिन्दगी है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि गदग में पिछले कई सालों से सेवा का कार्य चल रहा है, जिसमें पूर्णिमा के दिन घर घर से लोग गौशाला के लिए रोटी, केले, गुड़ समेत कई खाद्य सामग्री लाते है। संघ के पूर्व समिति सदस्य पवन ओस्तवाल ने सहयोग देने वालों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा जहां हमारा स्वार्थ समाप्त होता है, वहीं से इंसानियत आरम्भ होती है। गौशाला में निस्वार्थ सेवा देने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़, अध्यक्ष पंकज बाफना, पूर्व सदस्य पवन ओस्तवाल, राजेंद्र भंसाली, जयंतीलाल गादिया, उमेश बाफना, रमेश संकलेचा, राहुल बाफना, रमेश रावल, शिल्पा कवाड़ समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

मैसूरु उदयगिरी पुलिस स्टेशन की घटना में पुलिस ने कोई गलती नहीं की: शिवकुमार

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर भीड़ के हमले के बाद पुलिस की भूमिका का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। दूसरों का क्या कहना है, यह महत्वपूर्ण नहीं है। मैं कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के रूप में यह दावा करता हूं कि मैसूरु उदयगिरी पुलिस स्टेशन की घटना में पुलिस ने कोई गलती नहीं की है। उदयगिरी पुलिस स्टेशन पर भीड़ के हमले को लेकर पुलिस के खिलाफ आलोचना के बारे में मैसूरु में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए शिवकुमार ने यह बात कही। हमले की प्रतिक्रिया में पुलिस की कार्रवाई का बचाव करते हुए शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने स्थिति को संभालने में अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभाया है। उन्होंने कहा भले ही कुछ पुलिस कर्मियों, जिनमें कुछ उच्च अधिकारी भी शामिल हैं, को चोटें आई हों, लेकिन उन्होंने समय पर कार्रवाई की है।

प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा से भारत को कोई खास फायदा नहीं होगा: खड़गे

मीडिया भ्रम पैदा करता है

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पर प्रतिक्रिया देते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने सवाल उठाया कि मोदी ने कार्गो विमान से भारतीयों को अमेरिका द्वारा वापस भेजे जाने पर आपत्ति क्यों नहीं जताई। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी की यात्रा से भारत को कोई खास फायदा नहीं होगा। मोदी को वास्तव में आमंत्रित नहीं किया गया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर वहां गए और मोदी को निमंत्रण दिलाने में कामयाब रहे। मोदी ने खुद कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनके पुराने मित्र हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी दोस्ती भारत की मदद करती रहेगी। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ उनके संबंध इतने अच्छे होते, तो मोदी को राष्ट्रपति से कहना चाहिए था कि वे कार्गो विमानों से अवैध भारतीय अप्रवासियों को न भेजें। यहां बुधवार को अपने आवास पर

मीडियाकर्मियों से संक्षिप्त बातचीत के दौरान खड़गे ने कहा उन्हें ट्रंप से कहना चाहिए था कि भारतीयों को यात्री विमान से भेजें या उन्हें वापस घर ले जाने के लिए भारतीय यात्री विमान का इंतजार करें। मोदी ने ट्रंप के साथ दोस्ती के उनके दावों पर सवाल उठाते हुए एआईसीसी अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी का निजी दोस्त भारत का दोस्त नहीं हो सकता। दोस्ती और एक-दूसरे को जानना और आपसी परिचय आम बातें हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या मोदी का दोस्त भारत का भी दोस्त है। मोदी हमेशा ऐसी बातें करने में एक कदम आगे निकल जाते हैं और उन्हें झूठ बोलने की भी आदत है। इसलिए, मोदी की अमेरिकी यात्रा से कोई अनुकूल परिणाम नहीं निकलेगा। अमेरिका पहले ही आयात पर सीमा शुल्क बढ़ाने की धमकी दे चुका है। मोदी के दोस्त हमें शुरू से ही धमका रहे हैं। हम उनसे भारत के लिए कुछ भी अच्छा होने की उम्मीद कैसे कर सकते हैं? अगर उन्होंने अमेरिका में भारतीय नागरिकों के साथ अच्छा व्यवहार किया होता तो बात अलग होती। उन्होंने कहा अमेरिका ने जब चाहा भारतीय इंजीनियरों और डॉक्टरों को काम पर रखा और अब वह उन पर प्रतिबंध लगा रहा है। कर्नाटक के गृह मंत्री और दलित नेता जी परमेश्वर की हाल ही में उनसे हुई मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर खड़गे ने कहा कि किसी नेता का अपने राज्य के एआईसीसी अध्यक्ष से मिलना बहुत आम बात है। मैं एआईसीसी अध्यक्ष हूं। क्या किसी नेता का अपने राज्य के एआईसीसी अध्यक्ष से मिलना कोई बड़ी बात है? चूंकि मैं कर्नाटक से हूं, इसलिए राज्य के कई नेता मुझे सीधे फोन करते हैं और आसानी से मुझसे मिलने का समय तय कर लेते हैं। मैं 'नहीं' नहीं कह सकता। कर्नाटक से हर कोई मुझसे मिलने आता है। आपको जी परमेश्वर, डी.के. शिवकुमार, सतीश जारकीहोली जैसे नेताओं की मुझसे मुलाकात और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के मुझसे फोन पर बात करने की अफवाह नहीं फैलानी चाहिए और सरकार को परेशान नहीं करना चाहिए। मीडिया भ्रम पैदा करता है और नेताओं को भ्रमित करता है।

हिस्ट्रीशीटर बागप्पा हरिजन की हत्या

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने बुधवार को बताया कि जिले के मदीना नगर इलाके में अज्ञात हमलावरों के एक समूह ने हिस्ट्रीशीटर की हत्या कर दी। बागप्पा हरिजन की उम्र 50 साल थी और उसके खिलाफ हत्या के छह मामलों सहित कई आपराधिक मामले दर्ज थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बागप्पा अपने घर के बाहर टहल रहा था, तभी मंगलवार रात करीब साढ़े नौ बजे चार-पांच हमलावरों के एक समूह ने उस पर हमला कर दिया।

अधिकारी ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए बताया कि हमलावरों ने पहले उस पर कुंडली (बगीचे का एक औजार) से हमला किया और फिर उस पर दो राउंड गोलियां चलाईं और भाग गए। घटना के बाद बागप्पा की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने कहा हमने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। हम मामले के सभी कोणों से जांच कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार, बागप्पा तब चर्चा में आया जब उसने अपने रिश्तेदार चंद्रप्पा हरिजन (एक कुख्यात गैंगस्टर) से गिरोह की कमान संभाली, जिसे 2000 में महाराष्ट्र में पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया गया था। पिछली घटना में, बागप्पा को 7 अगस्त, 2017 को विजयपुर जिला सत्र न्यायालय परिसर में गोली मार दी गई थी। लेकिन वह तब बच निकलने में कामयाब रहा।

ड्राइवर को दौरा पड़ने के बाद निजी बस सड़क से उतरी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के यरमालु तेनका जामिया मस्जिद के पास बुधवार सुबह ड्राइवर को दौरा पड़ने के बाद एक निजी एक्सप्रेस बस ने नियंत्रण खो दिया और सड़क से उतर गई। यह घटना तब हुई जब मंगलूरु-उडुपी एक्सप्रेस बस के ड्राइवर शंभू मुल्की को यरमालु तेनका के पास दौरा पड़ा। नतीजतन, बस सड़क से उतर गई, जिससे तीन बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए और बिजली की लाइनें टूट गईं, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दस से

अधिक यात्रियों को मामूली चोटें आईं और उन्हें स्थानीय एम्बुलेंस में उडुपी अस्पताल ले जाया गया। ड्राइवर शंभू की हालत में सुधार हो रहा है और वह खतरे से बाहर है। पडुबिद्री पुलिस ने आगे की जांच के लिए दुर्घटना स्थल का दौरा किया।

विपक्षी नेताओं ने अधिकारियों के आत्महत्या के खिलाफ किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्षी नेताओं ने बुधवार को विधान सौधा के सामने विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने सरकारी अधिकारियों को आत्महत्या करने की इजाजत दे दी है।

विपक्ष के नेता आर. अशोक और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने इस अभिनव विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। आर. अशोक ने एक पोस्टर पकड़ा हुआ था जिस पर लिखा था, सिद्धू सरकार में अधिकारियों के लिए आत्महत्या एक वरदान है।

नारायणस्वामी ने एक तख्ती लेकर भाग लिया, जिस पर लिखा था, वफादार अधिकारियों की रक्षा करें। अशोक ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति है कि वफादार अधिकारी काम नहीं कर पा रहे हैं।

वाल्मीकि निगम के एक अधिकारी ने आत्महत्या कर ली है। एक सब-इंस्पेक्टर की जान चली गई। आत्महत्याओं का सिलसिला लगातार जारी है। उन्होंने आलोचना की कि धमकी जारी देना जारी है। उन्होंने शिकायत की कि गृह मंत्री और

मुख्यमंत्री ने इस संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया। उन्होंने पूछा कि सीटी रवि के मामले में कानूनी प्रक्रिया की अनदेखी कर कार्रवाई क्यों की गई। उन्होंने पूछा कि मंगलवार की दो बड़ी घटनाओं में आपने किसे गिरफ्तार किया? उन्होंने आरोप लगाया कि 500-600 लोगों ने स्टेशन पर हमला किया। उन्होंने पूछा कि क्या राज्य में हिंदुओं के लिए एक कानून है और मुसलमानों के लिए दूसरा कानून है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार उनके खिलाफ बोलेगी तो पुलिस अपना आत्मविश्वास कैसे बनाए रख सकेगी। चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा हमने सरकार और राज्य का ध्यान आकर्षित करने के लिए यह प्रदर्शन आयोजित किया है। उन्होंने कहा कि वह विपक्षी नेताओं की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। लेकिन सरकार जवाब नहीं दे रही है। उन्होंने कहा अब हम लोगों से जवाब चाहते हैं। विधान सौधा का निर्माण करते समय केंगल हनुमंतैया ने इसे सरकारी काम भगवान का काम है की भव्य थीम के साथ बनाया था। क्या महिलाओं को अपशब्दों से प्रताड़ित करना ईश्वर का काम है? क्या यह ईश्वर का काम है कि वह हमें धमकी दे कि यदि हम उसकी बात न मानें तो हम ट्रक से हमला कर देंगे? जब यह कहा गया कि वाल्मीकि निगम में 187 करोड़ रुपये डूब गए, तो क्या यह कहना ईश्वर का काम है कि केवल 87 करोड़ रुपये ही डूबे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आत्महत्या करने वाले अधिकारियों के नाम छिपाना ईश्वर का काम था?

सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने चीनी छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान के दावों पर उठाए सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को चीनी छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमानों की दावा की गई क्षमताओं पर संदेह जताते हुए कहा कि वे अभी भी विकास के चरण में हैं। चीनी छठी पीढ़ी के लड़ाकू जेट के दावों के बारे में पूछे जाने पर, सीडीएस

चौहान ने बताया कि बड़ी संख्या में देश छठी पीढ़ी के कार्यक्रम पर काम कर रहे हैं और यह उनका व्यक्तिगत विश्वास है कि वे सभी कुछ दूरी पर हैं। उन्होंने आगे बताया कि इन तकनीकों का प्रदर्शन देशों की रणनीति का एक हिस्सा हो सकता है। चौहान ने कहा छह पीढ़ी की क्षमता वाले इस तरह के प्लेटफॉर्म को देखना बहुत मुश्किल है। हम जिस बारे में बात कर रहे हैं, वह विमान के बाहरी दृश्य से है और यह भी कुछ सेकंड की क्लिप के साथ, जिससे आपको यह अंदाजा नहीं होगा कि यह छठी पीढ़ी का विमान है। वास्तव में, बड़ी संख्या में देश छह पीढ़ी के कार्यक्रम पर काम कर रहे हैं और मेरा व्यक्तिगत मानना है कि वे सभी कुछ दूरी पर हैं। लेकिन कुछ समय पहले हमने डब्ल्यूएस 10 या डब्ल्यूएस 15 इंजन की क्षमताओं के बारे में सुना था जो चीन के लिए 5वीं पीढ़ी के विमानों पर हैं। कुछ समय पहले, हमने यह भी सुना था कि चीन अमेरिकी और ब्रिटिश वायु सेना के कई पूर्व पायलटों को काम पर रख रहा है। वे अपने अभ्यास और अपने सिस्टम को बेहतर बनाना चाहते थे, इसलिए ये सिर्फ यह दिखाते हैं कि वे अभी भी उस तरह के विकास के चरण में हैं। न केवल तकनीक के मामले में, बल्कि रणनीति के मामले में भी। इसलिए हम वहां हैं। हमारे पास एएमसीए के लिए एक कार्यक्रम है जो 5वीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है, इसलिए यह कहीं न कहीं आगे की बात है। लेकिन हम वहां हैं। छठी पीढ़ी के विमानों के बारे में अपनी समझ बताते हुए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ ने कहा कि छठी पीढ़ी का विमान एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो मानव और मानव रहित दोनों तरह की टीमिंग कर सकता है। उन्होंने कहा छठी पीढ़ी के विमान के बारे में मेरी समझ यह है कि छठी पीढ़ी के विमान की कोई उचित वैश्विक रूप से स्वीकृत परिभाषा नहीं है। मूल रूप से, छठी पीढ़ी का विमान एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जो मानव और मानव रहित दोनों तरह की टीमिंग कर सकता है। यह एक तरह का हवाई कमांड पोस्ट है जो 2-3 समान प्रकार की संपत्तियों, शायद यूएवी, शायद ड्रोन जो वफ़ादार ड्रोन हैं, को नियंत्रित कर सकता है और फिर एक अलग तरह के तरीके से युद्ध कर सकता है। सीडीएस चौहान ने आगे कहा कि छठी पीढ़ी के विमान में युद्ध के दौरान पायलट को बेहतर निर्णय लेने की क्षमता देने के लिए कई तकनीकें, नेटवर्क, डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शामिल होंगी। तो यह छह पीढ़ी की अवधारणा है और इसमें कई तकनीकें शामिल हैं। इसमें नेटवर्क, डेटा एनालिटिक्स शामिल होंगे जो पायलट को उस तरह की स्थिति के बारे में जानकारी देंगे और सभी संपत्तियों की कमान और नियंत्रण भी देंगे। उसे खुद को नेटवर्क करने या स्थलीय या हवाई नेटवर्क के माध्यम से सूचना के पारित होने में सक्षम होना चाहिए। यह युद्ध के दौरान उसे बेहतर निर्णय लेने की क्षमता देने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का भी उपयोग करेगा। इसमें शायद लंबी दूरी की स्मार्ट एयर-टू-एयर मिसाइलें, हथियार प्रणाली और इसके अलावा स्व-उपचार जैसी क्षमताओं के साथ स्टील्थ तकनीक भी होगी।

सरकार बेतुकी बयानबाजी बंद कर प्रतिबद्धता के साथ करे कामः पी. राजीव

सभी पक्षों से पुलिस व्यवस्था को नैतिक समर्थन देने का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के राज्य महासचिव पी. राजीव ने कहा कि वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पर पुलिस थानों में घुसकर हमला किया जा रहा है और पुलिस पर हमला किया जा रहा है, जो इस बात का संकेत है कि हम किस स्तर पर पहुंच गए हैं। भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में बहुत चिंताजनक घटनाक्रम हो रहा है। उन्होंने विश्लेषण किया कि उदयगिरि की घटना को भाजपा-कांग्रेस के नजरिए से नहीं, न ही हिंदू-मुस्लिम के नजरिए से देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे कर्नाटक में आंतरिक सुरक्षा के स्तर के नजरिए से देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आम लोगों को रक्षा व्यवस्था पर संदेह है तो उन्हें उदयगिरि की घटना को इस चिंता के साथ देखना चाहिए कि इस राज्य में आम लोग किस तरह का सुरक्षित जीवन जी सकते हैं। उन्होंने पूछा कि उदयगिरि की घटना के पीछे कौन सी ताकतें काम कर रही हैं।

उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की

कि यदि ये शक्तियां इसी गति से बढ़ती रहीं तो इस देश की आंतरिक सुरक्षा कितने समय तक मजबूत रह सकेगी। इस स्थिति में, सभी पक्षों को सामूहिक रूप से विचार करना होगा कि आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए क्या कदम उठाए जाएं। उन्होंने विश्लेषण किया कि पुलिस प्रणाली को नैतिक समर्थन दिया जाना चाहिए, जो एक रक्षा संस्था है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि पुलिस प्रणाली को अस्थिर करने और पुलिस बल के भीतर सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए एक व्यवस्थित साजिश चल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस समाज को यह संदेश देने की साजिश चल रही है कि अगर यह राज्य आंतरिक अशांति पैदा करता है, अगर यह राज्य आंतरिक अशांति का शिकार होता है, तो पुलिस व्यवस्था इसे नियंत्रित नहीं कर सकती।

यदि राजनीतिक विचारों, हिंदू-मुस्लिम विचारों और राजनीतिक रंग का आरोप लगाया जाएगा, तो इन राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में शामिल लोग सुरक्षित महसूस करेंगे। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि आंतरिक विद्रोह पैदा करने वाली विध्वंसकारी एवं राष्ट्रविरोधी ताकतें सुरक्षित रहेंगी। हमें राष्ट्रविरोधी ताकतों को खत्म करने के बारे में सोचना होगा। क्या हम पीएफआई पर प्रतिबंध लगाने में सफल हुए?

क्या हम सभी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वालों का मुकाबला करने में एकजुट हैं? उन्होंने सवाल उठाया कि क्या हममें उनकी हिम्मत तोड़ने का साहस है और क्या सरकार में उन्हें दोबारा सिर उठाने से रोकने की प्रतिबद्धता है। राजन्ना जैसे लोगों को सोचना चाहिए कि वे अपने बयानों के माध्यम से भविष्य को क्या संदेश दे रहे हैं। उन्होंने लोगों से इस बात पर विचार करने का आग्रह किया कि क्या ऐसी घटनाओं में तुष्टिकरण के बारे में सोचना सही है। उन्होंने सरकार से अब जागने का आग्रह किया। राष्ट्रविरोधी घटनाएं करने वालों का कोई धार्मिक, जातिगत या राजनीतिक जुड़ाव नहीं होता। वे सभी इस राष्ट्र की एकता के लिए खतरा हैं। इस सरकार को उन्हें राष्ट्र-विरोधी के रूप में पहचानने और उन्हें जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। सरकार को इस बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा आपका सहयोग करेगी। सरकार बेबुनियाद बयानबाजी बंद करे। अंतत, इस सरकार को राष्ट्र और राज्य की रक्षा के लिए पार्टी लाइन से ऊपर उठकर प्रतिबद्धता दिखानी होगी। इस सरकार को इस संबंध में साहसिक कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई को हमारा भी समर्थन है। उन्होंने उनसे तुरंत कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

पुलिस पर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही का आरोप

इससे पहले सहकारिता मंत्री के.एन. राजन्ना ने मैसूरु के उदयगिरी में हुई पथराव की घटना में पुलिस पर कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही का आरोप लगाया था। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा हमारी पुलिस को क्या हो गया है? क्या आपको कम से कम कुछ सामान्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं है? किसी आरएसएस व्यक्ति ने धार्मिक निन्दा का कार्य किया है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को उदयगिरी पुलिस स्टेशन में रखा गया है, जहां 99 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है।

स्वाभाविक रूप से, लोग एकत्रित हो गए और उन्होंने आक्रोश व्यक्त किया तथा यह हंगामा किया। क्या पुलिस को बुद्धिमत्ता की आवश्यकता नहीं है? शासन करना केवल मंत्रियों की ही जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि अधिकारियों की भी जिम्मेदारी है। क्या स्थानीय स्तर पर काम करने वाले पुलिसवालों में सामान्य बुद्धि नहीं है? उन्होंने गिरफ्तारियों के बाद हुए दंगों के लिए स्थानीय पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए उसकी आलोचना की। भद्रावती कांग्रेस विधायक संगमेश के बेटे द्वारा महिला अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने और अहंकार प्रदर्शित करने के लिए उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। अधिकारियों का अपमान करना दंडनीय अपराध है, चाहे वे कोई भी हों, चाहे वे मंत्री हों, विधायक हों या उनके बच्चे हों। इसलिए उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए 3 लिंगायत नेताओं के नाम घोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अगर भाजपा हाईकमान मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र को बदलने का फैसला करता है, तो पार्टी में चर्चा शुरू हो गई है कि लिंगायत समुदाय से पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री वी सोमन्ना और पूर्व मंत्री मुरुगेश निरानी के नामों पर विचार किया जाना चाहिए। पता

चला है कि विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के नेतृत्व वाली टीम ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्रियों और राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों के साथ हुई चर्चा में राय व्यक्त की कि अगर लिंगायत समुदाय पर ही विचार किया जाना चाहिए, तो इन तीन नामों में से किसी एक को नियुक्त किया जाना चाहिए। अगर पार्टी में असंतुष्टों की मांगों के मद्देनजर विजयेंद्र को बदलना है, तो वरिष्ठों को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर ही सभी को संतुलित किया जा सकता है। अन्यथा, चर्चा है कि फिर से असंतुष्ट गतिविधियां जारी रहने का खतरा है। इस मामले को लेकर केंद्रीय मंत्री सोमन्ना के आवास पर एक बैठक भी हुई। हालांकि, बताया जाता है कि अभी तक न तो बोम्मई, न ही सोमन्ना और न ही निरानी ने कोई स्पष्ट राय व्यक्त की है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सोमन्ना प्रदेश अध्यक्ष का पद स्वीकार करेंगे या नहीं, क्योंकि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी के मंत्रिमंडल में जगह मिली है। चूंकि बोम्मई सांसद हैं, इसलिए उनके प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी स्वीकार करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। मुरुगेश निरानी पिछले विधानसभा चुनाव हारने के बाद फिलहाल पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष के तौर पर काम कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि वह भी प्रदेश अध्यक्ष पद से इनकार नहीं करेंगे। फिलहाल विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक और विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी दक्षिण कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। इसलिए, पार्टी में इस बात की प्रबल राय है कि प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए इस हिस्से के बजाय राज्य के दूसरे हिस्से के किसी व्यक्ति पर विचार किया जाना चाहिए।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

बेंगलूरु में मेट्रो किराए में बढ़ोतरी

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र के खिलाफ किया प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को मेट्रो किराए में हालिया वृद्धि को लेकर बेंगलूरु के कुछ मेट्रो स्टेशनों पर केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। राजाजीनगर और मल्लेश्वरम मंत्री मॉल मेट्रो स्टेशनों पर विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुखौटे पहनकर और तख्तियां लेकर विरोध करते देखे गए। इसके बाद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री कार्यालय ने मंगलवार को हालिया किराया वृद्धि के बारे में स्पष्टीकरण जारी किया।

सीएमओ के बयान में कहा गया विपक्षी दल, भाजपा, हमेशा की तरह, झूठी और भ्रामक जानकारी फैला रही है, राज्य सरकार पर आरोप लगा रही है और जनता को गुमराह कर रही है। जबकि नागरिकों को सरकारी नीतियों का विरोध करने का पूरा अधिकार है, एक अधिकार जिसका मैं सम्मान करता हूं। लेकिन भाजपा द्वारा जानबूझकर गलत सूचना देना और राजनीतिक लाभ के लिए विरोध को बढ़ावा देना अस्वीकार्य है। बयान में आगे कहा गया एक तरफ, भाजपा नेता केंद्र सरकार के तहत मेट्रो रेल की उपलब्धियों का श्रेय लेते हैं, लेकिन दूसरी तरफ, वे किराया संशोधन के लिए राज्य सरकार को दोषी ठहराते हैं, जो खुद को धोखा देने का एक कार्य है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) की स्थापना केंद्र और कर्नाटक सरकार द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी, जिसमें बराबर (50-50) भागीदारी थी। केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के अधिकारी प्रबंध निदेशक और निदेशक के पद पर हैं।

चूंकि बीएमआरसीएल एक स्वायत्त इकाई है, इसलिए राज्य सरकार का इस पर पूरा नियंत्रण नहीं है। देश भर के सभी मेट्रो निगमों की तरह, बीएमआरसीएल भी केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित मेट्रो रेलवे (संचालन और रखरखाव) अधिनियम, 2002 के तहत काम करता है। बयान में कहा गया है चूंकि 2017 से किराए में कोई संशोधन नहीं हुआ था, इसलिए बीएमआरसीएल ने संशोधन का अनुरोध करने के लिए केंद्र सरकार से संपर्क किया। अगर राज्य सरकार के पास किराए निर्धारित करने का अधिकार होता, तो बीएमआर-सीएल हमसे अनुमोदन के लिए केंद्र सरकार से क्यों पूछती? बयान में आगे बताया गया है कि जवाब में, केंद्र सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर. थरानी की अध्यक्षता में एक किराया संशोधन समिति बनाई, जिसमें केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के प्रतिनिधि शामिल थे। समिति का गठन 16 सितंबर, 2024 को किया गया था और उसे अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने के लिए तीन महीने का समय दिया गया था। बयान में बताया गया है इन तीन महीनों के दौरान, समिति ने न केवल बीएमआरसीएल अधिकारियों के साथ परामर्श किया, बल्कि अपने मेट्रो रेल निगमों के अधिकारियों के साथ किराया संरचना और संचालन पर चर्चा करने के लिए दिल्ली और चेन्नई की यात्रा भी की। समिति ने जून 2017 में निर्धारित किराया संरचनाओं का अध्ययन किया, यात्रियों की प्रतिक्रिया एकत्र की और बीएमआरसीएल की वित्तीय स्थिति की समीक्षा की। 16 दिसंबर, 2024 को समिति ने अपनी अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की। जून 2017 में जब बीएमआर-सीएल ने किराया तय किया था, तब मेट्रो के पहले चरण का केवल 42.3 किमी हिस्सा ही चालू था। अब चरण 2 के आंशिक रूप से पूरा होने के साथ ही मेट्रो नेटवर्क का विस्तार हो गया है। दिसंबर 2026 तक मेट्रो कॉरिडोर (2, 2ए और 2बी) पूरी तरह से बनकर तैयार हो जाएंगे, जिससे नेटवर्क बढ़कर 175.55 किमी हो जाएगा। समिति ने बेंगलूरु मेट्रो से जुड़े सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद 10 अध्यायों में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसने देश भर की अन्य मेट्रो प्रणालियों के किराया संरचनाओं का भी अध्ययन किया। वर्तमान में बेंगलूरु मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपये और अधिकतम किराया 60 रुपये है, जबकि मुंबई मेट्रो का न्यूनतम किराया 10 रुपये और अधिकतम 80 रुपये है। दिल्ली मेट्रो को छोड़कर सभी राज्यों ने अपने शुरुआती मेट्रो किराए स्वतंत्र रूप से निर्धारित किए। मेट्रो रेलवे (संचालन एवं रखरखाव) अधिनियम की धारा 37 के अनुसार, मेट्रो निगम (इस मामले में बीएमआरसीएल) समिति की किराया संशोधन सिफारिशों को लागू करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है।

शिवाजी युग के हथियारों की प्रदर्शनी ने लोगों को किया आकर्षित

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज का कर्नाटक के बेलगावी में एक प्रतिष्ठित स्थान है। युवा पीढ़ी को उनकी वीरता और विरासत से परिचित कराने के लिए जिले में नियमित रूप से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। ऐसा ही एक कार्यक्रम शिवाजी के युग के ऐतिहासिक हथियारों की प्रदर्शनी है, जो आगंतुकों को मराठा साम्राज्य की सैन्य विरासत की एक झलक प्रदान करती है। रोटरी क्लब बेलगावी साउथ द्वारा बेल-गावी में मराठा मंदिर में आयोजित यह प्रदर्शनी 11 से 14 फरवरी तक चलेगी और इसे जनता से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है। प्रदर्शनी में तलवारें, खंजर, ढाल, त्रिशूल, धनुष और तीर, तोप और हथगोले शामिल हैं, जो शिवाजी के समय के सैनिकों और कमांडरों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले हथियार हैं।

महाराष्ट्र के पुणे से मंगाए गए 500 से अधिक ऐतिहासिक हथियारों को 62 फ्रेमों में प्रदर्शित किया गया है, जो आगंतुकों को उस काल की शिल्प कौशल और युद्ध तकनीक को देखने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। मराठा इतिहास की यात्रा प्रदर्शनी की शुरुआत छत्रपति शिवाजी महाराज, संभाजी महाराज, तान-ाजी मालुसरे, बाजीप्रभु देशपांडे, बाल शिवाजी और राजमाता जीजाबाई को दर्शाती एक आकर्षक रंगोली कलाकृति से होती है। नासिक के साईं आर्ट्स के कलाकारों द्वारा बनाई गई इस कलाकृति को बनाने में लगभग 40 घंटे लगे और यह इस कार्यक्रम का एक आकर्षक दृश्य बन गई है। सबसे आकर्षक प्रदर्शनों में शिवाजी के नौसैनिक बेड़े के युद्धपोतों की प्रतिकृतियां हैं। उनकी समुद्री रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गलबट, गुरब और पाल जहाजों के मॉडल सतारा से लाए गए हैं। प्रदर्शन में चोल, पुर्तगाली और ब्रिटिश युग के युद्धपोतों के साथ-साथ विक्रांत और विशाखापत्तनम जैसे आधुनिक भारतीय नौसैनिक जहाज भी शामिल हैं। कुल मिलाकर, प्रदर्शनी में 640 जहाज मॉडल हैं, जो भारत के नौसैनिक विकास पर एक अंतर्दृष्टिपूर्ण नजर डालते हैं। सिक्के, डाक अभिलेखागार और दुर्लभ पत्र सिंहासन पर बैठे शिवाजी महाराज की एक मूर्ति प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण है, जो आगंतुकों को आकर्षित करती है और हाथ जोड़कर उन्हें श्रद्धांजलि देती है। पास में, शिवाजी के शासनकाल के दुर्लभ सिक्के, साथ ही मुगल, ब्रिटिश और मराठा काल के सिक्के, आगंतुकों को अतीत में ले जाते हैं। प्रदर्शनी में मोदी लिपि में लिखे गए 1,230 ऐतिहासिक पत्र भी प्रदर्शित किए गए हैं, जिनका उपयोग शिवाजी के समय में आधिकारिक पत्राचार के लिए किया जाता था। कोल्हापुर, इंदौर, ग्वालियर, मिराज और सांगली जैसी रियासतों से एकत्र किए गए ये पत्र मराठा और औपनिवेशिक युग के प्रशासनिक संचार के बारे में एक दुर्लभ जानकारी प्रदान करते हैं।

कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमराई: प्रल्हाद जोशी

हालिया घटना इसका स्पष्ट प्रमाण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय खाद्य, सार्वजनिक वितरण और उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रहलाद जोशी ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के गृहनगर मैसूरु में पुलिस अधिकारियों पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे चौंकाने वाली और दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया है। कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है और मैसूरु में हुई हालिया घटना इसका स्पष्ट प्रमाण है। मैसूरु को कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में जाना जाता है और यह मुख्यमंत्री का गृहनगर भी है।

अगर ऐसी जगह पर भी उपद्रवी अराजकता फैला रहे हैं, तो यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति कितनी चरमरा गई है। उन्होंने मैसूरु के उदयगिरि पुलिस स्टेशन पर हुए हिंसक हमले की निंदा की, जहां उपद्रवियों ने न केवल स्टेशन पर हमला किया, बल्कि पुलिस अधिकारियों पर भी हमला किया। उन्होंने कहा यह विडंबना है कि

मुख्यमंत्री के अपने शहर में इस तरह के दंगे हो रहे हैं। बेंगलूरु के इंदिरानगर में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर चार लोगों को चाकू मार दिया, जिससे राज्य में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर और प्रकाश पड़ा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कर्नाटक में माहौल अराजकतापूर्ण हो गया है, जहां अपराधियों और बदमाशों को परिणामों का कोई डर नहीं है। जोशी ने राज्य सरकार से ऐसे हिंसक कृत्यों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आग्रह किया और मांग की कि दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कम से कम अब तो सरकार को जाग जाना चाहिए, अपने पुलिस अधिकारियों की रक्षा करनी चाहिए और अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि मैसूरु में एक पुलिस स्टेशन पर हमला, जिसे कथित तौर पर राजनेताओं का समर्थन प्राप्त है, कांग्रेस सरकार पर सीधा हमला है और यह देखना बाकी है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया इस घटना को कितनी गंभीरता से लेते हैं। मंगलवार को नई दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु में कुछ समूह और संगठन अपनी गतिविधियों के माध्यम से देश और इसकी व्यवस्था को चुनौती दे रहे हैं। हालांकि पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन इसके सदस्य अलग-अलग नामों से काम करना जारी रखते हैं। पूर्व सीएम और भाजपा सांसद बसवराज बोम्मई ने मैसूरु की घटना की तुलना मंगलूरु, केजी हल्ली, डीजे हल्ली और हुब्बल्ली में हुई हिंसक घटनाओं से करते हुए कहा कि पिछली भाजपा सरकार के दौरान उन्होंने सख्त कार्रवाई की थी और कई लोगों को जेल भेजा था। हालांकि, इस सरकार के सत्ता में आने के बाद, उन्होंने हुब्बल्ली की घटना में शामिल लोगों के खिलाफ मामले वापस ले लिए। इससे प्रेरणा लेते हुए, अब मैसूरु पुलिस स्टेशन और पुलिस वाहनों पर हमला किया गया है, जिसमें एक इंस्पेक्टर घायल हो गया।

यहां तक कि एक पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) की कार पर भी हमला किया गया। पूर्व सीएम ने कहा कि यह घटना मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के गृह जिले में हुई है। यह देखना बाकी है कि वे इसे कितनी गंभीरता से लेते हैं। सीएम हमेशा संविधान और कानून के शासन की बात करते हैं। क्या वे आज कानून के शासन के अनुसार काम करेंगे, या तुष्टिकरण की राजनीति के लिए चुप रहेंगे?

18 साल पुराने मामले में आरोपी हिरासत में

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। उडुपी शहर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में 18 साल पहले हुए एक मामले में पुलिस ने एक आर-ोपी को हिरासत में लिया है। आर-ोपी की पहचान चिक्कमगलूरु निवासी अब्दुल हमीद (48) के रूप में हुई है। उडुपी शहर के पुलिस कर्मियों संजय एच सी और हेमंत कुमार एम ने मांड्या जिले के तवरेकेरे में उसे गिरफ्तार किया। आरोपी को अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे 25 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

वैवाहिक स्थिति की घोषणा केवल पारिवारिक अदालतों में ही की जा सकती है: कोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक उच्च न्यायालय की कलबुर्गी पीठ ने हाल ही में दिए गए एक फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति की वैवाहिक स्थिति के बारे में कोई विवाद है, तो घो-षणा केवल पारिवारिक न्यायालय के समक्ष ही की जानी चाहिए, चाहे राहत सकारात्मक हो या नकारात्मक। न्यायमूर्ति एस सुनील दत्त यादव और न्यायमूर्ति राजेश राय के की खंडपीठ ने कलबुर्गी के एक सामाजिक कार्यकर्ता अर्जुन द्वारा दायर मुकदमे को फिर से शुरू करने का आदेश देते हुए यह फैसला सुनाया। अर्जुन ने कलबुर्गी में पारिवारिक न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें यह घोषणा करने की मांग की गई थी कि सुशीलाबाई उनकी कानूनी रूप से विवाहित पत्नी नहीं हैं और उनकी दो बेटियां उनकी संतान नहीं हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि सुशीलाबाई ने 10 अक्टूबर, 1987 को उनसे विवाह करने का झूठा दावा किया था। मुकदमे में आगे कहा गया कि सुशीलाबाई ने पहले भगवंतराय कलशेट्टी से विवाह किया था और उनसे उनकी दो बेटियाँ थीं। यह दावा किया गया था कि हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13-बी के तहत सहमति डिक्री के माध्यम से उनके वैवाहिक संबंध को समाप्त कर दिया गया था। 27 फरवरी, 2023 को पारिवारिक न्यायालय ने इस मुकदमे पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें कानूनी तर्क दिया गया कि यह पारिवारिक न्यायालय अधिनियम की धारा 7 के तहत उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। न्यायालय ने यह भी देखा कि मांगी गई राहत एक नकारात्मक घोषणा थी। हालांकि, खंडपीठ ने कहा कि पारिवारिक न्यायालय अधिनियम की धारा 7 के स्पष्टीकरण (बी) में स्पष्ट रूप से स्थापित किया गया है कि किसी व्यक्ति की वैवाहिक स्थिति से संबंधित कोई भी मुकदमा पारिवारिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। पीठ ने आगे कहा कि मुकदमे में प्रार्थना सीधे तौर पर कानूनी वैवाहिक स्थिति से संबंधित है। बलराम यादव बनाम फुलमनिया यादव मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित एक मिसाल का हवाला देते हुए, पीठ ने फिर से पुष्टि की कि वैवाहिक स्थिति पर विवादों का निपटारा पारिवारिक न्यायालय द्वारा किया जाना चाहिए, भले ही मांगी गई राहत सकारात्मक हो या नकारात्मक। हाईकोर्ट ने अब सभी पक्षों को 12 फरवरी को बिना किसी और नोटिस के पारिवारिक न्यायालय के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है।

हमारे देश की एकता, अखंडता और प्रगति हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता: राजनाथ सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की तारीफ करके राजनीतिक हलकों को चौंका दिया। सिद्धरामैया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करने के लिए जाने जाते हैं। हालांकि, अपने उद्घाटन भाषण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का हवाला देते हुए रक्षा मंत्री सिंह ने इस बात पर भी जोर दिया कि हमारे देश की एकता, अखंडता और प्रगति हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सिंह ने कहा हम अलग-अलग राजनीतिक दलों से हैं और हम राजनीतिक विरोधी हैं। सिद्धरामैया ने मुझे आमंत्रित करने के लिए जो उदारता दिखाई है, वह उनकी राजनीति होने की क्षमता को दर्शाता है। इससे भाईचारे की भावना के साथ मिलकर काम करने में सीमित बाधाएं पैदा होती हैं, जो हम सभी को बांधती हैं। उन्होंने आगे कहा उनका निमंत्रण और समझदारी से स्वीकार करना दर्शाता है कि राष्ट्रीय हितों की खोज में हम राजनीतिक मतभेदों को भूलकर एकजुट हैं। राजनाथ ने आगे कहा जब मैं शनिवार को बेंगलूरु आया तो मुझे सिद्धरामैया की चोट के बारे में पता चला। उन्हें यहां देखकर अच्छा लगा। राजनीति में अपने पैरों को सुरक्षित रखना बहुत जरूरी है। आपको बहुत सावधान रहना होगा क्योंकि हर जगह आपको रुकावटें आएंगी। सिद्धरामैया एक अनुभवी राजनेता हैं और अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को सुरक्षित रूप से पार कर रहे हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह इस चोट से बहुत जल्दी उबर जाएंगे और मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने निवेशकों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी की परंपरा की शुरुआत की थी। आज, उनकी पहल को भारत के लगभग हर राज्य ने अपनाया है जो हमारी अर्थव्यवस्था का सकारात्मक विकास है। अतीत में, निवेशकों को कई चुनौतियों

का सामना करना पड़ा और सबसे बड़ी बाधाओं में से एक लालफीताशाही थी। हालांकि, समय बदल गया है। आज, भारत निवेशकों के लिए लालफीताशाही पेश नहीं करता है। इसके बजाय, हम उनके लिए लाल कालीन बिछाते हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि निवेश को बढ़ावा देने पर इस तरह की अंतर-राजनीतिक पार्टी की आम सहमति निवेशकों के लिए अनिश्चितता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मैं आप सभी को कर्नाटक में निवेश करने के लिए आमंत्रित करता हूं, सबसे आकर्षक मूल्य प्रस्तावों में से एक बेंगलूरु है। उन्होंने कहा कि भारत की प्रौद्योगिकी राजधानी के रूप में, बेंगलूरु न केवल भारत का भविष्य बनाता है, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर इसके नवाचार और प्रगति को भी साझा करता है। उन्होंने कहा कि चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, सभी भारतीय राज्य का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा हम संवैधानिक मूल्यों की नींव पर पनपते हैं। ये मूल्य हमें याद दिलाते हैं कि जब हमारे राष्ट्र के विकास और प्रगति की बात आती है तो हमारी राजनीतिक विचारधाराएँ अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन हम अपने मतभेदों से ऊपर उठते हैं और आम मंच पर एकजुट होते हैं। उन्होंने कहा मैं सभी को पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के शब्दों की याद दिलाना चाहूंगा, उन्होंने एक बार कहा था, सरकारें आएंगी और जाएंगी। पार्टियाँ बनेंगी और बिखरेंगी। लेकिन, यह देश बना रहना चाहिए। उनके शब्द एक कालातीत अनुस्मारक के रूप में काम करते हैं कि सभी राजनीतिक मतभेदों से ऊपर, हमारे देश की एकता, अखंडता और प्रगति हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

समृद्ध इतिहास में गहराई से निहित

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय संवैधानिक मूल्य राजनीतिक सहिष्णुता और विपक्ष की स्वीकृति के समृद्ध इतिहास में गहराई से निहित हैं। हमारे इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां युद्ध के समय भी दो शासकों के बीच युद्ध के स्थापित सिद्धांतों का पालन करते हुए सम्मान के साथ लड़ाइयां लड़ी गईं। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पराजित शासकों के साथ अक्सर गरिमा और सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता था, और कई उदाहरणों में, उनके राज्य भी उन्हें वापस कर दिए गए थे। राजनाथ सिंह ने कहा भारत में, ऐतिहासिक रूप से, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को शायद ही कभी जीवन और मृत्यु के मामले के रूप में देखा जाता था। यह काफी हद तक नैतिकता, आपसी सम्मान और न्याय की गहरी भावना से संचालित होता था।

दिल्ली चुनाव के बाद नए अवतार में भाजपा

बिहार और बंगाल में बढ़ी हलचल

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद नए तेवर और कलेवर के साथ आगे बढ़ रही है। भाजपा ने 1993 में जीत के बाद पहली बार 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने में सफलता प्राप्त की है। इसका पहला प्रतिबिंब पश्चिम बंगाल में देखने को मिला है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा की दिल्ली विजय से भयाक्रांत हो गई हैं और अभी से भाजपा का डर उन्हें सताने लगा है।

भाजपा ने 1993 में पहली बार दिल्ली विधानसभा में 49 सीटें जीतकर मदनलाल खुराना के नेतृत्व में सरकार बनाई थी। भाजपा की यह दिल्ली विजय काफी शुभ और दूरगामी परिणाम देने वाली रही। इस जीत के बाद 1996 में भाजपा लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी और पहली बार भाजपा के नेता अटल बिहारी वाजपेयी 13 दिनों के लिए देश के प्रधानमंत्री बने। फिर जब दिल्ली में भाजपा की सरकार थी, उसी क्रम में लोकसभा के अगले चुनाव में भाजपा को 182 सीटें मिलीं और भाजपा की 13 महीने की सरकार बनी।

इस बार भाजपा की दिल्ली में बड़ी जीत ने उसके लिए कई दरवाजे खोल दिए हैं। भाजपा अब आगामी चुनावों में नई ऊर्जा के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी। अगला चुनाव इस साल के अंत में बिहार विधानसभा का है। अगले वर्ष महत्वपूर्ण राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी के चुनाव हैं।

पश्चिम बंगाल में भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने दिल्ली के चुनाव परिणाम के साथ ही पश्चिम बंगाल में भी दिल्ली जैसी बड़ी जीत के लिए कमर कस ली है।

दिल्ली की जीत ने पश्चिम बंगाल भाजपा इकाई को बड़ी ताकत और ऊर्जा दी है और पार्टी नए उत्साह से लबरेज हो गई है।

बिहार में भाजपा का दशकों से नीतीश कुमार की जदयू के साथ गठबंधन है। भाजपा अब एनडीए के साथ पहले से ज्यादा बड़ी जीत बिहार में दर्ज करने की ओर बढ़ती दिख रही है। बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए और महागठबंधन (जिसमें लालू यादव की राजद, कांग्रेस और अन्य दल शामिल थे) ने एनडीए को कड़ी टक्कर दी थी। उस चुनाव में वोटों के लिहाज से एनडीए और महागठबंधन के बीच बहुत कम अंतर था। बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कई मौकों पर इस अंतर को लेकर चर्चा की है। मगर अब एनडीए बिहार में बड़ी जीत की ओर बढ़ती दिख रहा है।

ममता बनर्जी दिल्ली चुनाव में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन से इतनी डर गई हैं कि अभी से ही वह अपने अगले चुनाव के लिए भयभीत हो गई हैं। दिल्ली चुनाव से पहले ममता बनर्जी इस तरह के बयान देने से बचती थीं। उन्होंने पूरी ताकत से दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को समर्थन देकर भाजपा को हराने और कमजोर करने का प्रयास किया था, जिसमें वह बुरी तरह विफल रहीं। ममता बनर्जी ने केजरीवाल की नई दिल्ली सीट पर जीत सुनिश्चित करने के लिए इस सीट के पूर्व विधायक और अपनी पार्टी के सांसद कीर्ति आजाद और इस सीट के अंतर्गत आने वाली लोकसभा सीट से 1992 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके शत्रुघ्न सिन्हा को भी केजरीवाल के समर्थन में उतारा था। मगर ये नेता दिल्ली तो दूर, खुद केजरीवाल को भी अपनी सीट से जीत दिलाने में असफल रहे। कीर्ति आजाद नई दिल्ली विधानसभा सीट (जिसे पहले गोल मार्केट सीट कहा जाता था) से 1993 में भाजपा के टिकट पर विधायक बने थे।

अब ममता बनर्जी भाजपा और एनडीए को रोकने के लिए इस साल के अंत में बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और राजद के लिए अपनी पूरी ताकत लगाते हुए दिख सकती हैं। अगर कांग्रेस और राजद में 2010 की तरह गठबंधन नहीं होता है, तो ममता बनर्जी लालू यादव की पार्टी राजद को चुनावी समर्थन देते हुए नजर आ सकती हैं।

वुलर झील से 60 प्रतिशत मछली की आपूर्ति

जम्मू, 12 फरवरी (ब्यूरो)। बांडीपोरा स्थित वुलर झील कश्मीरियों के लिए मछली की जरूरत की 60 प्रतिशत पूर्ति कर रही है। उत्तरी कश्मीर के सोपोर और बांडीपोरा कस्बों के बीच स्थित वुलर झील कश्मीर की मछली की खपत की जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह लगभग 60 प्रतिशत मछलियां उपलब्ध कराती है और 12,000 से अधिक पंजीकृत मछुआरों को सहायता प्रदान करती है।

मत्स्य पालन के सहायक निदेशक शौकत अहमद भट ने कहा कि मछुआरों को आम तौर पर स्थिर पकड़ का अनुभव होता है, लेकिन इस साल की प्राकृतिक आपदा के कारण झील के जल स्तर में गिरावट आई है। हालांकि, इससे मछली पकड़ने वाले समुदाय पर कोई असर नहीं पड़ा है क्योंकि वुलर झील कश्मीर की अधिकांश मछलियों की आपूर्ति जारी रखती है। कश्मीर में खपत की जाने वाली लगभग 60 प्रतिशत मछलियां वुलर झील से आती हैं। उन्होंने कहा कि 12,000 से अधिक पंजीकृत मछुआरे अपनी आजीविका के लिए झील पर निर्भर हैं। भट ने बताया कि इन मछुआरों का समर्थन करने के लिए, विभाग ने विभिन्न सरकारी योजनाएं शुरू की हैं, जिसमें प्रति वर्ष 3,000 रुपए प्रदान करने वाला वित्तीय सहायता कार्यक्रम भी शामिल है।

पंजीकृत मछुआरों के लिए अन्य पहलों के माध्यम से और सहायता भी उपलब्ध है। सहायक निदेशक ने कहा कि सरकार मछली पालन समुदाय को संरक्षण देने तथा उत्पादन बढ़ाने के उपायों को लागू करके मछली पकड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बाजार की पहुंच में सुधार के प्रयासों पर प्रकाश डाला, तथा उल्लेख किया कि इस वर्ष मछुआरों को उनकी पकड़ को अधिक कुशलता से परिवहन करने में मदद करने के लिए लगभग 12 तिपहिया वाहन वितरित किए गए हैं। भट ने बताया कि विभाग ने इस वर्ष लगभग 600,000 मछलियां स्टॉक की हैं, तथा मछली पकड़ने के अवसरों को बढ़ाने तथा मछुआरों की आय को बढ़ाने के लिए अप्रैल में संख्या को और बढ़ाने की योजना है। भट कहते हैं कि मत्स्य विभाग ने हाल के वर्षों में मछुआरों को संधारणीय मछली पकड़ने की प्रथाओं के बारे में शिक्षित करने तथा अवैध मछली पकड़ने की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए हैं। उनका कहना था कि अवैध मछली पकड़ने में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय रूप से, वुलर झील एक आवश्यक पारिस्थितिक क्षेत्र है, जो विविध वनस्पतियों तथा जीवों का घर है। आसपास की आर्द्रभूमि तथा दलदल विभिन्न पक्षी, मछली तथा पौधों की प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं।

परिवहन विभाग के 6 भ्रष्ट अफसर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार जाने के बाद पहली बार बड़ी कार्रवाई हुई है। सीबीआई ने दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग से जुड़े छह अधिकारियों को गिरफ्तार किया है। इन पर भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप है। दिल्ली से लेकर गुड़गांव बॉर्डर इलाके में घूस लेने वाले दिल्ली परिवहन विभाग में कार्यरत अधिकारियों के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई है। सीबीआई को शिकायतें मिल रही थीं कि दिल्ली से लेकर गुड़गांव बॉर्डर इलाके में परिवहन विभाग के लोग घूस ले रहे हैं। इसके बाद सीबीआई ने जाल बिछाकर छह भ्रष्ट अफसरों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

जम्मू-कश्मीर में मांस उत्पादन को बढ़ावा देने का निर्णय

ऑस्ट्रेलिया से 900 उच्च नस्ल की भेड़ें मंगाई जाएंगी

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 12 फरवरी। जम्मू कश्मीर में मांस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार ने एकीकृत कृषि विकास कार्यक्रम के तहत ऑस्ट्रेलिया से 900 भेड़ों के आयात को मंजूरी दी है। 26 करोड़ रुपए के बजट वाली यह पहल दो उच्च उपज वाली नस्लों, डोर्पर और टेक्सेल पर केंद्रित है, जो अपनी बेहतरीन मांस उत्पादन क्षमताओं के लिए प्रसिद्ध हैं।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने क्षेत्र में मांस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए ऑस्ट्रेलिया से 900 उच्च गुणवत्ता वाली भेड़ों का आयात करने का फैसला किया है। डोर्पर और टेक्सेल नस्लों से संबंधित ये भेड़ें अपने बेहतरीन मांस उत्पादन के लिए दुनिया भर में जानी जाती हैं। यह पहल एकीकृत कृषि विकास कार्यक्रम का हिस्सा है और इसके लिए 26 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इस योजना का उद्देश्य राज्य को मांस उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हो।

वर्तमान में, जम्मू और कश्मीर में सालाना लगभग 15 लाख भेड़ें खपत होती हैं, जिसमें से 41 प्रतिशत मांग देश के अन्य हिस्सों से आयात के माध्यम से पूरी की जाती है, जिससे प्रदेश को 1,400 करोड़ रुपए की लागत आती है। नई परियोजना ऊन और मटन उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात में कटौती करने के लिए 329 करोड़ रुपए की व्यापक पंचवर्षीय योजना का हिस्सा है। आयातित भेड़ों को पूरी तरह से संगरोध प्रक्रिया से गुजरना होगा, जहां वे अगले दो महीनों के लिए समर्पित संगरोध केंद्रों में रहेंगे। इसके लिए राजबाग श्रीनगर, कठुआ-जम्मू में पहले से ही एक केंद्र स्थापित किया गया है, और भेड़ों को बाद में रियासी में सरकारी भेड़ पालन फार्म में रखा जाएगा। 900 भेड़ों में से, 450 डॉर्पर भेड़ें जम्मू संभाग को आवंटित की जाएंगी, जबकि इतनी ही संख्या में टेक्सेल भेड़ें कश्मीर संभाग को दी जाएंगी।

मूल रूप से दक्षिण अफ्रीका की डॉर्पर भेड़ें अपनी उच्च प्रजनन क्षमता, विभिन्न जलवायु के अनुकूल होने और तेजी से मांसपेशियों के विकास के लिए जानी जाती हैं। इस नस्ल के मेमने सिर्फ चार महीनों में 35-40 किलोग्राम तक बढ़ सकते हैं, जबकि वयस्क भेड़ों का वज़न 90 किलोग्राम तक होता है। नीदरलैंड की डच नस्ल टेक्सेल भेड़ें भी अपनी असाधारण मांसपेशियों के विकास के लिए समान रूप से बेशकीमती हैं। उनके सिर और पैर चिकने होते हैं, कद छोटा होता है, चेहरा चौड़ा होता है, नाक काली होती है और कान छोटे होते हैं, जो उन्हें मांस उत्पादन के लिए आदर्श बनाते हैं। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू और कश्मीर से भेड़ पालन के छह विशेषज्ञों की एक टीम जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना होगी, ताकि चयन और परिवहन प्रक्रिया की देखरेख की जा सके।

यूपी में अब रेंट एग्रीमेंट की भी होगी रजिस्ट्री

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में अब रेंट एग्रीमेंट की भी रजिस्ट्री होगी। रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर लिखी शर्तें ही कानूनी रूप से मान्य होंगी। कोर्ट में दावा भी केवल रजिस्टर्ड एग्रीमेंट पर ही चलेगा। यूपी सरकार संपत्ति की सुरक्षा के लिए रेंट एग्रीमेंट की रजिस्ट्री को बढ़ावा देगी। इसके लिए स्टाम्प शुल्क बेहद कम रखा जाएगा। एक वर्ष से ज्यादा के रेंट एग्रीमेंट पर न्यूनतम स्टाम्प शुल्क 500 रुपए से अधिकतम 20 हजार रुपए तक होगा। इसी के साथ रजिस्टर्ड एग्रीमेंट में लिखी शर्तें ही कानूनी रूप से मान्य होंगी, जिन पर कोर्ट में दावा किया जा सकेगा। इससे जुड़ा प्रस्ताव जल्द कैबिनेट में पेश किया जाएगा। स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवीन्द्र जायसवाल ने कहा कि इससे मकान मालिक और किरायेदारी से जुड़े विवादों में भी कमी आएगी। वर्तमान में किराये और अवधि के हिसाब से स्टाम्प शुल्क तय होता है। किरायेनामे को पंजीकृत कराने से मकान मालिक और किरायेदार दोनों का हित सुरक्षित रहेगा। पंजीकरण कराने के बाद एग्रीमेंट में लिखी शर्तों की ही कानूनी मान्यता होगी।

दरअसल, अभी रेंट एग्रीमेंट में स्टाम्प शुल्क ज्यादा होने के कारण बहुत कम लोग इसे कराते हैं। ज्यादातर लोग 100 रुपए के स्टाम्प पर किराया समझौता कर लेते हैं, जिसका कोई कानूनी दावा नहीं होता है। स्टाम्प व पंजीयन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में एक साल में महज 86 हजार रेंट एग्रीमेंट हुए हैं, जबकि घर से लेकर दुकान और आफिस किराये पर देने वालों की संख्या लाखों में होगी। स्टाम्प शुल्क के नियम सरल और कम करने के प्रस्ताव के साथ ही एक वर्ष तक के एग्रीमेंट वालों के लिए अलग से पोर्टल बनेगा। पोर्टल पर एक तय फार्मेट होगा, जिसे डाउनलोड कर प्रिंट निकाला जा सकेगा। इस फार्मेट को स्टाम्प पर चिपकाने से इसे कानूनी रूप मिल जाएगा। रेंट एग्रीमेंट की रजिस्ट्री न कराने पर मुकदमा भी नहीं लड़ पाएंगे। अपने अधिकार सिद्ध नहीं कर पाएंगे। एग्रीमेंट पर लिखी गई शर्तें ही मान्य होंगी। उन्हीं पर दावा चलेगा।

महाकुंभ में बाहुबली को वीआईपी प्रोटोकॉल, वीडियो वायरल

सपा ने उठाए सवाल

प्रयागराज, 12 फरवरी (एजेंसियां)। महाकुंभ में बाहुबली एमएलसी के वीआईपी प्रोटोकॉल में घूमने का वीडियो वायरल होने के बाद हंगामा मच गया है। इस वीडियो में बाहुबली एमएलसी विनीत सिंह फॉर्च्यूनर गाड़ियों का काफिला लेकर पीपा पुल से निकलते दिखाई दे रहे हैं। इसे लेकर सपा सोशल मीडिया सेल की ओर से सवाल उठाए गए हैं।

59 सेकंड के इस वीडियो में सबसे पहले पीपा पुल से फॉर्च्यूनर गाड़ियों काफिला निकलता दिखाई देता है। अगले ही पल मिर्जापुर/सोनभद्र क्षेत्र के भाजपा एमएलसी बाहुबली विनीत सिंह कुछ लोगों के साथ हेलीकॉप्टर से टेक ऑफ करते नजर आते हैं। इसके बाद नए यमुना पुल और संगम क्षेत्र का

एरियल व्यू दिखाई देता है। कुछ सेकेंड बाद वह संगम में डुबकी लगाकर नजर आते हैं और फिर नाव से संगम में घूमते दिखाई पड़ते हैं।

पीपा पुल से गुजरते नजर आए काफिले में सबसे आगे चल रही गाड़ी पर 0009 नंबर लिखा दिखाई पड़ता है। कहा जा रहा है कि यह गाड़ी बाहुबली एमएलसी की ही है। इस वीडियो को समाजवादी पार्टी सोशल मीडिया सेल की ओर से ट्वीट कर सवाल उठाए गए हैं। पूछा गया है कि आखिर बाहुबली एमएलसी को वीआईपी ट्रीटमेंट क्यों दिया गया।

कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पोस्ट पर कमेंट भी किए हैं। इनमें से एक ने लिखा है कि जब आम श्रद्धालुओं के लिए ज्यादातर पीपा पुल बंद हैं तो आखिर कैसे बाहुबली को पीपा पुल पर वाहनों का काफिला लेकर निकलने की अनुमति दी गई। इस संबंध में मेला डीआईजी वैभव कृष्ण से बात करने का प्रयास किया गया लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

बाहुबली विनीत सिंह मूल रूप से वाराणसी के चोलापुर के रहने वाले हैं और चोलापुर थाने के हिस्ट्रीशीटर भी हैं। उनके खिलाफ वाराणसी के अलग-अलग थानों में कई मामले दर्ज हैं। इनमें अपहरण और रंगदारी वसूलने से लेकर हत्या और हत्या के प्रयास तक के मामले शामिल हैं। आरोप लगते हैं कि विनीत सिंह ने बिहार के किडनैपिंग सिंडिकेट को संस्थागत तरीके से चलाया। रंगदारी, बालू-गिट्टी की कालाबाजारी और रियल स्टेट से भी अकूत कमाई करने के आरोप उन पर लगे हैं।

पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की 60 लाख रुपये की संपत्ति जब्त

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में सपा सरकार में खनन मंत्री रहे गायत्री प्रसाद प्रजापति की 60 लाख रुपये की संपत्ति को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को जब्त कर लिया। ईडी ने गायत्री के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति के मामले में यह कार्रवाई की है।

बता दें कि ईडी ने लोकायुक्त संगठन की जांच के बाद हुई सिफारिश के बाद विजिलेंस द्वारा गायत्री के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मुकदमे के आधार पर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच में पता चला कि गायत्री ने सपा सरकार में खनन मंत्री रहते हुए अपने पद का दुरुपयोग किया। अपने परिवार के सदस्यों और अन्य करीबी सहयोगियों एवं मित्रों के नाम पर तमाम चल-अचल संपत्तियां अर्जित की, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोतों के अनुरूप नहीं थीं।

गायत्री और उनके परिवार के सदस्यों ने अपनी काली कमाई को विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से कई फर्जी और दिखावटी लेन-देन के माध्यम से खपाया, जिससे बाद में निजी संपत्तियों को खरीदा गया। इसके लिए उनके परिवार के सदस्यों के बैंक खातों का भी इस्तेमाल हुआ।

इससे पहले ईडी गायत्री, उनके परिजनों एवं करीबियों की 71 संपत्तियों को जब्त कर चुका है, जिनकी कीमत 50.37 करोड़ रुपये है। ईडी ने इस मामले में पहले अमेठी, मुंबई और दिल्ली में 13 स्थानों पर छापा भी मारा था। इस दौरान बरामद साक्ष्यों के आधार पर इस संपत्ति को जब्त किया गया है।

एक्स पर माघ पूर्णिमा महाकुंभ नंबर वन पर करता रहा ट्रेंड, आकाश से श्रद्धालुओं पर बरसे फूल

प्रयागराज , 12 फरवरी (एजेंसियां)। माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर दिव्य और भव्य नजारा सोशल मीडिया पर छाया रहा। श्रद्धालुओं की अपार भीड़ और आध्यात्मिक उल्लास के बीच माघ पूर्णिमा महाकुंभ एक्स (ट्विटर) पर नंबर वन पर ट्रेंड करता रहा। इस पवित्र अवसर पर आए लोगों ने अपने अनुभव साझा किए, जिससे पूरे देश में उत्साह और भक्ति का माहौल बन गया।

गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम में डुबकी लगाने के लिए देश भर से श्रद्धालु पहुंचे। स्नान के दौरान 'हर हर गंगे' और 'जय श्रीराम' के गगनभेदी जयघोष से पूरा महाकुंभ क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। इस अद्भुत नजारे को श्रद्धालुओं ने अपने कैमरों में कैद कर सोशल मीडिया पर साझा किया है। हेलीकॉप्टर से होने वाली पुष्पवर्षा ने श्रद्धालुओं के मन को प्रफुल्लित कर दिया।

संगम के जल में आस्था की डुबकी लगाते हुए श्रद्धालुओं ने अपने परिवार और समाज की खुशहाली की कामना की। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों और वीडियो ने देश-विदेश के लोगों को भी इस दिव्य आयोजन से जोड़ दिया है।

माघी पूर्णिमा पर संगम तट पर भक्ति की लहरों में डूबने के लिए श्रद्धालु पौ फटने से पहले ही आतुर हो उठे। महाकुंभ के पांचवें स्नान पर्व पर श्रद्धालु रात से पुण्य की डुबकी लगाने लगे थे। हर-हर महादेव का जयकारा। ढोल-नगाड़ों की थाप। झूमते-गाते हुए भक्तों का रेला संगम जाने वाले हर मार्ग पर दिखाई दे रहा था।

माघी पूर्णिमा के स्नान पर शहर भर में श्रद्धालुओं के लिए भंडारे सजाए गए। स्नान करके लौटने वालों और स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं का प्रयाग की जनता ने अतिथि देवो भव: के भाव से स्वागत किया। संगम जाने वाले मार्ग से जंक्शन के रास्तों पर जगह-जगह खाने-पीने का स्टाल लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की गई। निशुल्क भोजन, चाय, पानी के साथ ही नाश्ते का भी इंतजाम किया गया था। बुधवार को भोर से ही शहर में जगह-जगह भंडारे शुरू हो गए।

चाय, पानी के साथ ही स्नान के लिए पहुंच रहे श्रद्धालुओं को नाश्ते का भी इंतजाम कराया गया। बंगाली सोशल एंड कल्चरल एसोसिएशन के सदस्यों ने इंडियन प्रेस के समीप एवं विज्ञान परिषद के बगल में भंडारा लगाया। सुबह से लेकर शाम तक महाकुंभ मेला से स्नान कर लौटते हुए स्नानार्थियों को भंडारे का प्रसाद ग्रहण करवाया गया। लोग प्रसाद खाकर तृप्त हो रहे थे और जय श्रीराम, गंगा मैया की जय का नारा लगाते हुए वापस जा रहे थे। कीडगंज, बैरहना चौराहा, कोठा पार्चा, रामबाग, सिविल लाइंस में भी जगह-जगह भंडारे के लिए स्टाल लगाए गए थे। स्वयंसेवक श्रद्धालुओं को रोक-रोकर भोजन व नाश्ता करा रहे थे।

प्रयागराज में एक बार फिर गंगा जमुनी तहजीब नजर आई। माघ पूर्णिमा पर समाज में एकता का संदेश देने के लिए त्रिवेणी स्नान कर लौट रहे श्रद्धालुओं पर मुस्लिम समाज के लोगों ने फूल बरसाकर स्वागत किया। बुधवार को काटजू रोड स्थित अब्दुल्लाह मस्जिद के बाहर जुटे मुस्लिम समाज के लोगों ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाकर एकता का संदेश दिया। इस दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने स्नानार्थियों के लिए खाने-पीने का भी इंतजाम किया था। इस मौके पर तसलीमउद्दीन, हसीब अहमद, अफसर महमूद, रियाजुल हक, मो. फैजी, शिराज अहमद शामिल रहे।

माघी पूर्णिमा स्नान पर्व पर महाकुंभ क्षेत्र में हर घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। हालांकि, जोनल प्लान लागू करने का नतीजा रहा कि संगम तथा झूंसी की तरफ ऐरावत घाट पर अपेक्षाकृत दबाव कम रहा। संगम स्नान के लिए लगातार भीड़ बनी रही। ऐसे में माघी पूर्णिमा स्नान पर दो करोड़ लोगों के आने की उम्मीद की जा रही थी और ऐसा ही नजारा दिखा। मंगलवार रात से ही भारी संख्या में श्रद्धालु आने लगे थे लेकिन बुधवार की सुबह हुजूम उमड़ पड़ा। इसे देखते हुए डायवर्जन एवं जोनल प्लान को पूरी तरह से लागू किया गया।

सनातन धर्म से ही सुरक्षित रहेगी विश्व मानवता : सीएम योगी

श्रृंगेरी शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम का अभिनंदन समारोह

गोरखपुर, 12 फरवरी (एजेंसियां)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि सनातन धर्म वास्तव में मानव धर्म है। सनातन धर्म ही विश्व मानवता का धर्म है। सनातन धर्म सुरक्षित रहेगा तो न केवल भारत सुरक्षित रहेगा बल्कि विश्व मानवता सुरक्षित रहेगी। सीएम योगी बुधवार शाम, श्रृंगेरी शारदा पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य श्री श्री भारती तीर्थ महासन्निधानम के मंगलमय आशीर्वाद और दिव्य आदेश से विजय यात्रा लेकर गोरखपुर पधारे जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती सन्निधानम के शंकर वचन (आशीर्वचन) के पूर्व उनके अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जगद्गुरु शंकराचार्य को अंगवस्त्र ओढ़ाकर तथा उपहार भेंटकर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सनातन धर्म अर्वाचीन है। समय समय पर इस पर अनेक प्रहार हुए लेकिन भगवान की अवतार परंपरा, संतों, ऋषियों और महामानवों ने धराधाम पर सनातन धर्म का संरक्षण किया और सनातन धर्मावलंबियों के सुरक्षा की पुख्ता व्यवस्था की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया में अनेक पंथ, सम्प्रदाय, मत, मजहब ने अपने विचार लोगों पर थोपने के प्रयास किए लेकिन सनातन अपने विचार किसी पर थोपता नहीं है। यह जीवन जीने के तरीके को स्वतंत्रता, उन्मुक्तता और सहजता से आगे बढ़ाने का मार्ग दिखाता है। सनातन धर्म जितनी स्वतंत्रता, उन्मुक्तता और सहजता अन्यत्र कहीं नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म को किसी एक परिभाषा में सीमित नहीं किया जा सकता। वास्तव में यह कृत और कर्ता के प्रति कृतज्ञता का भाव है। वाल्मीकि रामायण में भी यही बात उल्लिखित है।

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक समय यह लगने लगा था कि सनातन धर्म समाप्त हो जाएगा पर तब सनातन परंपरा को भगवान आदि शंकर ने पुनर्जीवित किया था। सनातन धर्म की परंपरा को सतत आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने विजय यात्रा निकाली, शास्त्रार्थ किया और देश के चार कोनों में चार धर्म पीठों, उत्तर में ज्योर्तिष, पूरब के जगन्नाथ, पश्चिम में द्वारिका और दक्षिण में श्रृंगेरी पीठ की स्थापना की। उन्होंने कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत कई बार श्रृंगेरी पीठ जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

गोरक्षपीठाधीश्वर ने कहा कि हर कालखंड में श्रृंगेरी पीठ की परंपरा का गोरक्षपीठ मैं आगमन होता रहा है। वर्ष 1977 में प्रयागराज महाकुंभ के समय श्रृंगेरी पीठ के पूज्य शंकराचार्य का आगमन गोरक्षपीठ में हुआ था। उसके बाद पूज्य जगद्गुरु शंकराचार्य भारतीय तीर्थ जी महाराज तथा अब जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती जी का आगमन हुआ है। जगद्गुरु शंकराचार्य विधुशेखर भारती जी का उत्तर प्रदेश में आगमन सर्वप्रथम प्रयागराज महाकुंभ में हुआ तत्पश्चात वह काशी और अयोध्या की यात्रा करते हुए, सनातन धर्मावलंबियों को आशीष देते हुए गोरखपुर पधारे हैं। शंकराचार्य जी जहां भी गए जनता ने हर्षोल्लास के साथ उनके अभिनंदन का गौरव प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज का महाकुंभ पूरे विश्व को एकता का संदेश दे रहा है। 45 दिन के महाकुंभ के आयोजन में अब 14 दिन का समय शेष है।

अब तक 31 दिन में करीब 48 करोड़ श्रद्धालु गंगा जमुना, सरस्वती की त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत का उदाहरण प्रस्तुत करने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कहते हैं कि महाकुंभ का यही है संदेश, एकता से अखंड रहेगा देश। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काशी में बाबा विश्वनाथ के बने भव्य धाम और अयोध्या में 500 वर्षों के इंतजार के बाद बने श्रीराम मंदिर की दिव्यता और भव्यता को गौरवान्वित करने वाला बताया। उन्होंने कहा की नई काशी और नई अयोध्या का कायाकल्प तथा नया कलेवर हर सनातन धर्मावलंबी को आनंद की अनुभूत करने वाला है।

महाकुंभ-2025

एक थाली, एक थैला अभियान से 140 करोड़ की बचत

29,000 टन कम हुआ कचरा

महाकुंभ नगर, 12 फरवरी (एजेंसियां) एक थाली एक थैले का अभियान सामुदायिक भागीदारी से शून्य बजट के साथ, सफलता-पूर्वक क्रियान्वित किया गया जिसमें 2,241 संगठन और 7,258 संग्रहण स्थान शामिल थे। इसमें 14,17,064 स्टील की थालियां, 13,46,128 कपड़े के थैले और 2,63,678 स्टील के गिलास उपलब्ध कराए गए। 43 राज्यों से 7,258 बर्तन एकत्र किए गए। इस अभियान में 2241 सहभागी संस्थाओं एवं संगठनों ने सहयोग किया।

देशव्यापी अभियान में लाखों परिवारों की सहभागिता से जन जन में कुंभ घर घर में कुंभ का स्वच्छ , हरित कुंभ अभियान सफल हुआ।परिवारों तक पर्यावरणीय स्वच्छता का संदेश प्रभावी रूप से पहुंचा। वे अपनी स्थानीय नदियों, झीलों, जल स्रोतों की स्वच्छता हेतु प्रेरित हुए। डिस्पोजेबल कचरे में काफी कमी आई।

महाकुंभ में डिस्पोजेबल प्लेटों, गिलासों और कटोरों (पत्तल-दोना) का उपयोग 80-85 प्रतिशत तक कम हुआ। अपशिष्ट में कमी आई। अपशिष्ट उत्पादन के उपयोग में लगभग 29,000 टन की कमी आई, जबकि अनुमानित कुल अपशिष्ट 40,000 टन से अधिक हो सकता था।

डिस्पोजेबल प्लेटों, गिलासों और कटोरों पर प्रतिदिन 3.5 करोड़ की बचत हुई, जो 40-दिवसीय आयोजन में कुल 140 करोड़ थी।

इसमें परिवहन, ईंधन, सफाई कर्मचारी और अन्य संबंधित लागतें शामिल नहीं हैं। खाद्य अपशिष्ट में कमी आई। थालियों को पुन: धोकर काम में लिया जा रहा है। भोजन परोसने में सावधानी है कि उतना ही लो थाली में कि व्यर्थ नहीं जाए नाली में इससे खाद्य अपशिष्ट में 70 प्रतिशत की कमी आई। धार्मिक रसोई के लिए बचत हुई। अखाड़ों, भंडारों और सामुदायिक रसोई के लिए महत्वपूर्ण लागत में बचत हुई। जो अन्यथा डिस्प-ोजेबल वस्तुओं पर लाखों खर्च करते थे।

दीर्घकालिक प्रभाव: आयोजन में वितरित की जाने वाली स्टील की थालियों का उपयोग वर्षों तक किया जाएगा, जिससे अपशिष्ट और लागत में कमी जारी रहेगी। सांस्कृतिक बदलाव भी आया है। इस पहल ने सार्वजनिक आयोजनों के लिए बर्तन बैंकों के विचार को प्रोत्साहित किया है, जो समाज में संधारणीय प्रथाओं को बढ़ावा देता है।

मायावती ने आकाश आनंद के ससुर को पार्टी से निकाला

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ व मेरठ के नितिन सिंह को गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण निष्कासित कर दिया। बसपा सुप्रीमो मायावती ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गुटबाजी और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप में आकाश आनंद के ससुर डॉ. अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

राज्यसभा के पूर्व सांसद डॉ. अशोक सिद्धार्थ की बेटी से आकाश आनंद की शादी हुई है। डॉ. अशोक सिद्धार्थ के पिता बसपा संस्थापक कांशीराम के सहयोगी रहे हैं। मायावती ने कहा कि बसपा की ओर से खासकर दक्षिणी राज्यों के प्रभारी रहे डॉ. अशोक सिद्धार्थ पूर्व सांसद व नितिन सिंह जिला मेरठ को, चेतावनी के बावजूद भी गुटबाजी आदि की पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण पार्टी के हित में तत्काल प्रभाव से निष्कासित किया जाता है।

मायावती के इस निर्णय को दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी नेताओं को सख्त संदेश देने के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में बसपा ने जहां पर भी प्रत्याशी खड़े किये थे वहां पर जमानत जब्त हो गई। डॉ. अशोक सिद्धार्थ मायावती के काफी नजदीकी माने जाते थे और उनके पास पार्टी की कई बड़ी जिम्मेदारियां थीं।

चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा अनावरण पर बोले सीएम योगी

कुंभ की व्यवस्था पर सवाल उठाने वाले चुपचाप डुबकी लगा रहे

बागपत, 12 फरवरी (एजेंसियां)। छपरौली के श्री विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में रालोद के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. चौधरी अजित सिंह की प्रतिमा का बुधवार को सीएम योगी आदित्यनाथ ने अनावरण किया। इसके साथ ही सीएम ने 351 करोड़ की 281 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। केंद्रीय राज्यमंत्री चौधरी जयंत सिंह उनके साथ रहे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वेस्ट यूपी के किसानों ने खेती की उन्नत तकनीक अपनाकर अपना विकास किया है। चौधरी अजित सिंह भी कहते थे कि देश के विकास का रास्ता खेत और किसान से होकर गुजरता है। उसी से प्रेरणा लेकर हम किसानों के हित की दिशा में काम कर रहे हैं। सीएम ने कहा कि जो लोग कुंभ की व्यवस्थाओं पर अंगुली उठा रहे थे, वे अब चुपचाप डुबकी लगाकर आ रहे हैं। 26 फरवरी तक कुंभ भव्यता से चलता रहेगा और श्रद्धालु लाभ उठाते रहेंगे। महाकुंभ में कल तक 50 करोड़ लोग डुबकी लगा लगेंगे।

सीएम ने कहा कि पहले पुलिस की भर्ती निकलती थी, लेकिन नौजवान को नौकरी नहीं मिलती थी। हमारी सरकार में अब पुलिस भर्ती चल रही है और बिना भेदभाव के सभी जिलों के युवाओं को उनकी प्रतिभा के आधार पर चयनित किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का नौजवान तो अपनी ताकत दिखाएगा ही, हमने इसमें 20 फीसदी नौकरी बेटियों के लिए आरक्षित कर दी हैं। अगले दो महीने में इनकी ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी। इसी साल में यूपी पुलिस को 60 हजार नए पुलिसकर्मी मिलेंगे।

बरेली में पुलिस चौकी के सामने सनसनीखेज हत्या

ठेकेदार और उसके बड़े भाई को गोली मारी, भाई की मौत

बरेली, 12 फरवरी (एजेंसियां)। बरेली के सेटेलाइट बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ के बीच एक कुली ने अपने काउंटर पर मौजूद पार्सल ठेकेदार और उसके भाई को गोली मार दी। निजी मेडिकल कॉलेज ले जाने पर चिकित्सक ने ठेकेदार के बड़े भाई अनुज पांडेय को मृत घोषित कर दिया। जबकि, प्रतापगढ़ निवासी ठेकेदार अतुल पांडेय का मालियों की पुलिया के पास निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

बरेली में पार्सल ठेकेदार के भाई की हत्या की अहम वजह रोडवेज बसों में पार्सल लादने और उतारने में कुलियों की मनमानी पर रोक लगने को बताया जा रहा है। बुकिंग का सामान बसों में चढ़ाने-उतारने का काम ठेकेदार के कारिंदों को मिलने से कुलियों की आजीविका प्रभावित हो रही थी। इसको लेकर दोनों पक्षों में बीते दो माह में चार से पांच बार झगड़े हो चुके थे। रोडवेज बसों में व्यापारी अपना माल कुलियों से रखवाते थे और परिचालक से अनुमानित वजन व आकार के हिसाब से टिकट बनवा लेते थे। इस व्यवस्था में कई बार यात्रियों को नफा-नुकसान खास नहीं होता था पर बसों के स्टाफ से लेकर कुलियों तक को ऊपरी आमदनी का रास्ता खुला रहता था। कई बार यात्री से समझौते के आधार पर माल का टिकट नहीं भी बनाया जाता था या मामूली बना दिया जाता था।

परिवहन निगम ने जब इसके लिए नियमावली तय कर दी। यह काम ठेकेदारों के हवाले कर दिया। प्रतापगढ़ निवासी अतुल पांडेय को बरेली सेटेलाइट स्टैंड का ठेका मिला तो उनके बड़े भाई अनुज पांडेय भी उनके साथ आकर हाथ बंटाने लगे। रोडवेज बसों में सेटेलाइट से लदने वाले माल के पार्सल की पर्ची स्टैंड परिसर में बने ठेकेदार के काउंटर से कटने लगी। साथ ही ठेकेदार के ही चार मजदूर बसों में लदान की व्यवस्था करने लगे। तब से ही सेटेलाइट बस अड्डे पर पंजीकृत कुलियों का काम लगभग ठप हो गया था।

नौबत यादव इनका नेता था, इसलिए ठेकेदारों से तकरार में वह हमेशा आगे रहता था। अब मामला हत्या तक जा पहुंचा। नौबत यादव के उकसावे पर कुली अक्सर अतुल और अनुज को परेशान कर रहे थे। कहासुनी अक्सर ही हो जाती थी। अतुल ने बताया कि दो फरवरी को कुछ कुलियों ने उन लोगों से मारपीट कर दी। झगड़े में उनके सिर से खून आ गया। उन्होंने बारादरी थाने जाकर तहरीर दी तो पुलिस ने उन्हें भी बैठा लिया और फिर शांतिभंग में चालान कर दिया।

इस झगड़े को लेकर बारादरी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय का कहना था कि ठेकेदार के लोगों और कुलियों में झगड़ा हुआ था। इसमें दोनों पक्ष के लोगों को चोट लगी थी। तब दोनों ही ओर से तहरीर दी गई थी। उन्होंने एक पक्ष से बिथरी के धारूपुर ठाकुरान निवासी रिजवान, नन्हे, शाजेब व कामदेव तो दूसरे पक्ष के अतुल पांडेय का शांतिभंगा में चालान कर दिया। दोनों ही पक्षों को मुचलका पाबंद किया गया था।

राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का निधन

पीएम मोदी और सीएम योगी ने जताया शोक

लखनऊ, 12 फरवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का आज लखनऊ के एसजीपीजीआई में निधन हो गया। उन्हें 3 फरवरी को एसजीपीजीआई में भर्ती कराया गया था। पीजीआई निदेशक डॉक्टर आरके धीमान के मुताबिक, डॉक्टरों निगरानी में लगातार उनका इलाज चल रहा था। ब्रेन स्ट्रोक के अलावा सत्येंद्र दास को कई अन्य बीमारियां भी थीं। काफी प्रयास के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कुछ दिन पहले पहुंचकर उनका कुशलक्षेम पूछा था।

सत्येंद्र दास के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई नेताओं ने शोक जताया है। राम मंदिर ट्रस्ट ने सत्येंद्र दास के निधन पर शोक जताया है। रामनगरी के मठ मंदिरों में भी शोक की लहर है। बीते दिनों स्वास्थ्य खराब होने के बाद पीज-ीआई में भर्ती कराए गए थे। रामजन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास महाराज वर्ष 1993 से श्रीरामलला की पूजा कर रहे थे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री चंपत राय और मंदिर व्यवस्था से जुड़े अन्य लोगों ने मुख्य अर्चक के देहावसान पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। राम मंदिर भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी और अयोध्या राज परिवार के अगुवा विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र, डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल जी ने निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी श्रीराम मंदिर अयोध्या के मुख्य पुजारी सत्येंद्र दास के निधन पर दुख जताया है। सीएम योगी ने लिखा कि परम रामभक्त, श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या धाम के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र कुमार दास महाराज का निधन अत्यंत दुःखद एवं सामाजिक व आध्यात्मिक जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दे तथा शोक संतप्त शिष्यों एवं अनुयायियों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति!

संपादकीय

यूएसएआईडी का दुरुपयोग

मानवता की आड़ में वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र, जिसमें डीप स्टेट ताकतें और यूएसएआईडी का हिस्सा शामिल है, स्वार्थी कारणों और दुनिया को अपने हिसाब से चलाने की इच्छा के लिए कई देशों की राजनीतिक प्रणालियों और संस्कृतियों को नष्ट कर रहा है।शाहीनबाग, किसान आंदोलन, बांग्लादेश हिंदू नरसंहार, कश्मीर नरसंहार, मुंबई आतंकवादी हमला, नक्सलवाद और आतंकवाद की गतिविधियाँ, शहरी नक्सलियों के भारत विरोधी आख्यान जैसे कई भारत विरोधी प्रदर्शन, सभी वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा वित्तपोषण की ओर इशारा करते हैं, जिनमें से एक यूएसएआईडी है।डोनाल्ड ट्रम्प और एलोन मस्क ने मानवता के लिए जोखिम देखा और यूएसएआईडी को बंद कर दिया।विदेशी सहायता रोकने और इसके वितरण के प्रभारी प्रमुख एजेंसी को बंद करने के ट्रम्प प्रशासन के हालिया कदमों ने संघीय खर्च में विवाद के अपेक्षाकृत मामूली लेकिन लंबे समय से चले आ रहे स्रोत पर ध्यान केंद्रित किया है। इन कदमों ने दुनियाभर के मानवीय संगठनों और सरकारों के बीच अस्पष्टता पैदा कर दी है कि कौन-से कार्यक्रम जारी रह सकते हैं और कौन-से नहीं। स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और जल जैसी अनेक मानवीय सहायता जारी रखी जानी चाहिए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प निःसंदेह मानवता-विरोधी वामपंथी समूहों को हटाने के बाद ये सहायता शुरू करेंगे। भारत तथा अन्य विकासशील और अविकसित देशों में मानवता विरोधी कार्रवाइयों के लिए मानवता विरोधियों के वित्तपोषण का किस प्रकार दोहन किया जा रहा है? कुछ उदाहरण- यूएसएआईडी, जिसपर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना हो रही है, उसे अमेरिका के सभी अंतरराष्ट्रीय व्यय का आधे से अधिक फंड प्राप्त होता है। खतरे के संकेतों के बावजूद, यूएसएआईडी ने पाकिस्तान स्थित फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) को वित्तपोषित किया, जो हाफिज सईद के लश्कर-ए-तैयबा (LeT) का मुखौटा है। इस तथ्य के बावजूद कि अमेरिकी सरकार ने एफआईएफ और एलईटी पर प्रतिबंध लगा दिया है, उन्हें यूएसएआईडी से वित्त पोषण प्राप्त हुआ।फलाह-ए-इंसानियत फाउंडेशन (FIF) और एलईटी मुंबई में 26/11 के हमलों के लिए जिम्मेदार थे, जिसमें 166 लोग मारे गए थे।पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा बेरहमी से मारे गए 166 व्यक्तियों में छह अमेरिकी भी थे। एफआईएफ को यूएसएआईडी का पैसा हेल्पिंग हैंड फॉर रिलीफ एंड डवलपमेंट (HHRD) के माध्यम से भेजा गया था, जो मिशिगन में स्थापित एक मुस्लिम गैर-लाभकारी संस्था है, जिसका दक्षिण एशिया में सक्रिय आतंकवादी समूहों से संबंध है। ट्रम्प ने यूएसएआईडी पर नकेल कसते हुए इसे 'डीपस्टेट' करार दिया है। एक्स पर एक पोस्ट में, ट्रम्प से जुड़े एक अकाउंट ने दावा किया कि 'जॉर्ज सोरोस ने यूएसएआईडी से $260,000,000.00 प्राप्त किए और इस पैसे का इस्तेमाल श्रीलंका, बांग्लादेश, यूक्रेन, सीरिया, ईरान, पाकिस्तान, भारत, यूके और अमेरिका में अराजकता फैलाने, सरकार बदलने और व्यक्तिगत लाभ के लिए किया।' उनकी टिप्पणी अमेरिकी विदेशी सहायता की बढ़ती जांच में शामिल है, खासकर तब से जब ट्रम्प प्रशासन ने यूएसएआईडी के बजट को फ्रीज कर दिया है। डॉज (DOGE) के सीईओ एलन मस्क ने ट्रम्प की सरकार का समर्थन किया है, जो वामपंथ यूएसएआईडी की वित्तीय सहायता पर जोर देते हैं, जिसे वे 'विवादास्पद' उपक्रम बताते हैं। मस्क की भागीदारी और समर्थन ने शासन परिवर्तन और राजनीतिक प्रभाव के लिए विदेशी सहायता के उपयोग के बारे में रिपब्लिकन की चिंताओंको बढ़ा दिया है। मस्क ने एक्स स्पेस की बातचीत में कहा कि उन्होंने ट्रम्प के साथ 'यूएसएआईडी के बारे में बात की' और '[राष्ट्रपति] सहमत हुए कि हमें इसे बंद कर देना चाहिए', ट्रम्प द्वारा यूएसएआईडी के बारे में संवाददाताओं से कहने के बाद, 'इसे कट्टरपंथी पागलों के एक समूह द्वारा चलाया जा रहा है, और हम उन्हें बाहर निकाल रहे हैं, और फिर हम [इसके भविष्य के बारे में] कोई निर्णय लेंगे।' भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित एनजीओ ने सरकार की अग्निवीर परियोजना का विरोध किया, जाति जनगणना को बढ़ावा दिया और देश में नक्सलवाद का समर्थन किया। अमेरिकी विदेशी सहायता पारंपरिक रूपसे विकास के बजाय राजनीतिक शक्ति पर केंद्रित रही है। यूएसएआईडी द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रमों ने बार-बार प्राप्तकर्ता देशों को अमेरिका के अनुकूल नीतियों को अपनाने, अमेरिकी फर्मों के पक्ष में बाजार सुधारों को लागू करने और सैन्य प्रभुत्व के लिए रणनीतिक आधार के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया है। सहायता स्वयं कभी-कभी सच्ची आत्मनिर्भरता बनाने के बजायअल्पकालिक उपायों को प्राथमिकता देती है, जिससे कई विकासशील देश आर्थिक सशक्तीकरण की बजाय निर्भरता के चक्र में फंस जाते हैं। इन कमजोरियों के बावजूद, यूएसएआईडी अमेरिकी सॉफ्ट पावर का एक महत्वपूर्ण उपकरण रहा है। देखिए, यूएसएआईडी किसी कारणयाकार्यके लिए सिर्फ चेक लिखकर नहीं चला जाता है। यह जमीन पर राज्य के कर्मियों, अनुबंध श्रमिकों और गैर-सरकारी संगठनों (NGO) के संयोजन को नियुक्त करता है। उनमें से कुछ पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में काम करते हैं, लेकिन संघीय विशेषाधिकारों के बिना। और वे स्थायी सिविल सेवा पेशेवरों और विदेश सेवा अधिकारियों की तुलना में बहुत अधिक संख्या में हैं, जो आमतौर पर एक अमेरिकी सरकारी एजेंसी के लिए काम करते हैं। सीरिया के उदाहरण में, यूएसएआईडी ने शरणार्थियों को खिलाने के लिए धन उपलब्ध कराया। हालांकि, चार वर्षों में, एकएनजीओएजेंट ने इसका लगभग 10% हिस्सा चुरालिया और इसे अल-कायदा से जुड़े संगठन में भेज दिया। संघीय अमेरिकीसरकार विदेशी सहायता पर कितना खर्च करती है? कांग्रेस के बजट कार्यालय के जनवरी 2025 के पूर्वानुमानों के अनुसार, सरकार वित्तीय वर्ष 2025 में अंतरराष्ट्रीय सहायता कार्यक्रमों पर लगभग 58.4 बिलियन डॉलर खर्च करने की राह पर है। लेकिन, वित्तीय वर्ष के शुरू होने में बमुश्किल तीन महीने रह गए हैं, जब ट्रम्प प्रशासन आक्रामक रूप से सहायता को फिर से आकार दे रहा है और उसे कम कर रहा है, तो यह आँकड़ा बदल सकता है। ForeignAssistance.gov के अनुसार, संयुक्त राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023 में अंतरराष्ट्रीय सहायता पर 71.9 बिलियन डॉलर खर्च किए, जो सबसे हालिया वित्तीय वर्ष है, जिसके लिए डेटा काफी हद तक पूरा है। इसकी तुलना में वित्तीय वर्ष 2022 में लगभग 74.0 बिलियन डॉलर खर्च किए गए। ये डेटा (और ForeignAssistance.gov के अन्य) अन्य देशों को हथियारों की बिक्री और सैन्य उपकरणों के हस्तांतरण के विषय से बाहर हैं। बदलती परिस्थितियों (जैसे युद्ध, आपदाएँ या बीमारी का प्रकोप) और बदलते राष्ट्रीय लक्ष्यों के आधार पर विदेशी सहायता की राशि, प्राप्तकर्ता और उद्देश्य साल-दर-साल बदलते रहते हैं।

निराश करती है जनप्रतिनिधि अपराध मामलों में देरी

ललित गर्ग

एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है।

वर्तमान और पूर्व संसद सदस्यों और विधानसभा सदस्यों के खिलाफ लंबित पांच हजार आपराधिक मामलों के निपटारे की सुनवाई कर रही एमपी-एमएलए अदालतों में कोई उल्लेखनीय प्रगति होते हुए न दिखना न केवल निराशाजनक है बल्कि यह कानून व्यवस्था की बड़ी विसंगति है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में आग्रह किया गया कि कोर्ट इन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने एवं त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी करे। अपेक्षा यह की गई थी कि इन मामलों की सुनवाई त्वरित गति से होगी, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 48 नवनिर्वाचित विधायकों में से 16 यानी 33 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के 22 में से 15 यानी 68 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर किस्म के आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से समय-समय पर दिए गए आदेशों और हाईकोर्ट की निगरानी के बावजूद सांसदों और विधायकों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक बदनुमा धब्बा हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे। भारत के लोकतंत्र के शुद्धिकरण एवं मजबूती के लिये अपराधिक राजनेताओं एवं राजनीति के अपराधीकरण पर नियंत्रण की एक नई सुबह का इंतजार कब तक करना होगा? त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पूर्व एवं वर्तमान विधायकों और सांसदों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित की गई अदालतें उनके मामलों का समय पर निपटारा करने में विफल साबित हो रही हैं। बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना, जिनमें से कुछ तो दशकों से लंबित हैं, यह दर्शाता है कि सांसदों एवं विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है और अपने राजनीतिक वर्चस्व एवं प्रभाव के कारण मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है।

ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एमपी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देशित करे। यदि ऐसा कुछ नहीं किया जाता तो राजनीति के अपराधीकरण को रोकना बहुत कठिन होगा और आपराधिक छवि के नेताओं के मामलें न्यायालयों में बढ़ते ही जायेंगे। यह स्थिति लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली ही है। यह स्थिति अधिक चिन्ताजनक एवं दुखद इसलिये भी है कि अब तो गंभीर आपराधिक मामलों में जेल में बंद लोगों को चुनाव प्रचार के लिए भी जमानत देने का सिलसिला कायम हो गया है। जनप्रतिनिधि भी रक्षक नहीं, भक्षक हो रहे हैं। ये कानून का भक्षण करने में माहिर होते जा रहे हैं। ये कैसे जनप्रतिनिधि हैं जो पहले वोट मांगते हैं, फिर जीत के बाद लोगों को लात मारते हुए उनके साथ तरह-तरह के अपराध करते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर अपराध तंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? राजनीतिक व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि कोई भी अपराधों में लिप्त नेता जन-प्रतिनिधि न बन सके।

दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में एडीआर और 'दिल्ली इलेक्शन वाच' ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी कर यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह प्रतिशत निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। इससे पूर्व दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब प्रश्न है कि दिल्ली नगर निगम हो या विधानसभा के चुनावों में भी आप पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत क्यों नहीं समझी? जबकि इस पार्टी का घोष ही रहा अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति।

चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चर्चाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण-'अपराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना'-हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। मौजूदा लोकसभा सदस्यों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत सदस्यों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पिछली लोकसभा में यह आँकड़ा तुलनात्मक रूप से कम था। राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। हालांकि एक अच्छी पहल यह हुई है कि अब हाईकोर्ट की इजाजत के बिना सरकार किसी भी सांसद एवं विधायक के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं ले सकती है। राजनीति के अपराधीकरण के कारण चुनावी प्रक्रिया में काले धन का प्रयोग काफी अधिक बढ़ जाता है। इसका देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भी दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और अपराधियों के विरुद्ध जाँच प्रक्रिया धीमी हो जाती है। राजनीति में प्रवेश करने वाले अपराधी सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और नौकरशाही, कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका सहित अन्य संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। यह स्थिति समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है और भावी जनप्रतिनिधियों के लिये एक गलत उदाहरण प्रस्तुत करती है। वैसे तो भारत का लोकतंत्र बड़े-बड़े बाहुबली एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं के शर्मनाक कृत्यों का गवाह रहा है, बार-बार शर्मसार हुआ है। यही कारण है कि राजनीति का चरित्र गिर गया और साख घटती जा रही है।

इन वर्षों में जितने भी चुनाव हुए हैं वे चुनाव अर्हता, योग्यता एवं गुणवत्ता के आधार पर न होकर, व्यक्ति, दल या पार्टी के धनबल, बाहुबल एवं जनबल के आधार पर होते रहे हैं, जिनको आपराधिक छवि वाले राजनेता बल देते रहे हैं। आप ने भ्रष्टाचार एवं अपराधों पर नियंत्रण की बात करते हुए राजनीति का बिगुल बजाया। लेकिन यह दल तो जल्दी ही अपराधी तत्वों से घिर गया। नेताओं की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है। यही लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बड़ा संकट है। आदर्श लोकतंत्र एवं समाज व्यवस्था का निर्मित करने की जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं पर है, जिनका चरित्र एवं साख मजबूत होना जरूरी है। दुःखद स्थिति है कि भारत अपनी आजादी के अमृत काल तक पहुंचते हुए भी स्वयं को ईमानदार नहीं बना पाया, चरित्र सम्पन्न राष्ट्र नहीं बन पाया।

दृष्टि कोण

रिश्तों में अश्लीलता घोलता सोशल मीडिया

इंटरनेट मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने माता-पिता की गरिमा को आहत करने वाली अश्लील, अपमानजनक एवं विवादास्पद टिप्पणी करते हुए भारतीय संस्कारों एवं संस्कृति को धुंधलाने का घिनौना एवं अक्षम्य अपराध किया है। भले ही इस टिप्पणी के लिए माफी मांगी गयी हो, लेकिन रणवीर ने हास्य कलाकार समय रैना के यूट्यूब रियलिटी शो इंडियाज गाट लैटेंट में एक प्रतियोगी से उसके माता-पिता और यौन संबंधों को लेकर सवाल करते हुए यह आपत्तिजनक टिप्पणी की। इसको लेकर विवाद भड़क गया, लोगों के गहरा आक्रोश है। सामाजिककर्मियों के साथ-साथ विभिन्न दलों के राजनेता ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए पॉडकास्ट पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। इस मामले पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने यूट्यूब को नोटिस जारी किया है। साथ ही राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी सक्रिय हुआ है। इस शो में माता-पिता, महिलाओं और उनके शरीर के बारे में अभद्र एवं अश्लील टिप्पणियां की गई थीं। इसलिये रियलिटी कामेडी शो के निर्माताओं, जजों और प्रतिभागियों के खिलाफ अपमानजनक भाषा और अश्लील सामग्री के इस्तेमाल को लेकर मुंबई पुलिस के साथ-साथ देश में अन्य स्थानों पर शिकायत दर्ज कराई गयी है। सोशल मीडिया से लेकर हर जगह रणवीर की थू थू हो रही है। हर कोई उनके खिलाफ आवाज उठा रहा है और जेल भेजने की मांग कर रहा है।

तथाकथित रणवीर इलाहाबादिया के एक्स पर छह लाख से अधिक फालोअर, इंस्टाग्राम पर 45 लाख से अधिक फालोअर और यूट्यूब चैनल पर 1.05 करोड़ सब्सक्राइबर हैं। इलाहाबादिया उन ऑनलाइन कंटेंट क्रिएटर्स में से एक हैं, जो ऐसे अश्लील एवं संस्कृति-विरोधी प्रदर्शन से करोड़ों रुपये भी कमाते है, जिन्हें पिछले साल नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय क्रिएटर्स पुरस्कार मिला था। पिछले दिनों उन्होंने डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन के साथ मिलकर कई कैबिनेट मंत्रियों का साक्षात्कार लिया था। इसके अलावा साल 2022 में उनका नाम फोर्ब्स अंडर 30 एशिया लिस्ट में भी आया था। 22 साल की उम्र में रणवीर ने अपना पहला यूट्यूब चैनल शुरू किया था, आज वह सात चैनलों को चला रहे हैं। पाकिस्तान से भारत आये रणवीर इलाहाबादिया का पूरा नाम रणवीर सिंह अरोड़ा है। लेकिन लोग उन्हें रणवीर इलाहाबादिया के नाम से जानते हैं। माता-पिता पर विवादित कमेंट करने से पहले रणवीर इलाहाबादिया कई बार सोशल मीडिया पर बवाल मचा चुके हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके विवादास्पद बयानों की वजह से उन्हें एक बार जिम से भी बैन किया गया था। इतना ही नहीं, वो लड़कियों के कपड़ों पर भी विवादित कमेंट करने की वजह से हेडलाइन्स बटोर चुके हैं। लेकिन ऐसे विकृत सोच रखने वाले लोगों को ऐसे बड़े सम्मान मिलना भी अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है। क्योंकि यह अभिव्यक्ति की आजादी का बेहूदा, आपत्तिजनक एवं अमर्यादित उपयोग है, यह रचनात्मकता नहीं है, यह विकृति है और ऐसे विकृत व्यवहार को सामान्य नहीं माना जा सकता। विडम्बना एवं दुर्भाग्यपूर्ण तो यह स्थिति भी है जिसमें इस खराब टिप्पणी को जिस तरह आम लोगों की जोरदार तालियां मिलीं। प्रश्न है कि आखिर हम कैसा समाज बना रहे हैं? क्यों हम अपनी संस्कृति एवं संस्कारों को घूमिल कर रहे हैं।

स्मार्टफोन आने के बाद से सोशल मीडिया का प्रयोग लगातार बढ़ता ही जा रहा है। और जैसे-जैसे इसका प्रयोग बढ़ रहा है, वैसे-वैसे सकारात्मक के साथ-साथ इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते जा रहे हैं। जो कि भारतीय समाज, संस्कृति और परिवार परम्परा पर सीधे आघात कर रहे हैं। भारत विरोधी तत्वों के द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में भौतिक वासना, नग्नता, अश्लीलता की विकृति फैलाने का काम भी हो रहा है। इससे समाज के भीतर कुंठित वासना एवं बीमार मानसिकता को जन्म दिया जा रहा है, जिसे रोकने के लिए सरकार से लेकर प्रशासन और समाज को साथ आकर कड़े कदम उठाने होंगे। एक ओर जहां सोशल मीडिया पर अनचाहे अश्लील दृश्यों की भरमार हो रही है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया प्लेटफार्म से होने वाली कमाई एक बड़ी वजह निकल कर सामने आ रही है। सोशल मीडिया पर किसी भी सामान्य व्यक्ति के द्वारा अपना अकाउंट बनाकर ऐसा भी कंटेट अपलोड किया जा सकता है जिसे लेकर सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर किसी प्रकार की कोई रोट टोक एवं पाबंदी नहीं है। इस प्रकार के सोशल मीडिया अकाउंट बड़ी तेजी से बढ़ रहे हैं। समाज में पैसे का लोभ दिखाकर अश्लील शार्ट फिल्म और वेब सीरीज का गौरखधंधा धडल्ले से चल रहा है। मोबाइल एप्स और ओटीटी वेब पोर्टल पर अश्लील एवं संस्कृति विरोधी कंटेंट निर्बाध रूप से होना सरकार की बड़ी नाकामी है। यही कारण है कि ऐसे सभी प्रकार के मोबाइल एप्स और वेब पोर्टल पर भी सरकारी नियंत्रण की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है।

तकनीक के माध्यम से भारतीय युवा एवं किशोर पीढ़ी को अपने जीवन के प्रारंभ के समय से ही कामवासना के जाल में फंसाकर उनके जीवन को गौण बनाने एवं धुंधलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। युवा शक्ति राष्ट्र की प्रेरक शक्ति है। नैतिक मूल्यों के बिना ज्ञान न केवल बेकार हैं, बल्कि समाज के लिए भी खतरनाक हैं। यही कारण है कि हमारी युवापीढ़ी बड़ी दुविधा में है; उन्हें भारी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें दिग्भ्रमित किया जाता है, जिससे वर्तमान भारतीय समाज न केवल प्रभावित होता है, बल्कि यह भावी पीढ़ी के भविष्य पर भी प्रश्नचिन्ह लगाता है। ऐसे अनेक प्रकार के अश्लील कंटेंट देखे जा सकते हैं जिसमें अश्लीलता के माध्यम से भारतीय परिवार व्यवस्था को नष्ट करने का काम भी षडयंत्रपूर्वक किया जा रहा है। जिसकी चर्चा समाज के भीतर प्रबुद्ध लोगों को करने की आवश्यकता है ताकि समय पर जागरूकता के साथ समाज और परिवार को गर्त में जाने से रोका जा सकता है।

विचार मंथन

ट्रंप ने सारी दुनिया में गिराई अमेरिका की साख

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशी भ्रष्ट आचरण कानून पर रोक लगाने के आदेश दिए हैं। ट्रंप के इस आदेश के बाद विदेश में व्यापार या ठेका हासिल करने के लिए अब अमेरिकी कंपनी द्वारा रिश्वत देना अपराध नहीं होगा। अभी तक अमेरिकी कानून के अनुसार यह एक बड़ा अपराध था, जिसके कारण अमेरिकी सरकार अथवा अमेरिका की कंपनियां जो सारी दुनिया के देशों में जो व्यापार करती थी, इस कानून से यह संदेश जाता था, अमेरिका की कंपनियां अन्य देशों में रिश्वत नहीं देती हैं। जिसके कारण अमेरिका की सरकार और अमेरिकी कंपनियों की साख पूरी दुनिया के देशों में बनी हुई थी। लुके-छुपे तौर पर यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस तरीके की कोशिश करता था, ऐसी स्थिति में अमेरिकी कानून के अनुसार उसे आर्थिक तथा आपराधिक मामलों में सजा से दंडित किया जाता था। ट्रंप ने जो निर्णय अभी लिया है, उससे सारी दुनिया के देशों में यह संदेश गया है। अमेरिका की कंपनियां अपने लाभ के लिए दुनिया के किसी भी देश के राजनेता, अधिकारियों या कारोबारियों को रिश्वत देकर ठेका हासिल कर सकती हैं। रिश्वत देकर सामान खरीदने-बेचने के कांटेक्ट हासिल कर सकती हैं। अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के अन्य देशों को इस निर्णय से सबसे बड़ा नुकसान होने जा रहा है। किसी भी देश में अमेरिका की कंपनियों से व्यापार या कारोबार किया जाएगा, वह सभी शक के दायरे में होंगी। जिन देशों के कारोबारी या सरकारें अमेरिकी कंपनियों से खरीददारी करेंगी, उन्हें भी शक की निगाह से देखा जाएगा। ट्रंप का यह निर्णय ऐसे समय पर आया है, जबकि अमेरिकी कानून के अनुसार भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी, उनके भतीजे सागर अडानी सहित आठ लोगों के ऊपर अमेरिका में अपराधिक मामला दर्ज है। 21 नवंबर 2024 को अमेरिका की कोर्ट में 2200 करोड़ रुपए की घूस के मामले में गौतम अडानी और अन्य के खिलाफ वारंट जारी हो चुके हैं। वारंट जारी होने के बाद से गौतम अडानी अमेरिका नहीं जा पा रहे हैं। उनका व्यवसाय पूरी दुनिया में प्रभावित हुआ है। गौतम अडानी ने अमेरिकी कानून से बचने के लिए वहां के सांसदों को अपनी पैरवी में उतारा था। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अडानी को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे। भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भी राजनायिक और कूटनीतिक संबंधों का इस्तेमाल कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के पहले भारत सरकार ने जिस तरह से आयात-निर्यात व्यापार में अमेरिका के पक्ष में शुल्क को घटाया है, वह सब अडानी समूह की राहत से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रंप और एलन मस्क की जोड़ी की राजनेता के स्थान पर एक कारोबारी के रुप में पहचान है। दोनों ही अपने निजी कारोबार एवं फायदे को ध्यान में रखते हुए अमेरिकी सरकार के निर्णय कर रहे हैं। गौतम अडानी और भारतीय कारोबार पर एलन मस्क की भी नजर है। डोनाल्ड ट्रंप भी भारत में अपना कारोबार बढ़ाने के प्रयास में लगे हुए हैं। गौतम अडानी की गर्दन पूरी तरह से अमेरिका के शिकंजे में फंस गई है। भारत सरकार किसी भी कीमत पर गौतम अडानी को अमेरिकी कानून के चक्कर से बचाना चाहती है। अडाणी को बचाने के चक्कर में भारत को काफी आर्थिक नुकसान उठाने पड़ेंगे। दीर्घकालीन कई ऐसे समझौते हो सकते हैं, जिसके कारण भारत के हित बुरी तरह से प्रभावित होंगे। अमेरिका को भी अभी तक का सबसे बड़ा नुकसान होने की आशंका बन गई है। डोनाल्ड ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की नैतिकता और पारदर्शिता पूरी तरह से दुनिया के देशों में खत्म होगी। ट्रंप के वर्तमान निर्णयों से अमेरिका की छवि एक गैंगस्टर की तरह बनने लगी है। जो लाभ के लिए किसी भी स्तर पर जाकर नैतिक और अनैतिक काम करने से पीछे नहीं हटता है। अमेरिका से कारोबार करने वाले अन्य देशों के राजनेताओं और कारोबारियों के ऊपर रिश्वतखोरी के आरोप बड़े पैमाने पर लगेंगे, जिसके कारण दुनिया के देशों में राजनीतिक अस्थिरता, रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का वातावरण बढ़ेगा। अमेरिका को इतना बड़ा नुकसान इसके पहले कभी नहीं हुआ, जो अब हो सकता है। एक बार अमेरिका की छवि रिश्वत देकर कारोबार करने की बन गई, तो दुनिया के सभी देश अमेरिका के साथ दूरियां बनाना शुरू कर देंगे। अमेरिका अभी दुनिया का बादशाह बना हुआ है। ट्रंप के इस निर्णय से अमेरिका की बादशाहत खतरे में पड़ जाएगी। इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। जल्द ही इसके परिणाम अमेरिका को भोगना पड़ सकता है। जिस तरह से ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की शुरुआत हुई है। उसके बाद कहा जाने लगा है, जिस तरह से सोवियत रूस, रेत के महल की तरह भरभरा कर गिरा था। उसी स्थिति में अब अमेरिका ने सफर शुरु कर दिया है।

आधा सच आधा झूठ

क्या कांग्रेस वाकई एक डूबता जहाज है

भारत को 2014 में मिली असली आजादी के बाद भाजपा से लगातार जूझ रही कांग्रेस को दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता द्वारा नकारे जाने के बाद क्या ये लगने लगा है कि -कांग्रेस अब एक डूबता जहाज है और अब कोई दूसरा दल इस पर सवारी नहीं करना चाहेगा ? सवाल जायज भी है और इस पर विमर्श भी होना चाहिए। बल्कि यूं कहें कि इस मुद्दे पर विमर्श शुरू भी हो चुका है। 2026 में होने वाले बंगाल विधानसभा चुनावों के लिए तृणमूल कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में रहने या कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने से इंकार कर इस विमर्श का श्रीगणेश कर दिया है।

इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि देश में सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ मोर्चा लेने में कांग्रेस शुरू से अग्रणीय रही है। 2014 के लोकसभा चुनाव में मात्र 44 सीटों पर सिमटी कांग्रेस ने मैदान नहीं छोड़ा। भाजपा ने तब 286 सीटें अकेले दम पर जीती थीं। पांच साल लगातार विपक्ष में बैठने के बावजूद कांग्रेस अपने ढंग से काम करती रही और 2019 के चुनाव में कांग्रेस 44 सीटों से बढ़कर 52 सीटों पर आ गयी। कांग्रेस के लिए हालाँकि ये कोई बड़ी उपलब्धि नहीं थी ,लेकिन कुल 8 सीटें ज्यादा हासिल कर कांग्रेस को थोड़ी -बहुत ऊर्जा जरूर मिली। डूबते को तिनके का सहारा होता है।

लगातार दूसरी जीत के बाद भाजपा की चाल,चरित्र और चेहरे में अप्रत्याशित रूप से बदलाव आया । भाजपा ने अपने दूसरे कार्यकाल में पूरी ताकत से अपने एजेंडे पर काम करना शुरू किया। जम्मो-कश्मीर से धारा 370 हटाई, अयोध्या में राममंदिर बनाने का रास्ता साफ़ कर मंदिर का निर्माण कार्य शुरू कर उसे पूरा भी किया और लगातार एक के बाद एक राज्यों में अपनी बढ़त बनाई ,लेकिन कांग्रेस पीछे नहीं हटी । कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों के साथ भाजपा के दांत खट्टे करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भाजपा की नफरत के मुकाबले मुहब्बत की दूकान खोली । पूरे देश में दो बार पदयात्रा कर जन-जागरण की कोशिश की ,परिणाम स्वरूप 2024 के आम चुनाव में कांग्रेस जहाँ 52 से आगे बढ़कर 99 पर पहुंची ,वहीं भाजपा का 400 पार का सपना चकनाचूर हो गया और भाजपा 240 पर सिमिट गयी।

भारत की राजनीति में कांग्रेस का उत्थान और पतन होता ही रहा है। एक लम्बी दास्तान है कांग्रेस के उत्थान और पतन की। 4 जून 2024 के बाद पिछले 9 महीने में देश में जितने भी विधानसभाओं के चुनाव हुए हैं उनमें से कर्नाटक,केरल,हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड को छोड़ कांग्रेस कहीं भी भाजपा का विजय रथ नहीं रोक सकी। दिल्ली विधानसभा चुनाव में तो कांग्रेस का सूपड़ा ही साफ़ हो गया ,और इसी के साथ कांग्रेस की अगुवाई में बने आईएनडीआईए यानि इंडिया गठबंधन में विखराव शुरू हो गया। दिल्ली विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस का साथ और हाथ दोनों छोड़े और सत्ता से बाहर हो गयी। महाराष्ट्र में भी भाजपा ने कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर दिया । हरियाणा में भी कांग्रेस के जीत के सपने को तोड़ा और अब उसका निशाना कांग्रेस के साथ इंडिया गठबंधन भी है।

भाजपा बिहार में विधानसभा के चुनाव से पहले कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की कमर तोड़ देना चाहती है। बिहार में चुनाव इसी साल अक्टूबर में होना है । अगले साल बंगाल का नंबर है। बिहार विधानसभा चुनावों से पहले बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस के साथ गठबंधन करने से इंकार कर दिया है। बिहार में कांग्रेस का राजद से गठबंधन है। यहां क्या होगा कहना कठिन है। लेकिन कांग्रेस के लगातार अकेले पड़ने की वजह से जहाँ देश में क्षेत्रीय दल एक-एककर भाजपा के शिकार बन रहे हैं वहीं कांग्रेस के वजूद पर भी प्रश्नचिन्ह भी लगते जा रहे हैं। ये तय है कि कांग्रेस जिस मुखरता से हार-जीत की परवाह किये बिना भाजपा का मुकाबला कर रही है उतनी दम देश के किसी और राजनीतिक दल में नहीं है । कांग्रेस का साथ न देकर बीजद ने उड़ीसा खोया है तो आम आदमी पार्टी ने दिल्ली गंवा दी है और यदि तृणमूल कांग्रेस भी यही गलती करती है तो तय मानिये की उसका हश्र भी बीजद और आम आदमी पार्टी जैसा ही होगा।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी 2026 का विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी । कांग्रेस के साथ अपनी पार्टी के गठबंधन से उन्होंने इनकार किया है, क्योंकि उसने कांग्रेस को डूबता जहाज मान लिया है। लेकिन सवाल ये है कि क्या सचमुच ममता बनर्जी की पार्टी जैसा सोच रही है वैसा ही दूसरे विपक्षी दल भी सोच रहे हैं ? अभी तक उद्धव ठाकरे की शिव सेना हो या तेजस्वी यादव की राजद या अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ,इन सभी ने कांग्रेस का न हाथ छोड़ा है और न साथ। जब तक ये सभी कांग्रेस के साथ हैं तब तक कांग्रेस को डूबता जहाज मानना टीएमसी की एक भूल के सिवाय कुछ भी नहीं है। आपको बता दें की ममता बनर्जी ने अपने विधायकों और मंत्रियों से कहा कि टीएमसी 294 सीटों वाली राज्य विधानसभा में दो-तिहाई बहुमत के साथ 2026 का चुनाव अपने दम पर जीतेगी।

मुझे न ममता बनर्जी के आत्म विश्वास पर संदेह है और न कांग्रेस के डूबने को लेकर कोई शक। लेकिन मेरा मानना है कि कांग्रेस विहीन भारत की कल्पना को साकार करने में भाजपा को अभी लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ेगी। कांग्रेस का डीएनए अमीबा जैसा है। अमीबा कभी मरता नहीं है। अमीबा जितना विखंडित होता है उतना ही विकसित होता जाता है। कांग्रेस पिछले सवा सौ साल में दर्जनों बार विभाजित,पराजित हुई है लेकिन समाप्त नहीं हुई ,अर्थात उसका जहाज कभी भी टाइटेनिक की तरह समुद्र की सतह में नहीं समाया। कांग्रेस डूबकर भी हर बार सतह पर आयी है। न भी आये तो देश कहीं जाने वाला नहीं है।

पेरिस में प्रधानमंत्री मोदी से मिले सुंदर पिचाई गूगल एआई पर भारत के साथ मिलकर काम करेगा

मार्सिले (फ्रांस), 11 फरवरी (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस पहुंचे भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब से कुछ देर पहले मार्सिले पहुंचे। उनके साथ फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में एआई (कृत्रिम मेधा) एक्शन समिट को संबोधित किया। इस समिट में हिस्सा लेने पहुंचे गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर खुश पिचाई ने घोषणा की कि गूगल भारत के साथ मिलकर कृत्रिम मेधा पर बड़ा काम करने जा रहा है।

अब से कुछ देर पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और मैं थोड़ी देर पहले मार्सिले पहुंचे। इस यात्रा में भारत और फ्रांस को और नजदीक लाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण कार्यक्रम होंगे। जिस भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया जा रहा है, वह लोगों के बीच संबंधों को और गहरा करेगा। मैं प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा।

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात का फोटो अपने एक्स हैंडल पर शेयर किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर वह काफी ज्यादा खुश हैं। उन्होंने कहा कि एआई भारत में नए अवसर लेकर आ रहा है। गूगल और भारत साथ मिलकर इस डिजिटल परिवर्तन पर काम करेंगे। इससे भारत में और अधिक अवसर पैदा होंगे।

एआई एक्शन समिट से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने पेरिस में भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को भी संबोधित किया। आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और नवाचार को बढ़ावा देने में इस फोरम की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और फ्रांस के शीर्ष उद्योगपति प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं। इससे भावी पीढ़ी के विकास और निवेश में बढ़ावा मिलेगा। साथ ही भारत और फ्रांस की दोस्ती दो दिमागों का संगम है।

न्यूज ब्रीफ

डेविन गेराल्ड नून्स अमेरिकी राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्त

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने घोषणा की है कि अमेरिकी राष्ट्रपति राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के खुफिया सलाहकार बोर्ड के अध्यक्ष डेविन गेराल्ड नून्स होंगे। इस बोर्ड में डेविन के सहयोग के लिए 11अन्य लोगों की टीम भी होगी। ट्रंप ने कहा है कि राष्ट्रपति के खुफिया सलाहकार बोर्ड में सेवा देने के लिए देशभक्तों के प्रतिष्ठित और भरोसेमंद समूह की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह व्यक्ति देश की सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा चुनौतियों पर उन्हें सलाह देंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार, अध्यक्ष डेविन गेराल्ड नून्स के अलावा बोर्ड में स्कॉट ग्लैब, अमेरीलिस फॉक्स कैनेडी, ब्रैड रॉबर्ट वेनस्ट्रुप, वेन बर्मन, रीन्स प्रीबस, रॉबर्ट ओब्रायन, जोशुआ लोबेल, सैंडर आर गेरबर, केटी मिलर, जेरेमी काट्ज और थॉमस ओलिस हिक्स जूनियर को शामिल किया गया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने उम्मीद जताई है कि बोर्ड अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को आगे बढ़ाने मदद करेगा।

बच्चों की खातिर रोज फ्लाइट से ऑफिस जाती हैं कौर, पैसे की भी कर रही बचत

मलेशिया। भारतीय मूल की महिला बच्चों के खातिर रोज हवाई जहाज से ऑफिस जाती है। हफ्ते में 5 दिन वह ऐसा करती है। इतना खर्च करने के बाद भी वह महिला अपनी सैलरी से पैसे बचा लेती है। एयर एशिया के फाइनेंस ऑपरेशन्स डिपार्टमेंट में काम करने वाली रचैल कौर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वह कहती हैं कि बच्चों को समय देने के लिए वह हफ्ते में 5 दिन हवाई यात्रा करती हैं। वह दावा करती हैं कि ये ना सिर्फ सस्ता है बल्कि ऐसे करके वह अपने बच्चों को भी समय दे रही हैं। रचैल कौर ने एक साक्षात्कार में कहा कि मेरे दो बच्चे हैं। बड़े बेटे की उम्र 12 साल और बेटी 11 साल की है। मुझे लगता है कि बच्चों की जब उम्र बढ़ती है तो उन्हें मां की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। मैंने जो व्यवस्था की है उससे मैं रोज घर जा पा रही हूं और बच्चों को समय दे रही हूं। कौर इससे पहले क्वालालंपुर में किराए के मकान में रहती थीं। जो उनके ऑफिस के पास था। वह पेनांग स्थित अपने घर में हफ्ते में एक ही दिन जा पाती थीं। यहीं पर उनके बच्चे रहते हैं। 2024 की शुरुआत में उन्होंने फ्लाइट लेने का फैसला किया। कौर ने कहा कि वह सुबह 4 बजे उठती हैं और 5 बजे तक एयरपोर्ट पहुंचती हैं 8 बजे ऑफिस पहुंचती हैं। दिनभर ऑफिस में काम करने के बाद वह रात 8 बजे घर पहुंच जाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसा करके वह पैसे भी बचा रही हैं। कौर दावा करती हैं कि वह हर महीने 42 हजार खर्च करती थीं, जो अब 28 हजार रुपए महीने हो गया है यानि कि अब वह 14 हजार रुपए बचा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा करके वह काम पर 100 फीसदी फोकस कर रही हैं, साथ ही बच्चों को भी समय दे रही हैं। कौर ने बताया कि जब वो इसके बारे में लोगों को बताती हैं तो लोग हैरान हो जाते हैं। उन्होंने कहा दिनभर थकने के बाद जब वह घर पहुंचती हैं तो बच्चों को देखकर सारी थकान मिट जाती है।

कैथलीन की लंबी उम्र का राज खास ड्रिंक और सिंगल रहने में है छिपा

लंदन। इंग्लैंड के चेल्टनहैम में रहने वाली 105 साल की एक उम्रदराज महिला ने अपनी लंबी उम्र का राज बताया

है। महिला के अनुसार उनकी लंबी उम्र का राज खास ड्रिंक और सिंगल रहने में छिपा है। कैथलीन हेनिंग्स हाल ही में 105 साल की हुई और उन्होंने अपना जन्मदिन एक अनोखे अंदाज में मनाया। उनका मानना है कि लंबी उम्र का राज किसी हेल्दी डाइट या एक्सरसाइज में नहीं, बल्कि एक खास ड्रिंक और सिंगल रहने में छिपा है। कैथलीन का कहना है कि गिनीज बियर ही उनकी लंबी उम्र का राज है। वह बताती हैं कि उन्होंने पहली बार यह बियर 18 साल की उम्र में अपने माता-पिता के कहने पर पी थी, और तब से यह उनकी पसंदीदा ड्रिंक बन गई। गिनीज बियर में आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो शरीर के लिए फायदेमंद मानी जाती है। हालांकि, कैथलीन का मानना है कि सिर्फ इसके पोषण से ही नहीं, बल्कि इसे पीने का सुख भी उनके अच्छे स्वास्थ्य का कारण हो सकता है।

रूस ने जेल में 14 साल की सजा काट रहे अमेरिकी शिक्षक को रिहा किया

वॉशिंगटन, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

रूस ने 14 साल जेल की सजा काट रहे अमेरिकी शिक्षक मार्क फोगेल को रिहा कर दिया। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड के कूटनीतिक प्रयासों से संभव हो पाया है। व्हाइट हाउस और फोगेल के रशियन वकील ने रिहाई की पुष्टि की है। समाचार पत्र फाइनेंशियल टाइम्स (अमेरिका) और रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर में मार्क फोगेल के जेल से बाहर आने की आधिकारिक सूचना दी गई है।

फाइनेंशियल टाइम्स अमेरिका की खबर के अनुसार, मार्क फोगेल को रूस की जेल से मुक्त कराकर अमेरिका लाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ अपने निजी जेट से मास्को पहुंचे। वहां उनके प्रयास रंग लाए। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज ने बयान जारी कर पुष्टि की कि फोगेल रात अमेरिकी धरती पर वापस आ जाएंगे। वाल्ट्ज ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप, स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति के सलाहकारों ने रूस से शीर्ष नेतृत्व से इस पर बातचीत की। मार्क की रिहाई का यह मतलब है कि हम यूक्रेन में क्रूर और भयानक युद्ध को समाप्त करने की सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि मार्क फोगेल के बदले अमेरिका ने क्रेमलिन से क्या वादा किया है व्हाइट हाउस ने इसका विवरण नहीं दिया।

इस बीच मार्क के परिवार ने एक बयान जारी कर ट्रंप के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए उनपर अटूट आस्था व्यक्त की है। मार्क फोगेल की अमेरिकी कानूनी टीम ने कहा है कि उनकी रिहाई में देरी की वजह नौकरशाही की निष्क्रियता है। उनकी रूसी कानूनी टीम ने कहा कि फोगेल की रिहाई से संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है।

फोगेल को अगस्त 2021 में रूस में मेडिकल मारिजुआना लाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने 2022 में आरोपों के लिए 14 साल की सजा काटनी शुरू की थी। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास की खबर के अनुसार, दोषी अमेरिकी ड्रग तस्कर मार्क फोगेल के रूसी वकील दिमित्री ओवस्यानिकोव ने उसकी रिहाई की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि मार्क फोगेल को रिहा कर अमेरिकी पक्ष को सौंप दिया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि रिहाई के पीछे के क्या कारण हैं। मॉस्को के एंग्लो-अमेरिकन स्कूल में लेक्चरर मार्क फोगेल पहले रूस में अमेरिकी दूतावास में काम करते थे। मई 2021 तक उन्हें और उनकी पत्नी को राजनयिक दर्जा प्राप्त था। 14 अगस्त, 2021 को न्यूयॉर्क से मॉस्को पहुंचने पर उन्हें हिरासत में लिया गया था।

अमेरिकी कांग्रेस के 6 सदस्यों ने अदाणी समूह जांच पर समीक्षा की मांग

वॉशिंगटन। अमेरिकी कांग्रेस के छह सदस्यों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन द्वारा अदाणी समूह के खिलाफ की गई जांच पर सवाल उठाते हुए, मामले की पुनः समीक्षा की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने अमेरिका के अटॉर्नी जनरल एजी बॉन्डी को एक पत्र लिखा है। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों में लांस गुडेन, पैट फॉलन, माइक हरिडोपोलोस, ब्रैंडन गिल, विलियम आर. टिममन्स और ब्रायन बाबिन शामिल हैं। इन सदस्यों ने भारत को अमेरिका का एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए कहा, अदाणी समूह के खिलाफ की गई इस कार्रवाई से अमेरिका के रणनीतिक और आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचा है। अमेरिका के हितों पर प्रभाव कांग्रेस सदस्यों ने अपने पत्र में कहा है, बाइडेन प्रशासन के न्याय विभाग (डीओजे) ने अदाणी समूह के खिलाफ जो जांच शुरू की है. वह पूर्वाग्रह से ग्रस्त हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया डीओजे ने कुछ चुनिंदा मामलों को प्राथमिकता दी है. जबकि अन्य मामलों को अनदेखा किया। इससे अमेरिका के घरेलू हितों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय संबंधों मे खतरा पैदा हुआ है। विशेष रूप से भारत जैसे करीबी साझेदार के साथ अमेरिका के रिश्तों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। भारत-अमेरिका संबंधों पर चिंता अमेरिकी कांग्रेस के सदस्यों ने भारत के साथ अमेरिका के गहरे और ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा, दोनों देश दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के नाते एक विशेष साझेदार हैं। उन्होंने कहा कि इन संबंधों को राजनीति, व्यापार और अर्थव्यवस्था से भी ऊपर माना जाता है। बाइडेन प्रशासन के कुछ फैसलों ने इस साझेदारी को खतरे में डाल दिया है। न्याय विभाग की निष्पक्षता पर सवाल कांग्रेस सदस्यों ने न्याय विभाग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाते हुए जांच की मांग की. अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई किन परिस्थितियों में की गई है । उन्होंने कहा कि सुनिश्चित किया जाना चाहिए,न्याय विभाग राजनीतिक या पक्षपातपूर्ण कारणों से किसी विशेष कंपनी या देश को निशाना ना बनाए। नए सिरे से जांच की मांग इन सदस्यों ने अपने पत्र में अटॉर्नी जनरल से अनुरोध किया कि अदाणी समूह के खिलाफ हुई जांच को पारदर्शी तरीके से पुनः जांचा जाए। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाए रखने के लिए निष्पक्षता जरूरी है। यदि यह जांच राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित पाई जाती है, तो इसे तुरंत बंद किया जाना चाहिए। इस मामले पर बाइडेन प्रशासन या न्याय विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है!

नासा ने एस्टेरॉयड 2024 वायआर 4 की पहली झलक दिखाई

वॉशिंगटन, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

हाल ही में नासा ने पृथ्वी की ओर बढ़ रहे एक खतरनाक एस्टेरॉयड 2024 वायआर 4 की पहली झलक दिखाई है। वैज्ञानिकों द्वारा वायआर 4 के 22 दिसंबर, 2032 को पृथ्वी से टकराने का खतरा बताया जा रहा है। इस एस्टेरॉयड के टकराने की संभावना 1.8 प्रतिशत से बढ़कर 2.3प्रतिशत हो गई है। इसकी चौड़ाई लगभग 300 फीट (90 मीटर) तक हो सकती है, जो एक बड़े शहर को पूरी तरह से तबाह कर सकता है। वैज्ञानिक इसे तुंगुस्का एस्टेरॉयड के समान मानते हैं, जो 1908 में साइबेरिया के तुंगुस्का इलाके में गिरा था और भारी विनाश हुआ था। 1908 के एस्टेरॉयड के विस्फोट ने 830 वर्ग मील (2,150 वर्ग किमी) का इलाका नष्ट कर दिया था। हालांकि, इसका कोई क्रेटर नहीं बना था, क्योंकि यह एस्टेरॉयड पृथ्वी के वातावरण में घुसते ही फट गया था। इससे लाखों पेड़ नष्ट हो गए थे, लेकिन कोई बड़े पैमाने पर मानव जनहानि नहीं हुई थी।

अगर 2024 वायआर 4 पृथ्वी से टकराता है, तो यह एक छोटे शहर को पूरी तरह नष्ट कर सकता है, लेकिन वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह पूरी दुनिया के लिए तबाही नहीं लाएगा। यूरोपियन स्पेस एजेंसी (ईएसए) के अनुसार, यह एस्टेरॉयड 22 दिसंबर 2032 को पृथ्वी के सबसे करीब होगा, लेकिन इसका टकराना अत्यधिक संभावना से बाहर है। ईएसए ने कहा कि 99प्रतिशत संभावना है कि यह एस्टेरॉयड पृथ्वी के पास से बिना किसी नुकसान के गुजर जाएगा। हालांकि, यह टोरिनो इम्पैक्ट स्केल पर रेटिंग 3 रखता है, जो खतरे के संकेत का संकेत है। इस स्केल पर 0 से 10 तक रेटिंग होती है, जिसमें 0 का मतलब कोई खतरा नहीं और 10 का मतलब सभ्यता समाप्त होने की स्थिति होती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनबर्ग के प्रोफेसर कोलिन स्नोडग्रास ने कहा कि सबसे अधिक संभावना यही है कि 2024 वायआर 4 पृथ्वी से बिना किसी नुकसान के गुजर जाएगा, लेकिन फिर भी इसे और अधिक अध्ययन की आवश्यकता है ताकि इसकी कक्षा का सही अनुमान लगाया जा सके। यदि इस एस्टेरॉयड के पृथ्वी से टकराने का खतरा बढ़ता है, तो नासा के पास इसे रोकने की रणनीतियां हैं। 2022 में नासा ने डर्ट मिशन के तहत एक अंतरिक्ष यान को जानबूझकर एक एस्टेरॉयड से टकराकर उसकी दिशा बदल दी थी। यदि 2024 वायआर 4 का खतरा बढ़ता है, तो ऐसी तकनीकों का फिर से उपयोग किया जा सकता है।

फलस्तीनी पड़ोसी देशों में विस्थापित करेंगे: ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनालड ट्रंप ने फिर दोहराते हुए कहा कि गाजा पर अमेरिका का हक है और 22 लाख से ज्यादा फलस्तीनी पड़ोसी देशों में विस्थापित करेंगे। पश्चिम एशियाई देश इस्राइल और अमेरिका के बीच बेहद करीबी रिश्ते रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद इस्राइल और हमास के बीच 15 महीने से जारी हिंसा फिलहाल रूक गई है। दोनों पक्षों के युद्धविराम के बीच कई बंधकों की रिहाई भी हुई है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने हिंसाग्रस्त क्षेत्र गाजा पर अधिकार की बात को लेकर चर्चा में हैं। ट्रंप बीते एक हफ्ते में कई बार दोहरा चुके हैं कि गाजा पर अमेरिका का हक है। उन्होंने कहा है कि इस भूखंड की वर्तमान स्थिति ऐसी है, जहां कोई भी दोबारा बसना नहीं चाहेगा। उन्होंने एक बार फिर दोहराया है कि यहां रहने वाले लगभग 22 लाख फलस्तीनी लोगों को जॉर्डन और मिस्र जैसे पड़ोसी देशों में विस्थापित किया जा सकता है। हालांकि, ट्रंप के इस बयान की आलोचना भी हो रही है।

पूर्वी कांगो में सशस्त्र हमले में 55 नागरिकों की मौत, विस्थापितों को बनाया निशाना

गोमा (कांगो), 11 फरवरी (एजेंसियां)।

पूर्वी कांगो के इटुरी प्रांत में एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में कम से कम 55 नागरिकों की जान चली गई। यह हमला विशेष रूप से विस्थापितों के एक गांव पर हुआ, जहां कई घर जलकर नष्ट हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि राहत एवं बचाव कार्य अभी जारी है।

जानकारी के अनुसार, यह हमला सोमवार रात को जाइबा गांव में हुआ, जहां कोडेको नामक सशस्त्र संगठन के लड़ाकों ने हमला बोल दिया। इस संगठन का संबंध लेंदू समुदाय से बताया जाता है। अफ्रीकी आतंकवाद अनुसंधान केंद्र के अनुसार, इस समूह के हमलों में 2022 तक हजारों लोग मारे जा चुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रकार की हिंसा को युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करार दिया है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों और कांगो की सरकारी सेना ने स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों की संख्या अधिक होने के कारण वे प्रभावी रूप से रोक नहीं पाए।

हमले के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावरों ने कुल्हाड़ी और बंदूकों से लोगों पर हमला किया। यह क्षेत्र पहले भी हिंसा की चपेट में रहा है, और हाल के महीनों में इस तरह के हमलों में वृद्धि देखी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि कांगो में सक्रिय 120 से अधिक सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का मुख्य कारण भूमि और कीमती खनिजों पर नियंत्रण की होड़ है।

भारतीय युवाओं के लिए ब्रिटेन में पढ़ाई-नौकरी और प्रवास का सुनहरा मौका, ब्रिटिश उच्चायोग ने मांगे आवेदन

लंदन, 11 फरवरी (एजेंसियां)।

ब्रिटेन-भारत युवा पेशेवर योजना (वाईपीएस) के तहत भारतीय युवाओं को ब्रिटेन में अध्ययन, रोजगार और प्रवास का अवसर मिलने जा रहा है। इस योजना के लिए आवेदन प्रक्रिया 18 फरवरी से शुरू होकर 20 फरवरी तक जारी रहेगी। ब्रिटिश उच्चायोग के अनुसार, 18 से 30 वर्ष की आयु के भारतीय नागरिक इस अवसर के लिए द्द्य1.ह्वद्म पर आवेदन कर सकते हैं।

इस वर्ष कुल 3000 आवेदकों को ब्रिटेन जाने का मौका मिलेगा। आवेदन नि:शुल्क होगा, और चयन प्रक्रिया पूरी तरह रैंडम (क्रमरहित) प्रणाली पर आधारित होगी। बयान में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि ब्रिटेन की यात्रा करने की तारीख को आवेदकों की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए। साथ ही उनकी शैक्षिक योग्यता ब्रिटेन की स्नातक डिग्री के बराबर या उससे ऊपर होनी चाहिए। इसके अलावा आवेदन करने से पहले सभी आवेदकों को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि वे सभी

जरूरी योग्यता को पूरा कर रहे हों। बताया जाता है कि इस योजना का भारतीय युवाओं को काफी लाभ मिलेगा।

योजना का इतिहास और लाभ- इस योजना की शुरुआत फरवरी 2023 में हुई थी और यह भारत और ब्रिटेन के युवाओं को एक-दूसरे के देशों में दो वर्षों तक रहने, अध्ययन करने और काम करने का अवसर देती है। 2023 में इस योजना के तहत 2100 से अधिक भारतीय नागरिकों को वीजा जारी किया गया था।

अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन ने की अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई, 19 हजार किए डिपोर्ट, -भारतीय रेस्टोरेंट, नेल बार, स्टोर और कार वॉश की दुकानों में की छापेमारी

लंदन। अमेरिका ने अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में बहुत सारे अवैध प्रवासियों को अमेरिका ने हाथों में हथकड़ी और पैरों में बेड़ियां डालकर भारत भेजा, जिसके बाद काफी हंगामा मच गया क्योंकि लोगों के हाथों और पैरों में हथकड़ी थी। अमेरिका के बाद अब ब्रिटेन भी अवैध प्रवासियों पर सख्त कार्रवाई कर रहा है। ब्रिटेन की सत्ता में लेबर पार्टी के आने के बाद से अब तक 19 हजार अवैध प्रवासियों और अपराधियों को देश से बाहर का रास्ता दिखाया है। ब्रिटिश होम मिनिस्टर ने कहा कि उनकी सरकार आने के बाद से अब तक 19 हजार लोगों को डिपोर्ट किया गया है। यूके की लेबर सरकार ने देश में अवैध रूप से काम करने वालों के खिलाफ छापेमारी शुरू की है। इसके तहत भारतीय रेस्टोरेंट, नेल बार, सविधा स्टोर और कार वॉश की दुकानों में छापेमारी की गई, जहां प्रवासी काम करते हैं। ब्रिटिश गृह सचिव की निगरानी में की गई इस कार्रवाई के तहत जनवरी में 828 परिसरों में छापेमारी की गई और 609 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में गृह सचिव कार्यालय ने कहा है कि, उनकी टीम अवैध रूप से काम करने वालों की जानकारी के आधार पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने बताया कि हंबरसाइड में एक भारतीय रेस्टोरेंट से सात अवैध प्रवासियों को गिरफ्तार किया है और चार लोगों को हिरासत में लिया है। ब्रिटिश गृह सचिव ने कहा कि आव्रजन के नियमों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें लागू भी किया जाना चाहिए।

पटना के मोइनुल हक स्टेडियम को विश्व स्तरीय मुकाबले के लिए अत्याधुनिक रुप देगा बीसीए

पटना, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

आने वाले समय में बिहार की राजधानी पटना के मोइनुल हक स्टेडियम में विश्व कप सहित कई बड़े मैचों का आयोजन होगा। इसका कारण है कि इस स्टेडियम को अब अत्याधुनिक बनाया जाएगा। इसके लिए हार क्रिकेट संघ (बीसीए) ने एक करार भी किया है। बीसीए का लक्ष्य इस इस क्रिकेट स्टेडियम को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना है जिससे यहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मैचों की मेजबानी की जा सके।

बीसीए स्टेडियम के पुनर्निर्माण के लिए सभी जरुरी बदलाव किये जाने के प्रयास कर रहा है। नई परियोजना के तहत विभिन्न दीर्घाओं और स्टैंडों के लिए प्रवेश और निकास आसान बनायी जाएगी। इसके साथ ही 40-50 हजार लोगों के बैठने की भी व्यवस्था होगी। घरेलू और भ्रमणकारी टीमों के लिए आधुनिक ड्रेसिंग रूम, अत्याधुनिक पवेलियन, कॉर्पोरेट बॉक्स, वीआईपी लाउंज, प्रेस बॉक्स, मैच अधिकारियों के लिए विशेष सुविधाएं, आईसीसी और बीसीसीआई के मानकों के अनुरूप स्टेडियम का विकास किया जाएगा। बीसीए प्रबंधन के अनुसार इस स्टेडियम को एक संपूर्ण खेल परिसर के रूप में तैयार किया जाएगा, जहां खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसमें खिलाड़ियों के लिए पांच सितारा होटल और हॉस्टल, स्विमिंग पूल, इंडोर क्रिकेट सुविधा, टेनिस, बैडमिंटन और वॉलीबॉल कोर्ट, आधुनिक जिम, स्पा, फिजियो रूम और वीडियो विश्लेषण केंद्र, रेस्टोरेंट, क्लब हाउस, कॉन्फ्रेंस हॉल और सेमिनार रूम के साथ शुद्ध पेयजल और उच्च स्तरीय शौचालय सुविधाएं उपलब्ध होग। इस परियोजना को जल्द से जल्द पूरा किये जाने के प्रयास होंगे। विशेषज्ञों की एक टीम ने भी इसका जायजा लिया है। स्टेडियम के पुनर्निर्माण की सारी प्रक्रिया जल्द पूरी कर तीन साल में स्टेडियम का काम पूरा करने का लक्ष्य है। इसमें निर्माण की अनुमानित लागत 400 करोड़ से 500 करोड़ रुपए है, जबकि परिसर के सालाना रख-रखाव पर प्रति वर्ष 15 करोड़ से 20 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

चैम्पियंस ट्रॉफी में तब अंतिम जोड़ी ने वेस्टइंडीज को जिताया था खिताब

लंदन। 19 फरवरी से शुरु होने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान में खेल जाने वाली इस चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम के मैच दुबई में खेले जाएंगे। चैम्पियंस ट्रॉफी के इतिहास में एक से बढ़कर एक मुकाबले खेले गए हैं। इसमें साल 2004 का फाइनल सबसे यादगार कहा जा सकता है जब वेस्टइंडीज के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से मैच पलट दिया। उस मैच में इंग्लैंड के हाथ आई जीत निकल गयी थी। ये मैच चैम्पियंस ट्रॉफी के इतिहास का अब तक का सबसे रोमांचक मैच माना जाता है। को लंदन के द ओवल इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.4 ओवरों में 217 रन बनाए थे। इसके बाद 218 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही। उसकी आधी टीम 80 रनों के स्कोर तक पेवेलियन लौट गयी थी। वेस्टइंडीज का स्कोर 8 विकेट पर 147 रन था और वह हार की कगार पर थी पर इसके बाद नौवे नंबर के बल्लेबाज कर्टनी ब्राउन और दसवें नंबर-के इयान ब्रैडशॉ ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 71 रनों की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को जीत दिला दी थी। उस मैच में विकेटकीपर कर्टनी ब्राउन ने 55 गेंदों पर नॉटआउट 35 रन बनाए, जिसमें 2 चौके शामिल रहे. जबकि ब्रैडशॉ 51 गेंदों पर 34 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

रणतुंगा ने कहा, गावस्कर, वेंगसरकर और द्रविड़ से सलाह लें विराट, बोले भारत की इस वर्तमान टीम को तीन दिन में हरा देते

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व कप्तान अर्जुन रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट टी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की खराब फॉर्म को लेकर कहा है कि उन्हें पूर्व क्रिकेटरों उन्हें सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों से सलाह लेनी चाहिये। विराट पिछले कुछ समय से रन बनाने में विफल रहे हैं। भारतीय टेस्ट टीम के लिए विराट के अलावा कप्तान रोहित शर्मा का खराब फार्म भी परेशानी का कारण बना है। इसी को लेकर रणतुंगा ने कहा कोहली अगर सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर या राहुल द्रविड़ जैसे लोगों से बात करें तो अन्हें अवश्य ही लाभ होगा। रणतुंगा ने भारतीय क्रिकेट टीम के हाल के खराब फार्म की जमकर आलोचना की है। रणतुंगा ने कहा कि हमारी 1996 की विश्व कप विजेता टीम वर्तमान भारतीय टीम को तीन दिनों में ही हरा देती। भारतीय टीम को टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था इसके बाद उसे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में भी हार झेलनी पड़ी। रणतुंगा ने कहा, वास और मुरली जैसे गेंदबाजों वाली मेरी टीम भारतीय टीम को तीन दिनों में ही हरा देती। राणातुंगा की कप्तानी में हालांकि श्रीलंकाई टीम भारत को एक भी टेस्ट में नहीं हरा पाई। 13 मैचों में उन्हें 5 हार मिली। श्रीलंका की टीम ने 1982 में पहली बार भारत में आकर टेस्ट खेला था।

जब नेहरा ने कोच को घर गिफ्ट किया

नई दिल्ली। भारतीय भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा अपने दौर के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक माने जाते हैं। नेहरा संन्यास के बाद से ही कोच के तौर पर खेल से जुड़े हैं। हाल ही में एक नेहरा को लेकर एक ऐसी बात सामने आई है जिसे जानने के बाद पता चलता है कि वह कितने बड़े दिलवाले हैं। सोशल मीडिया में इसका एक वीडियो भी आया है, इसमें बताया गया है कि नेहरा ने अपने कोच तारक सिन्हा को बेघर होता देख उन्हें नया मकान खरीदकर दिया था। तारक सिन्हा उनके बचपन के कोच थे। . भारतीय क्रिकेट को आशीष नेहरा, शिखर धवन, आकाश चोपड़ा, ऋषभ पंत, मनोज प्रभाकर और अंजुम चोपड़ा जैसे एक से बढ़कर एक स्टार खिलाड़ी देने वाले तारक का 2021 में निधन हो गया था। कमेंटेर पदमजीत सेहरावत ने कहा कि आशीष नेहरा ने अपने कोच का कठिन समय में साथ दिया था। सेहरावत ने कहा कि जब नेहरा को जब पता चला कि कोच तारक सिन्हा को किराए का घर खाली करने का नोटिस मिला है तो उन्होंने 3 दिन में नया घर खरीदकर उनको उपहार में दिया।

भारत की इंग्लैंड पर सबसे बड़ी जीत

अहमदाबाद, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

भारत ने इंग्लैंड को तीसरे वनडे में 142 रन से हराकर 3-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने शुभमन गिल की शतकीय और विराट कोहली की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में 10 विकेट पर 356 रन बनाए। जवाब में इंग्लैंड की टीम 34.2 ओवर में 10 विकेट खोकर सिर्फ 214 रन बना सकी।

भारत की यह इंग्लैंड पर दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम इंडिया ने 2008 में इंग्लैंड को राजकोट में 158 रन से हराया था। रोहित शर्मा की टीम ने इंग्लैंड का सूपड़ा साफ कर चैंपियंस ट्रॉफी से पहले अपना दम दिखा दिया है। 19 फरवरी से टूर्नामेंट का आगाज होगा जिसमें भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी से करेगी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी हुई। फिल सॉल्ट और बेन डकेट के बीच पहले विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी हुई जिसे अर्शदीप सिंह ने तोड़ा। उन्होंने डकेट को सातवें ओवर में अपना शिकार बनाया। वह 22 गेंदों में 34 रनों की पारी खेलकर पवेलियन लौटे। इसके बाद तेज गेंदबाज ने नौवें ओवर में सॉल्ट को आउट किया। वह 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद मोर्चा टॉम बैंटन और जो रूट ने संभाला। दोनों के बीच 46 रनों की साझेदारी हुई। हालांकि, यह साझेदारी ज्यादा बड़ी नहीं हो सकी और कुलदीप यादव ने बैंटन को अपना शिकार बनाकर इसे तोड़ दिया। दाएं हाथ के बल्लेबाज इस मैच में 38 रन बनाकर आउट हुए। इस मुकाबले में इंग्लैंड के लिए रूट 24, ब्रूक 19, बटलर छह, लिविंगस्टोन नौ, आदिल रशीद शून्य, वुड नौ, एटकिंसन 38 और साकिब ने दो रन* बनाए। भारत के लिए अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अक्षर पटेल और हार्दिक पांड्या ने दो-दो विकेट चटकाए। इसके अलावा वाशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव ने एक-एक विकेट चटकाया।

शुभमन गिल ने शतक, विराट और अय्यर ने अर्धशतक जड़ा

भारत ने अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में शुभमन गिल के शतक और विराट कोहली तथा श्रेयस अय्यर के अर्धशतकों की मदद से वनडे में दूसरा सर्वाधिक स्कोर बनाया। इंग्लैंड के लिए सबसे ज्यादा चार विकेट स्पिनर आदिल राशिद ने लिए। भारत की ओर से गिल ने 102 गेंदों पर 14 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 112 रन बनाए, जबकि श्रेयस ने 78 रन और कोहली ने 52 रनों की पारी खेली। पांचवें नंबर पर उतरे केएल राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए।

रोहित एक रन बनाकर आउट हुए

पिछले मैच में शतक लगाने वाले कप्तान रोहित शर्मा इस मैच में सस्ते में आउट हुए, लेकिन गिल और कोहली ने पहले भारत को संभाला, फिर शुभमन ने श्रेयस के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। शुभमन और श्रेयस जब बल्लेबाजी कर रहे थे तो लग रहा था कि टीम 400 रन के स्कोर तक पहुंचने में सफल रहेगी, लेकिन इन दोनों बल्लेबाजों के आउट होने के बाद इंग्लैंड कुछ हद तक वापसी करने में सफल रहा।

अर्धशतक से चूके राहुल

पांचवें नंबर पर उतरे राहुल ने भी इस मैच में दम दिखाया, लेकिन वह अर्धशतक लगाने से चूक गए। निचले क्रम के बल्लेबाज उपयोगी योगदान नहीं दे सके, पर भारतीय टीम 350 का आंकड़ा पार करने में सफल रही। इंग्लैंड के लिए राशिद के अलावा मार्क वुड ने दो विकेट लिए, जबकि साकिब महमूद, गस एटकिंसन और जो रूट को एक-एक विकेट मिला।

इस साल आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है दक्षिण अफ्रीका : स्मिथ

जोहानिसबर्ग, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा है कि इसी साल उनकी टीम आईसीसी ट्रॉफी जीत सकती है। दक्षिण अफ्रीका ने तक कोई भी आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीता है। स्मिथ ने कहा, 'उम्मीद है कि हम अपनी मेजबानी में साल 2027 में होने वाले विश्वकप से पहले ही कोई आईसीसी ट्रॉफी जीत लेगे। फिर चाहे वह चैम्पियंस ट्रॉफी हो या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल इस पूर्व कप्तान ने कहा, 'अगले तीन साल में हम स्टेडियमों, पिचों और अपने क्रिकेट ढ़ांचे को बेहतर करने के प्रयास जारी रखेंगे जिससे 2027 एकदिवसीय विश्व कप को जीता जा सके। दक्षिण अफ्रीका चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल में भी उतरेगी इसमें उसका सामना ऑस्ट्रेलिया से होगा। ये पहली बार है जब दक्षिण अफ्रीकी टीम डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंची है।

स्मिथ ने उन बातों को अधारहीन बताया है जिसमें कहा गया कि डब्ल्यूटीसी फाइनल का दक्षिण अफ्रीका का सफर आसान रहा है। उन्होंने कहा, 'आजकल क्रिकेट में कोई सफर आसान नहीं होता। शुरू ही से सभी टीमों को पता था कि किसे किससे खेलना है। दक्षिण अफ्रीका ने लगातार सात टेस्ट जीतकर क्वालीफाई किया है। सभी को टेस्ट इकोसिस्टम देखना चाहिए कि वह कैसे काम करता है। वहीं लीग क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर स्मिथ ने कहा कि टी20 क्रिकेट का बढ़ना तय है पर सभी सदस्य देशों को मिलकर ऐसा मॉडल बनाना होगा कि बाकी प्रारूप भी सुरक्षित रहें। साथ ही कहा कि , 'मैं चाहता हूं कि टेस्ट क्रिकेट मजबूत रहे और अगर छह सात देशों में भी रह गया तो काफी प्रतिस्पर्धी होगा और मजबूत भी बना रहेगा। दुनिया भर में शुरू हो रही फ्रेंचाइजी आधारित टी20 लीग के बीच टेस्ट क्रिकेट के अस्तित्व को बचाये रखने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट ने अमेरिका और दूसरे क्षेत्रों में नये दर्शक दिए हैं और अब हम आने वाले समय में इसे ओलंपिक में भी देखेंगे। इसने काफी दर्शक जोड़े हैं। मुझे लगता है कि फ्रेंचाइजी आधारित क्रिकेट में अंत में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ तीन चार लीग बचेंगी और शायद एक टू टियर सिस्टम। भविष्य में सभी सदस्य देशों को साथ मिलकर एक दूसरे की लीग को मजबूत बनाना होगा।

उन्होंने कहा कि शेड्यूलिंग भी अहम है इससे राजस्व का प्रवाह बना रहता है। वहीं अगर ऐसा नहीं होता है तो टेस्ट क्रिकेट में दबाव आ जाएगा। उन्होंने कहा, 'अगर इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश एक दूसरे से ही खेलते रहे और अफ्रीकी या दूसरे देशों से नहीं खेलेंगे तो उनके लिए राजस्व हासिल करना कठिन हो जाएगा क्योंकि टेस्ट क्रिकेट पर अभी पहले से ही काफी दबाव है।

विराट ने सुरक्षा घेरा तोड़कर महिला प्रशंसक को गले लगाया

पिछले काफी समय से खराब फार्म के कारण आलोचना झेल रहे भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के प्रति प्रशंसकों की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। विराट की झलक पाने कई बार उनके प्रशंसक मैदान में तक आ जाते हैं। वहीं विराट भी अपने प्रशंसकों की भावनाओं का पूरा ध्यान रखते हैं। अब इसी का एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें विराट किसी महिला प्रशंसक को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। ये प्रशंसक कौन थी ये हालांकि पता नहीं चला है। यह घटना दूसरे एकदिवसीय के बाद की है जब भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय के लिए अहमदाबाद रवाना होने वाली थी। तभी कोहली को सिक्योरिटी चेक एरिया की ओर जाते देखा गया तभी उन्होंने भीड़ में किसी को देखा। इसके बाद विराट ने इस प्रशंसक को गले लगाने के लिए सुरक्षा घेरा तक तोड़ दिया। वह इस प्रशंसक से बात करते भी दिखे। इसके बाद कोहली के चेहरे पर मुस्कान दिखी। इसके बाद से ही प्रशंसक अंदाजा लगा रहे है कि वो प्रशंसक कौन थी, जिसे विराट ने इतना महत्व दिया। ये एक ऐसा पल था जिसने वहां मौजूद प्रशंसकों के चेहरों पर भी मुस्कान ला दी।

एचपीआरसी में पोलो खिलाड़ियों को मानसिक शक्ति पर संबोधित करेंगी मनाल

हैदराबाद, 12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्पोर्टोलॉजी की संस्थापक मनाल मो. शमसुद्दीन आगामी दि. 23 फरवरी से 2 मार्च, 2025 तक हैदराबाद पोलो-राइडिंग क्लब (एचपीआरसी) में आयोजित हो रहे विश्व एरिना पोलो चैंपियनशिप 2025 में आठ अंतरराष्ट्रीय पोलो टीमों को मानसिक शक्ति को लेकर संबोधित करेंगी। यह सत्र खेलों में मानसिक लचीलापन, तनाव प्रबंधन, प्रदर्शन दबाव और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर केंद्रित होगा।इंडस इंटरनेशनल स्कूल की 12वीं कक्षा की छात्रा मनाल ने 2022 में स्पोर्टोलॉजी की स्थापना की और इसे खेलों में मानसिक स्वास्थ्य की वकालत करने वाली वैश्विक पहल के रूप में विस्तारित किया।

इसी संदर्भ में उन्होंने हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद को औपचारिक निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित किया एवं उन्हें स्मृति चिह्न के रूप में एक पौधा भेंट किया।

ज्ञात रहे कि विश्व एरेना पोलो चैंपियनशिप 2025 में लक्जमबर्ग, जर्मनी, फ्रांस, आयरलैंड, स्पेन, अमेरिका, ब्रिटेन और भारत की टीमें भाग लेंगी। जिसमें 60 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी, अधिकारी और चिकित्सा पेशेवर स्वर्ण, रजत, कांस्य और महिला कप प्रतियोगिताओं में भाग लेंगे।

मौली संवादः खेल करियर और गैर-सर्जिकल उपचार पर विशेषज्ञों की चर्चा

देहरादून, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

38वें राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत आयोजित मौली संवाद में खेलों में करियर, उद्योग में उपलब्ध अवसरों और चोटों के गैर-सर्जिकल उपचार पर गहन चर्चा हुई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल जगत में नए अवसरों से परिचित कराना और इस क्षेत्र से जुड़ी चुनौतियों को समझाना था।

खेल उद्योग में करियर के अवसर

पहले सत्र का विषय खेल से आगेः शिक्षा, करियर और अवसर था। इस सत्र का संचालन मार्केटिंग प्रोफेशनल और नेशनल एशियन चैंपियन प्रतीक सोनवाने ने किया। उन्होंने खेलों को सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक आर्थिक शक्ति बताया। इस सत्र में स्पोर्ट्स इंडिया के प्रमुख नील शाह, की को-फाउंडर और की सीईओ नम्रता पारेख, कार्यक्रम निदेशक अरुण कार्तिक और ब्रॉडकास्टिंग हेड गौरव गाला शामिल हुए। नील शाह ने खेलों में करियर बनाने के लिए मेहनत और

सही ज्ञान को आवश्यक बताया। नम्रता पारेख ने खेल मार्केटिंग को तेजी से बढ़ता क्षेत्र बताते हुए कहा कि अनुभव केवल किताबों से नहीं, बल्कि खुद मेहनत करके मिलता है। अरुण कार्तिक ने अमेरिका और भारत की तुलना करते हुए कहा कि यदि कॉलेज स्तर पर खेलों को बढ़ावा दिया जाए, तो खेल उद्योग में नौकरियों के नए अवसर खुल सकते हैं। वहीं, गौरव गाला ने खेल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की।

महत्वपूर्ण कौशलों पर जोर

विशेषज्ञों से जब खेल उद्योग में सफलता के लिए आवश्यक कौशलों के बारे में पूछा गया, तो नील शाह ने संचार कौशल, अरुण कार्तिक ने नेटवर्किंग, नम्रता पारेख ने उद्यमिता, और गौरव गाला ने आत्मविश्वास को सबसे महत्वपूर्ण बताया।

इस मौके पर 38वें राष्ट्रीय खेलों के सीईओ अमित सिन्हा भी मंच पर आए और इस पहल की सराहना की। उन्होंने इसे युवाओं के लिए बेहतरीन मंच बताया, जहां वे खेलों में करियर की संभावनाओं को समझ सकते हैं।

खेलों में गैर-सर्जिकल उपचार के नए उपाय

दूसरे सत्र रिकवर स्ट्रॉन्गरः गैर-सर्जिकल समाधान में खेलों के दौरान लगने वाली चोटों और उनके उपचार पर चर्चा हुई।

मुख्य वक्ता खेल चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मनन वोरा थे। सत्र की शुरुआत नित्यांगन इंस्टिट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नृत्य प्रदर्शन से हुई। डॉ. वोरा ने बताया कि खेल चोटों के उपचार में आधुनिक गैर-सर्जिकल तकनीकें मददगार साबित हो रही हैं।

उन्होंने पुनर्जीवित चिकित्सा, प्रोथेरेपी, स्टेम सेल थेरेपी और प्लेटलेट रिच प्लाज्मा तकनीक जैसी विधियों पर प्रकाश डाला, जिनकी मदद से बिना सर्जरी के भी कई चोटों का इलाज संभव है। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का उदाहरण देते हुए समझाया कि टेनिस एल्बो जैसी चोटें बार-बार एक ही तकनीक अपनाने से होती हैं, जिससे शरीर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि सही समय पर उचित इलाज और संतुलित आहार से खिलाड़ी तेजी से रिकवरी कर सकते हैं।

सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में तेजी जारी, 80000 के पार पहुंचा 22 कैरेट सोना

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोना नई ऊंचाई पर पहुंचा हुआ है। बाजार में आई तेजी के कारण 22 कैरेट सोना पहली बार 80 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये से लेकर 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 80,110 रुपये से लेकर 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,390 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,440 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 87,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

ऐपल इंक ने 1 लाख करोड़ के आईफोन किए निर्यात, बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2025 के पहले 10 महीनों (अप्रैल से जनवरी) में टेक दिग्गज ऐपल इंक कंपनी ने 1 लाख करोड़ रुपये के एफओबी मूल्य वाले आईफोन निर्यात का आंकड़ा पार कर लिया है। ऐपल इंक ने भारत से आईफोन निर्यात में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पिछले साल की समान अवधि की तुलना में यह आंकड़ा करीब 31 प्रतिशत अधिक है। जनवरी 2025 में कंपनी ने 19,000 करोड़ रुपये मूल्य के आईफोन निर्यात किए, जो अब तक का सर्वाधिक मासिक निर्यात है। इससे पहले, दिसंबर 2024 में ऐपल ने 14,000 करोड़ रुपये के आईफोन का निर्यात किया था। अक्टूबर 2024 में आईफोन 16 के लॉन्च के बाद भारत में भी इसका उत्पादन शुरू हुआ, जिससे निर्यात में और तेजी आई। अक्टूबर से ही कंपनी हर महीने 10,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के आईफोन निर्यात कर रही है। भारत में ऐपल के आईफोन का उत्पादन करने वाली कंपनियां फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन हैं। टाटा ने हाल ही में पेगाट्रॉन में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है। 2021 से ये कंपनियां भारत सरकार की प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना के तहत आईफोन निर्माण कर रही हैं, जिससे निर्यात में बड़ा उछाल आया है। सूत्रों के मुताबिक, ऐपल ने न सिर्फ उत्पादन बढ़ाया है बल्कि घरेलू आपूर्ति श्रृंखला को भी सशक्त किया है। इससे आईफोन में स्थानीय मूल्यवर्धन बढ़ा है। 2020 में यह केवल 5-6 प्रतिशत था, लेकिन अब यह 15-18 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। कुछ मॉडल्स में यह और भी अधिक है। सरकार भी स्थानीय मूल्यवर्धन को बढ़ाने पर नजर बनाए हुए है।

अडानी ग्रुप ने की मेयो से साझेदारी भारत में करेंगे हेल्थ सिटी का निर्माण

अहमदाबाद। अडानी समूह ने अमेरिका की प्रतिष्ठित मेयो क्लिनिक के साथ साझेदारी कर अडानी हेल्थ सिटी (एएचसी) की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य विश्वस्तरीय चिकित्सा अनुसंधान, किफायती स्वास्थ्य सेवाएं और मेडिकल शिक्षा को बढ़ावा देना है। अडानी परिवार ने पहले दो हेल्थ सिटी परिसरों के निर्माण के लिए 6 हजार करोड़ रुपए दान किए हैं। मुंबई और अहमदाबाद में एक हजार बिस्तरों वाले मल्टी-सुपर-स्पेशलिटी अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बनाए जाएंगे। यह दान हाल ही में जीत अडानी की शादी के अवसर पर घोषित 10 हजार करोड़ रुपए के सामाजिक योगदान का हिस्सा है। गौतम अडानी ने कहा कि यह पहल पूरे भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा इनोवेशन लाने की दिशा में एक अहम कदम है। दुनिया के सबसे बड़े गैर-लाभकारी चिकित्सा समूह मेयो क्लिनिक की तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल एएचसी परिसरों में किया जाएगा। इन परिसरों में मेडिकल कॉलेज, अनुसंधान केंद्र और आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं होंगी। हर साल यहां 150 स्नातक, 80 से ज्यादा निवासी और 40 से ज्यादा फेलो को प्रवेश मिलेगा। अडानी हेल्थ सिटी का उद्देश्य सभी वर्गों के लोगों को किफायती और विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है।

अनिल अंबानी की कंपनी को माह के आखिर तक मिल जाएगा नया मालिक

मुंबई। देश के सबसे अमीर इंसान मुकेश अंबानी के भाई अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कैपिटल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अब इसके बिकने का रास्ता बिल्कुल साफ हो गया है। माह के अंत तक नया मालिक मिल जाएगा। दरअसल, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने कर्ज में डूबी इस कंपनी का अधिग्रहण करने के आईआईएचएल के अनुरोध को स्वीकार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के 26 फरवरी तक रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने का रास्ता अब साफ हो गया है। बता दें कि ये हिंदुजा ग्रुप की कंपनी है। लंबे समय से अनिल की इस कंपनी की बिक्री को लेकर जद्दोजहद जारी थी और अब इस मामले से जुड़े सभी विवाद, खासकर बार्कलेज और 360 वन जैसी उधार देने वाली कंपनियों की चिंता को भी सुलझा लिया गया है। वहीं हिंदुजा ग्रुप की कंपनी आईआईएचएल ने आश्वासन दिया है कि वे रिलायंस कैपिटल के लेंडर्स के लिए समाधान योजना वैल्यू के कुल 9,861 करोड़ के भुगतान को जरूरी शेष 4,300 करोड़ रुपये की राशि तैयार है। बता दें कि अगस्त 2024 में आईआईएचएल ने पहले ही 2,750 करोड़ रुपये जमा कराए थे और बाकी के 3,000 करोड़ रुपये एस्क्रो खाते में रखे थे।

सेल का तीसरी तिमाही में मुनाफा 66 फीसदी घटकर 142 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया (सेल) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही और नौ माह के दौरान सेल का एकीकृत शुद्ध लाभ 66 फीसदी घटकर 141.89 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी को 422.92 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

कंपनी ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि शेयर बाजार को मंगलवार को दी गई जानकारी के मुताबिक स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) की कुल इनकम बढ़कर 24,723.43 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,492.33 करोड़ रुपये थी। हालांकि, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में इस्पात उत्पादक कंपनी सेल का खर्च बढ़कर 24,560.47 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 23,140.81 करोड़ रुपये था। इस्पात मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि इनकम की तुलना में खर्च अधिक बढ़ जाने से लाभ में कमी आई है। सेल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में परिचालन से प्राप्त राजस्व 24,490 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में प्राप्त 23,349 करोड़ रुपये से 5 फीसदी अधिक है। सेल के शेयर कारोबार के दौरान बीएसई पर 3.5 फीसदी उछलकर 103.65 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। वित्तीय परिणामों की जानकारी देते हुए सेल के अध्यक्ष अमरेंदु प्रकाश ने कहा कि घटती कीमतों और सस्ते आयातों की वृद्धि से प्रभावित चुनौतीपूर्ण इस्पात बाजार के सामने सेल ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान बेहतर ईबीआईटीडीए हासिल करने में सफलता प्राप्त की है।

चालू वित्त वर्ष में सरकार का टैक्स से भर रहा खजाना, डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन में आया उछाल

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष में सरकार की टैक्स से आय लगातार बढ़ रही है। देश का नेट डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 1 अप्रैल से 10 फरवरी की अवधि के बीच पिछले साल की तुलना में 14.69 फीसदी बढ़कर 17.78 लाख करोड़ रुपए हो गया है। डायरेक्ट टैक्सेज में कॉर्पोरेट और पर्सनल टैक्स शामिल हैं। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स के डेटा के मुताबिक नेट नॉन-कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन सालाना आधार पर 21 फीसदी बढ़कर करीब 9.48 लाख करोड़ रुपए हो गया है। नॉन-कॉरपोरेट टैक्स में मुख्य रूप से पर्सनल इनकम टैक्स शामिल है। 1 अप्रैल, 2024 से 10 फरवरी, 2025 के बीच नेट कॉरपोरेट टैक्स कलेक्शन 6 फीसदी से ज्यादा बढ़कर 7.78 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी) से नेट कनेक्शन चालू वित्त वर्ष में अब तक 65 फीसदी बढ़कर 49,201 करोड़ रुपए हो गया है। इस अवधि में 4.10 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा के रिफंड जारी किए हैं। मोटे अर्थों में टैक्स 2 कैटेगरी में बांटा जाता है। डायरेक्ट टैक्स और इनडायरेक्ट टैक्स। डायरेक्ट टैक्स वह है, जो सीधे लिया जाता है। इनकम टैक्स, शेयर या दूसरी प्रॉपर्टी की आय पर लगने वाले टैक्स, कॉर्पोरेट टैक्स, विरासत में मिली संपत्ति पर टैक्स इसी कैटेगरी में आते हैं। इनडायरेक्ट टैक्स सीधे-सीधे तो आम आदमी से नहीं लिया जाता है, लेकिन किसी न किसी तरह से ये आम आदमी को ही देना होता है। मिसाल के तौर पर एक्साइज टैक्स, जीएसटी, कस्टम टैक्स। ये टैक्स सीधे तो नहीं जाता है लेकिन किसी तरह की सर्विस या खरीदी पर ये देना होता है।

सेमीकंडक्टर बाजार 2030 तक 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद

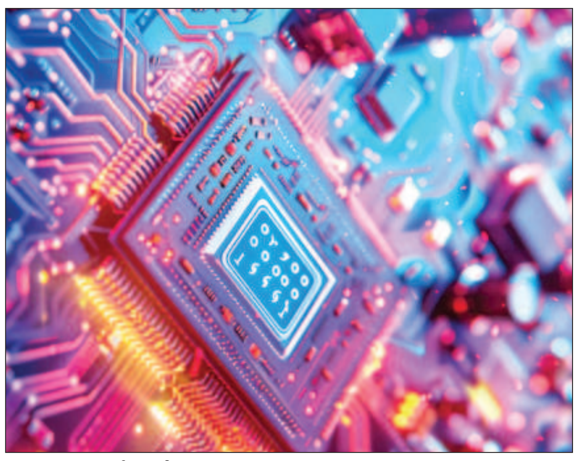

नई दिल्ली, 12 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) स्कीम से भारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2030 तक 13 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ने की उम्मीद है। वर्तमान में साल 2024-25 में यह बाजार 52 अरब डॉलर का है।

भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) के अनुसार, ऑटोमोटिव और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्र मूल्य-संवर्धन के अवसर प्रदान कर रहे हैं।

मोबाइल हैंडसेट, आईटी और औद्योगिक एप्लिकेशन सेमीकंडक्टर सेक्टर की आय में लगभग 70 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं और इसके प्रमुख विकास चालक बने हुए हैं। भारत का सेमीकंडक्टर मार्केट 2030 तक बढ़कर 103.4 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है, जिससे 400 अरब डॉलर से अधिक के इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार को भी समर्थन मिलेगा। आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चांडक के अनुसार, सरकार द्वारा फैब और ओएसएटी यूनिट्स के लिए लक्षित प्रोत्साहन, आरएंडडी निवेश में वृद्धि और इंडस्ट्री के सहयोगात्मक प्रयास भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर को गति प्रदान कर रहे हैं।

पिछले वर्ष में आईईएसए सदस्य कंपनियों ने इस क्षेत्र में 21 अरब डॉलर की निवेश परियोजनाओं की घोषणा की है। भारत को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए स्थानीय सेमीकंडक्टर डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग पर अधिक ध्यान देना होगा। इससे देश की आयात पर निर्भरता कम होगी और आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इस सेक्टर की मजबूती के लिए एक कुशल कार्यबल बेहद महत्वपूर्ण है, जिसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से तैयार किया जा सकता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रोहिंग्या घुसपैठियों को...

सुविधाएं मांगने लगा है। एनजीओ रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए सुविधाएं देने की मांग की है। एनजीओ ने याचिका में कहा कि सुप्रीम कोर्ट केंद्र और दिल्ली सरकार को निर्देश दे कि दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्याओं को स्कूलों और अस्पतालों तक प्रवेश दिया जाए। इस मामले की सुनवाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह ने की। याचिका दाखिल करने वाले एनजीओ के लिए कॉलिन गोंजाल्विस वकालत कर रहा है।सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता एनजीओ को निर्देश दिया था कि वह सुप्रीम कोर्ट को बताए कि दिल्ली में रोहिंग्या शरणार्थी कहां-कहां बसे हुए हैं और उन्हें क्या-क्या सुविधाएं मिली हुई हैं। याचिकाकर्ता की ओर से पेश अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ने सर्वोच्च न्यायालय को बताया कि रोहिंग्या शरणार्थियों को स्कूलों और अस्पतालों में प्रवेश से वंचित रखा जाता है, क्योंकि उनके पास आधार कार्ड नहीं है। कॉलिन गोंजाल्विस ने कहा, वे शरणार्थी हैं और उनके पास संयुक्त राष्ट्र का शरणार्थी कार्ड है। इसलिए उनके पास आधार कार्ड नहीं हो सकते। लेकिन, आधार कार्ड के अभाव में उन्हें सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रोहिंग्या शाहीनबाग और कालिंदी कुंज में झुग्गियों में और खजूरी खास में किराए के मकानों में रह रहे हैं।इस एनजीओ द्वारा दाखिल याचिका में केंद्र और दिल्ली सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे रोहिंग्या बच्चों को आधार कार्ड या भारतीय नागरिकता न होने के बावजूद मुफ्त शिक्षा दें। जनहित याचिका में यह भी मांग की गई कि इन रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकार द्वारा पहचान पत्र मांगे बिना कक्षा 10, 12 और स्नातक सहित सभी परीक्षाओं में भाग लेने की अनुमति दी जाए। याचिका में इन रोहिंग्या मुस्लिमों के लिए शिक्षा के अलावा, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ अंत्योदय अन्न योजना के तहत उपलब्ध सब्सिडी वाले खाद्यान्न देने की भी मांग की गई है। एनजीओ और गोंजाल्विस की चाहत है कि शरणार्थी के दर्जे वाले इन अवैध रोहिंग्या घुसपैठियों को भारत के नागरिक वाली हर सुविधा मुफ्त में प्रदान की जाए।अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस ह्यूमन राइट्स लॉ नेटवर्क (एचआरएलएन) का संस्थापक है। यह सामाजिक-कानूनी सूचना केंद्र के तत्वावधान में काम करता है। इसे पहले अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस के एनजीओ से फंड मिल चुका है। इस्कॉन के अक्षय पात्र के खिलाफ अभियान, भारतीय राजद्रोह कानूनों के खिलाफ अभियान और भारत में रोहिंग्या मुस्लिमों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के अभियान में एचआरएलएन संस्था शामिल रही है। यह संस्था आरटीई अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए सक्रियता में भी शामिल रही है। यह संस्था हिंदू-संचालित संस्थानों के खिलाफ काम करती है। कॉलिन गोंजाल्विस के एचअ-ारएलएन को 2020 के एंटी-सीएए दंगाइयों का अदालतों में बचाव करने के लिए चार यूरोपीय चर्चों से 50 करोड़ रुपए मिले थे। इसके अलावा, एचआरएलएन देश भर में कई ऐसे संगठनों से भी जुड़ा हुआ है जो भारत की क्षेत्रीय अखंडता को कमजोर करना चाहते हैं।रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स एनिशिएटिव की स्थापना साल 2017 में हुई थी। इसे ग्लोबल स्टेटलेसनेस फंड (जीएसएफ) से धन प्राप्त होता है। जीएसएफ नीदरलैंड स्थित इंस्टीट्यूट ऑन स्टेटलेसनेस एंड इंक्लूजन की एक परियोजना है। इन्हें दुनिया भर में सत्ता गिराने के लिए कुख्यात हो चुके जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से धन प्राप्त होता है। रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स एनिशिएटिव के शिक्षा और आंदोलन निर्माण निदेशक अली जौहर रिफ्यूजी इंटरनेशनल (आरआई) के पहले शरणार्थी फेलो कार्यक्रम में फेलो थे। अली जौहर (मौंग थीन श्वे) 2005 में भारत आए थे। वे मूल रूप से म्यांमार के रखाइन राज्य के रहने वाले हैं। आरआई का अध्यक्ष जेरेमी कोनइंडिक विवादास्पद यूएसएड का पूर्व कर्मचारी है। उल्लेखनीय है कि यूएसएड मीडिया, एक्टिविस्ट, संदिग्ध अधिकार समूहों और यहां तक कि इस्लामी आतंकवादी संगठनों तक को फंड देता था।

कांग्रेस सांसद की...

न लेने पर उठे सवालों का जवाब दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, धर्मांतरण कार्टेल से उनका जुड़ा होना और देश की सुरक्षा को अस्थिर करने के लिए जॉर्ज सोरोस से धन लेना ऐसी चिंताएं हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन यह साफ है कि वह कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई और उनकी पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के बारे में बात कर रहे थे। दोनों की शादी वर्ष 2013 में हुई थी। 12 साल बाद भी कोलबर्न ने अपना ब्रिटिश पासपोर्ट बरकरार रखा है। उन्होंने भारत की नागरिकता नहीं ली है। हिमंत बिस्व सरमा ने यह भी सवाल उठाया कि एक सांसद की पत्नी को इतने लंबे समय तक विदेशी नागरिकता बनाए रखने की अनुमति क्यों दी गई है, जबकि राजनयिकों के लिए एक अलग नियम है। उन्होंने भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों की विदेशी नागरिक से शादी को लेकर नियम पर बात की। इसके तहत उन्हें अनुमति लेनी होती है और उनके साथी को 6 महीने में नागरिकता लेनी होती है।गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ वर्तमान में ऑक्सफोर्ड पॉलिसी मैनेजमेंट के लिए काम कर रही हैं, जो जलवायु मुद्दों पर काम करता है। वह दिल्ली में क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क में प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर भी काम करती हैं। असम के सीएम के आरोपों के अनुसार, एलिजाबेथ कोलबर्न अली तौकीर शेख के जरिए आईएसआई से जुड़ी। तौकीर शेख क्लाइमेट एंड डेवलपमेंट नॉलेज नेटवर्क (सीडीकेएन) का एशिया डायरेक्टर है। उसने पाकिस्तान योजना आयोग में भी काम किया है। एलिजाबेथ ने पाकिस्तान में तौकीर शेख के साथ मिलकर काम किया।इससे पहले गौरव गोगोई ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया था कि मणिपुर में अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए भाजपा जॉर्ज सोरोस और उनके ओपन सोसाइटी फाउंडेशन का मुद्दा उठा रही है। दिलचस्प बात यह है कि गौरव गोगोई के सोरोस से पैसे लेने वाले संगठनों से संबंध हैं। गौरव गोगोई फार्म 2 फूड के नाम के एनजीओ के संस्थापक हैं। जोरहाट स्थित इस एनजीओ का सहयोगी नेशनल फाउंडेशन ऑफ इंडिया (एनएफआई) है। यह संगठन जॉर्ज सोरोस और अन्य डीप स्टेट से पैसा लेता है। एनएफआई ने जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, ओमिडयार नेटवर्क और रॉकफेलर फाउंडेशन को फंड देने वालों के रूप में बताया है।ये सभी संगठन भारत सहित दुनिया भर में राष्ट्रवादी सरकारों के खिलाफ काम करने वाले डीप स्टेट के एसेट के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने कई भारत विरोधी अभियानों को बढ़ावा दिया है। इसके अलावा, फार्म 2 फूड को एफसीआरए लाइसेंस नहीं मिला हुआ है। ऐसे में यह विदेशी चंदा नहीं ले सकता। इसके बावजूद, यह एनजीओ विदेशी संगठनों के साथ काम कर रहा है, जिससे सवाल उठता है कि क्या समूह एफसीआरए कानूनों का प्रावधानों का उल्लंघन कर रहा है? फार्म 2 फूड ने स्विस रे फाउंडेशन को भी अपने सहयोगी के तौर पर दिखाया है। स्विस रे द्वारा संचालित फाउंडेशन जलवायु और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर काम करता है।

आतंकवाद के...

व्यक्तियों को नामित करना भी शामिल है। दोनों पक्षों ने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल की सिफारिशों के अनुरूप धन शोधन विरोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला करने के अंतरराष्ट्रीय मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। दोनों देशों ने नो मनी फॉर टेरर और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर एक साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर भारत-फ्रांस का रोडमैप लॉन्च किया। यह सुरक्षित, संरक्षित और भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास पर ध्यान केंद्रित करने पर आधारित है। उन्होंने फ्रेंच स्टार्टअप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में भारतीय स्टार्टअप को शामिल करने का स्वागत किया। उन्होंने फ्रांस में भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) का उपयोग करने की विस्तारित संभावनाओं का भी स्वागत किया। दोनों नेताओं ने साइबर स्पेस के रणनीतिक महत्व और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुप्रयोग और साइबर स्पेस में जिम्मेदार राज्य व्यवहार के लिए ढांचे के कार्यान्वयन के संबंध में संयुक्त राष्ट्र में अपने समन्वय को मजबूत करने की अपनी इच्छा को दोहराया। साथ ही दुर्भावनापूर्ण साइबर उपकरणों और प्रथाओं के प्रसार से उत्पन्न होने वाले मुद्दों को संबोधित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने 2025 में होने वाले अगले भारत-फ्रांस रणनीतिक साइबर सुरक्षा और साइबर कूटनीति वार्ता की प्रतीक्षा की।विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत तालमेल को दर्शाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने फ्रांसीसी राष्ट्रपति विमान में पेरिस से मार्सिले के लिए एक साथ उड़ान भरी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों और प्रमुख वैश्विक, क्षेत्रीय मुद्दों के पूर्ण स्पेक्ट्रम पर चर्चा की। इसके बाद मार्सिले पहुंचने के बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो पिछले 25 वर्षों में लगातार एक बहुआयामी संबंध में विकसित हुई है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत-फ्रांस सीईओ फोरम को संबोधित किया। इसके अलावा पीएम मोदी और मैक्रों ने एआई पर बात की। अगले वर्ष 2026 को भारत-फ्रांस नवाचार वर्ष के रूप में मनाने पर सहमति बनी है। इसके अलावा नेताओं ने यूरोप, पश्चिम एशिया, इंडो-पैसिफिक में हाल के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर विचारों का आदान-प्रदान किया और वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के कई मुद्दों पर चर्चा की।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कैडारैचे में अंतरराष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर (आईटीईआर) का दौरा किया। नेताओं का स्वागत आईटीईआर के महानिदेशक ने किया। यह किसी भी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार के प्रमुख का आईटीईआर का पहला दौरा था। आईटीईआर आज दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी ऊर्जा परियोजनाओं में से एक है। यात्रा के दौरान नेताओं ने आईटीईआर की प्रगति की सराहना की। इसमें दुनिया के सबसे बड़े टोकामाक की असेंबली भी शामिल है, जहां अंततः जलते हुए प्लाज्मा को बनाकर, नियंत्रित करके 500 मेगावाट ऊर्जा का उत्पादन किया जाएगा। नेताओं ने परियोजना पर काम कर रहे आईटीईआर इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के समर्पण की भी सराहना की।

भारत में परजीवी ...

बयानबाजी की इजाजत नहीं दी जाएगी।जस्टिस गवई ने कहा, यह कहते हुए दुख हो रहा है, लेकिन क्या बेघर लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल नहीं किया जाना चाहिए, ताकि वे भी देश के विकास में योगदान दे सकें? क्या हम इस तरह से परजीवियों का एक वर्ग तैयार नहीं कर रहे हैं? मुफ्त की योजनाओं के चलते, लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें बिना कोई काम किए मुफ्त राशन मिल रहा है। केंद्र सरकार का पक्ष रख रहे अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने पीठ को बताया कि केंद्र सरकार शहरी इलाकों में गरीबी को मिटाने के लिए प्रक्रिया को अंतिम रूप दे रही है। जिसमें शहरी इलाकों में बेघर लोगों को आश्रय देने का भी प्रावधान होगा। इस पर पीठ ने उन्हें केंद्र सरकार से पूछकर यह स्पष्ट करने को कहा कि कितने दिन में इस योजना को लागू किया जाएगा। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई छह हफ्ते के लिए टाल दी।सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों में राजनीतिक पार्टियों के मुफ्त के वादे करने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इससे लोगों की काम करने की इच्छा नहीं होगी क्योंकि उन्हें राशन और पैसे मुफ्त मिलते रहेंगे। दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि मुफ्त वाली योजनाओं के चलते लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें मुफ्त राशन मिल रहा है और उन्हें बिना कोई काम किए पैसे मिल रहे हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता से कहा कि आपकी बेघर लोगों की चिंता किए जाने की हम तारीफ करते हैं, लेकिन क्या ये अच्छा नहीं होगा कि इन लोगों को समाज की मुख्यधारा में शामिल किया जाए और देश के विकास में इन्हें भी योगदान देने का मौका मिले।

भारत की ...

बढ़ाने की इच्छा की पुष्टि की। दोनों पक्षों ने रक्षा उद्योग सहयोग की अपार संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।रक्षा मंत्री की गैबॉन की रक्षा मंत्री के साथ बैठक ने दोनों पक्षों को द्विपक्षीय रक्षा सहयोग से संबंधित मामलों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान किया। दोनों नेताओं ने सहयोग को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया और सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण और क्षमता संवर्धन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चाओं को केंद्रित किया। दोनों पक्षों ने रक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग की संभावना भी तलाशी।

बीच समुद्र में ...

यहां एक भारतीय वाणिज्य दूतावास का भी उद्घाटन किया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, इससे लोगों के बीच आपसी संपर्क और मजबूत होगा। मैं प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। प्रधानमंत्री मोदी और इमैनुएल मैक्रों फ्रांसीसी शहर मार्सिले में इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर प्रोजेक्ट का भी दौरा किया। यह प्रोजेक्ट न्यूक्लियर संलयन (फ्यूजन) रिसर्च में एक महत्वपूर्ण सहयोग है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री मजार गुएस युद्ध कब्रिस्तान गए और उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

गुरुवार को श्रीहरि की पूजा करने से होगी हर मनोकामना पूरी

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए बहुत ही खास माना जाता है। इस दिन विधिवत रूप से प्रभु श्रीहरि की पूजा करने से के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। ऐसे में आपको गुरुवार के दिन ये काम जरूर करने चाहिए, ताकि विष्णु जी की कृपा आपके ऊपर बनी रहे।

मिट जाएंगे सभी कष्ट

गुरुवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि से निवृत होने के भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करें। साथ ही इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनें। पूजा में विष्णु जी की प्रतिमा या तस्वीर के सामने एक चुटकी हल्दी जरूर अर्पित करें। ऐसा करने से श्रीहरि अति प्रसन्न होते हैं और साधक के ऊपर अपनी दया दृष्टि बनाए रखते हैं।

गुरुवार की पूजा में भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विशेष रूप से पूजा करें। पूजा में उन्हें हल्दी और चने की दाल अर्पित करें और इनका दान भी करें। मान्यता है कि गुरुवार के दिन हल्दी और चने की दाल का दान करने से व्यक्ति को समस्या से राहत मिल सकती है।

इसी के साथ गुरुवार के दिन आटे की लोई में चने की दाल, गुड़ और हल्दी मिलाकर गाय को अवश्य खिलाएं। ऐसा करने से प्रभु श्रीहरि की कृपा से साधक के जीवन के कष्ट धीरे-धीरे दूर होने लगते हैं।

दाम्पत्य जीवन में बढ़ेगा

दाम्पत्य जीवन में आ रही समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए भी गुरुवार का दिन बहुत ही खास माना गया है। इसके लिए गुरुवार के दिन पति-पत्नी को मिलकर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करनी चाहिए। पूजा के दौरान प्रभु श्रीहरि को हल्दी की गांठ अर्पित करें और श्रद्धापूर्वक उनके का जप करें। ऐसा करने से शादीशुदा जीवन में प्रेम और खुशहाली बनी रहती है।

विष्णु जी के मंत्र

शांताकारम भुजङ्गशयनम पद्मनाभं सुरेशम।
विश्वाधारं गगनसद्रश्यं मेघवर्णम शुभांगम।
लक्ष्मी कान्तं कमल नयनम योगिभिर्ध्यान नगम्य्म।
वन्दे विष्णुम भवभयहरं सर्व लोकेकनाथम।
ॐ नमोः नारायणाय।।
ॐ नमोः भगवते वासुदेवाय।।
विष्णु मंत्र -
ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि।
तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।
मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुडध्वजः।
मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

भावुक होते हैं 'क' नाम के लोग

सिर-आंखों पर रखते हैं माता-पिता की हर बात

ज्योतिष शास्त्र की मानें तो, व्यक्ति के नाम से भी स्वभाव से लेकर करियर तक के बारे में पता लगाया जा सकता है। व्यक्ति के नाम का पहला अक्षर उसके कई राज खोलता है। अंग्रेजी के 'क' अक्षर से शुरू होने वाले नाम के लोगों के बारे में बताने जा हैं।

होती है ये खासियत

जिन जातकों का नाम 'क' अक्षर से शुरू होता है, वह बहुत ही आज्ञाकारी मानें जाते हैं। यह अपने माता-पिता के हर आदेश का पालन करते हैं, जिस कारण यह अपने माता-पिता के चहेते बन जाते हैं। साथ ही यह लोग अपने स्वभाव के आसपास के लोगों से जल्दी घुल-मिल जाते हैं। यह किसी को दुख में नहीं देख सकते और मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं।

इन चीजों में होते हैं माहिर

K अक्षर या हिंदी वर्णमाला के अनुसार, 'क' अक्षर के लोगों को कलात्मक चीजें करना पसंद होता है। यह लेखक या संगीत क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं। साथ ही इनमें देश सेवा करने का भी जुनून होता है, इसलिए यह सैनिक बनने में भी रुचि रखते हैं।

ये भी हैं गुण

'क' अक्षर के नाम वाले जातकों में सबसे आगे रहने की भावना होती है। यह अपने को पूरे ध्यान और लगन के साथ करते हैं। इसी के दम पर इन्हें जीवन में सफलता भी मिलती है। वहीं नई चीजों का आजमाना भी इन्हें काफी पसंद होता है। साथ ही यह ऊर्जावान और आत्मविश्वास से भरे हुए भी होते हैं।

भावुकता बन जाती है मुसीबत

'क' नाम वाले जातकों में यह कमी पाई जाती है कि वह अपने मन की बात दूसरों के सामने खुलकर रख नहीं पाते। साथ ही यह स्वभाव से काफी के भावुक भी होते हैं। यह भावुकता इनके लिए कभी-कभी मुसीबत भी बन जाती है।

कभी घर ना लाएं दूसरों की ये चीजें, वरना बढ़ जाएगी आपकी परेशानियां

माना जाता है कि अगर आप अपने जीवन में वास्तु नियमों का रखते हैं, तो इससे वास्तु दोष दूर रहता है और घर-परिवार में पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। जिस व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि वास्तु के अनुसार दूसरों की वह कौन-सी चीजें है, जिन्हें भूलकर भी अपने घर नहीं लाना चाहिए।

भारी पड़ सकती है ये गलती

आपने देखा होगा कि मंदिर या भीड़-भाड़ वाली जगहों पर लोग अक्सर किसी और के चप्पल-जूते पहन लेते हैं। लेकिन वास्तु शास्त्र में यह माना गया है ऐसा करने से साधक को जीवन में कई तरह समस्याएं उठानी पड़ सकती हैं। साथ ही यह भी माना जाता है कि आप जिस व्यक्ति के चप्पल-जूते पहनकर आ रहे हैं, उस व्यक्ति का दुर्भाग्य भी आपके साथ आ जाता है।

बढ़ सकते हैं लड़ाई-झगड़े

इस के साथ किसी दूसरे व्यक्ति के घर के फर्नीचर को भी अपने में नहीं लाना चाहिए। वास्तु शास्त्र की मान्यताओं के अनुसार, ऐसा करने से आपके घर में नेगेटिव एनर्जी बढ़ सकती है, जिससे परिवार में लड़ाई-झगड़े बढ़ने लगते हैं।

इन चीजों का भी रखें ध्यान

जरूरत पड़ने पर हम कई बार दूसरों से छाता मांग लेते हैं। यह हमें आम-सी लग सकती है। लेकिन वास्तु शास्त्र की दृष्टि से ऐसा करना बिल्कुल भी ठीक नहीं माना गया। इससे व्यक्ति के जीवन में कई तरह की समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसलिए जितना जल्दी हो सके, दूसरों का छाता उन्हें वापस कर देना चाहिए।

इस चीजों को माना गया है अशुभ

शास्त्र में यह भी माना गया है कि किसी दूसरे के घर से कभी गैस स्टोव या चूल्हा मांग कर नहीं लाना चाहिए। ऐसा करने से परिवार की बरकत रुक सकती है। इसी के साथ कभी किसी दूसरे से लोहे की चीजें भी अपने घर लेकर नहीं आनी चाहिएं। जाता है कि जब आप किसी से लोहा का सामान लेकर आते हैं, तो इसके साथ ही शनि भी घर में आ जाते हैं। जिससे घर में कई समस्याएं बढ़ने लगती हैं।

जीवन में देर से क्यों होती हैं अच्छी चीजें भगवद गीता में बताया हैं कारण

भगवत गीता का ज्ञान भगवान श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को युद्ध भूमि में दिया गया था। भगवद गीता, महाभारत ग्रंथ का ही एक भाग है, जिसमें कई जीवनोपयोगी शिक्षाएं मिलती हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं कि गीता के अनुसार, व्यक्ति को क्या करना चाहिए कि वह अपने लक्ष्य तक पहुंच सके।

न करें परिणाम की चिंता

भगवद गीता का एक काफी लोकप्रिय श्लोक है, जिसमें कहा गया है कि व्यक्ति को बिना फल की इच्छा के अपना कर्म करते रहना चाहिए। क्योंकि केवल कर्म पर मनुष्य का अधिकार है, उसके परिणाम पर नहीं, इसलिए परिणाम कब और कैसे आएंगे, इसकी चिंता न करें। अगर हम जो चाहते हैं, वह हमें बहुत जल्दी मिल जाए, तो व्यक्ति की नजरों में उसका मूल्य कम हो जाता है। वहीं देर से मिली चीज की कीमत अधिक लगती।

इसलिए नहीं करनी चाहिए जल्दबाजी

कभी-कभी हम मान लेते हैं कि अगर हमें किसी चीज का परिणाम तुरंत नहीं मिल रहा है, तो इसका अर्थ है कि उसका परिणाम कभी नहीं मिलेगा। लेकिन प्रकृति का यह नियम है कि हर चीज अपने समय पर होती है। उदाहरण के तौर एक पेड़ तब तक बड़ा नहीं हो सकता, जब तक कि उसकी जड़ें गहरी न हो जाएं। वहीं पानी से भी पत्थर काटा जा सकता है, लेकिन इस प्रक्रिया में समय लगता है। ऐसे में हम यह कह सकते हैं कि सबसे शक्तिशाली और महत्व-पूर्ण चीजें कभी जल्दबाजी में होती, बल्कि उन्हें समय देना पड़ता है।

क्या कहती है गीता

व्यक्ति का सारा ध्यान केवल अपने लक्ष्य की प्राप्ति पर रहता है। इस दौरान वह भूल जाता है कि, असल में लक्ष्य तक पहुंचने की प्रक्रिया ही असली यात्रा है।

गीता में भी कहा गया है कि बिना के कार्य करो। जब आप परिणामों की प्रतीक्षा में बैठे नहीं रहते, तो आप आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। अगर आप जीवन के प्रवाह के साथ बहेंगे, तो जो आपका है, वह आप तक पहुंच ही जाएगा।

30 अप्रैल से शुरू हो रही है चार धाम यात्रा

कहा जाता है कि पुण्य फलों की प्राप्ति के लिए जीवन में एक बार चार धाम यात्रा जरूर करनी चाहिए। इस यात्रा में बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन किए जाते हैं। ऐले में आज हम आपको उत्तराखंड की चारधाम यात्रा का महत्व बताने जा हैं।

कब से शुरू होगी यात्रा

चार धाम यात्रा का आरंभ 30 अप्रैल 2025 से होने जा रहा है। इस दिन पर भक्त गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन कर सकेंगे। वहीं बद्रीनाथ के कपाट 04 मई 2025 को खुलेंगे। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की घोषणा महाशिवरात्रि के यानी 26 फरवरी 2025 को की जाएगी।

चार धाम यात्रा का महत्व

शास्त्रों में वर्णित है कि चारधाम यात्रा करने से व्यक्ति के सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। इसी के साथ व्यक्ति जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो जाता है, जिसका अर्थ है कि   को दोबारा मृत्यु लोक में जन्म नहीं लेना पड़ता और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। साथ ही यह यात्रा व्यक्ति के आध्यात्मिक विकास में भी मदद करती है।

यमुनोत्री

यमुनोत्री, उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित है, जो चार धाम यात्रा का पहला पड़ाव है। यमुना नदी की सबसे पवित्र नदियों में से एक मानी गई है। वहीं यमुना को भगवान सूर्य की पुत्री और यम देव की बहन भी माना जाता है। इस पवित्र स्थल का मुख्य आकर्षण देवी यमुना को समर्पित मंदिर और जानकीचट्टी में पवित्र तापीय झरना है।

गंगोत्री

गंगोत्री, गंगा नदी उद्गम स्थल है, जो उत्तराखंड के गढ़वाल में गंगोत्री हिमनद से निकलती है। गंगा को कलयुग का तीर्थ भी कहा जाता है। गंगोत्री चारधाम यात्रा का दूसरा पड़ाव है। माना जाता है कि यात्रा के दौरान गंगोत्री धाम का दर्शन करने से साधक के समस्त पाप नष्ट हो जाते यहां एक बहुत ही खूबसूरत गंगा मंदिर भी स्थापित है।

केदारनाथ

केदारनाथ मंदिर, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में स्थित है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, इस मंदिर का निर्माण पांडवों ने करवाया था। वहीं वर्तमान में हमें मंदिर का जो स्वरूप देखने को मिलता है, उसका निर्माण आदि गुरु द्वारा 8वीं-9वीं सदी में करवाया था।

इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां देवों के देव महादेव विश्राम करते हैं। वहीं शिवपुराण में वर्णन मिलता है कि इस स्थान पर विष्णु भगवान के अवतार नर-नारायण पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शिव का रोजाना पूजा किया करते थे, तब शिव ने उन्हें वरदान दिया था कि वह यहीं विराजमान होंगे।

बद्रीनाथ

उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित चार धामों में से एक बद्रीनाथ धाम मुख्य रूप से भगवान विष्णु को समर्पित है। इसे बद्रीनारायण मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान को लेकर मान्यता है भगवान विष्णु इस स्थान पर 6 महीने विश्राम करते हैं। इस मंदिर की स्थापना 8वीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य द्वारा की गई थी।

घर में अपने आप ही उग गया है तुलसी का पौधा तो समझ जाएं जल्द शुरू होना अच्छा टाइम

हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे को पवित्र और पूजनीय माना गया है। साथ ही यह भी माना जाता है कि जिस किसी जातक के घर में हरा-भरा तुलसी का पौधा होता है, उसके जीवन में सुख-समृद्धि का सदा वास बना रहता है। ऐसे में अगर अचानक से आपके घर में तुलसी का पौधा उग गया है, तो यह आपके लिए एक संकेत हो सकता है।

जाग उठेगा भाग्य

अगर आपके घर में तुलसी उग जाती है, तो इसके एक खास संकेत माना जाता है। इसका अर्थ है कि आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ने वाली है, जिससे सुख-समृद्धि का वास बना रहेगा। इसका अर्थ यह भी माना जाताहै कि व्यक्ति के अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं।

वहीं वास्तु शास्त्र के मुताबिक घर में अपने आप ही तुलसी उगने का अर्थ है कि आपको जल्द ही धन लाभ मिलने वाला है। इसका एक अर्थ यह भी है कि आपको बहुत जल्द कोई खुशखबरी मिल सकती है।

मिलेगी प्रभु की कृपा

तुलसी का एक नाम विष्णुप्रिया भी है, क्योंकि भगवान विष्णु को तुलसी अति प्रिय है और तुलसी के बिना उनका भोग अधूरा माना जाता है। ऐसे में तुलसी के पौधे का अपने आप उग जाना इस बात की ओर इशारा भी करता है कि आपके और आपके परिवार के ऊपर प्रभु श्रीहरि की कृपा बनी हुई है। वहीं तुलसी में लक्ष्मी जी का वास भी माना जाता है, इसलिए तुलसी का उगना लक्ष्मी जी की कृपा प्राप्ति की ओर भी संकेत करता है।

मिल सकते हैं अशुभ संकेत

जिस तरह तुलसी का अचानक से उगना एक शुभ संकेत माना गया है। ठीक इसके विपरीत तुलसी का अचानक से सूख जाना अच्छा नहीं माना जाता। इसका अर्थ है कि आपके घर में नकारात्मकता का प्रवाह बढ़ सकता है, जिस कारण लड़ाई-झगड़े की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

धनु व मीन राशियों को जरूर करनी चाहिए मां लक्ष्मी की पूजा, धन की नहीं होती कमी

सनातन धर्म में शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस दिन भक्ति भाव से मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। साथ ही वैभव लक्ष्मी का व्रत रखा जाता है। इस व्रत को करने से साधक के सुख, सौभाग्य, यश, कीर्ति, धन एवं ऐश्वर्य में वृद्धि होती है। साथ ही धन की समस्या दूर होती है।

ज्योतिष भी आर्थिक तंगी दूर करने के लिए शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी की की पूजा करने की सलाह देते हैं। शुक्रवार के दिन मां संतोषी की भी उपासना की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि 2 राशि के जातकों को मां लक्ष्मी की रोजाना पूजा करनी चाहिए?

धनु राशि-धनु राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं और आराध्य जगत के पालनहार भगवान विष्णु हैं। इस राशि के जातकों पर धन की देवी मां लक्ष्मी की विशेष कृपा बरसती है। उनकी कृपा से सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। साथ ही मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। गुरु की कृपा के चलते धनु राशि के जातक धार्मिक होते हैं। शनिदेव के राशि परिवर्तन करने से धनु राशि के जातकों पर शनि की ढैय्या शुरू होगी। इस दौरान धनु राशि के जातकों को विषम परिस्थिति से गुजरना पड़ सकता है। अत: धनु राशि के जातकों को मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की नियमित रूप से पूजा करनी चाहिए।

मीन राशि – मीन राशि के स्वामी देवगुरु बृहस्पति हैं और आराध्य जग के नाथ भगवान विष्णु हैं। वर्तमान समय में मीन राशि के जातकों पर साढे साती का पहला चरण चल रहा है। आने वाले समय में शनिदेव के राशि परिवर्तन करने पर मीन राशि के जातकों पर साढ़े साती का दूसरा चरण शुरू होगा। इस दौरान मीन राशि के जातकों को उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ सकता है। खासकर, वित्त पर व्यापक असर पड़ सकता है। इसके लिए मीन राशि के जातकों को मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा करने की सलाह है।

पॉपी प्रिंट प्लंज गाउन में आकर्षण का केंद्र बनी मानुषी छिल्लर

मानुषी छिल्लर का फैशन गेम इतना शानदार है कि वह जो कुछ भी पहनती हैं, वह एक स्टेटमेंट पीस बन जाता है। पूर्व मिस वर्ल्ड सचमुच कुछ भी शानदार तरीके से पहन सकती हैं। चाहे यात्रा के लिए एक साधारण लाउन्ज सेट हो या सबसे एक्सक्लूसिव डिजाइनर पीस, मानुषी उन कपड़ों को अपने तरीके से पहनकर उन्हें अपनी पहचान बना देती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने कुछ इसी तरह का प्रदर्शन किया। वह रॉयल राजस्थान में एक कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रही थीं, जहां मानुषी ने 2,40,000 रुपए की गौरी और नैनिका गाउन पहनी थी। इस गाउन में गहरे प्लंजिंग नेकलाइन के साथ ड्रोप वेस्ट था और बाकी का डिज़ाइन फ्लैटरिंग पॉप्पी प्रिंट से सजा था। गाउन की कीमत 6 अंकों में होने का एक वजह इसका शानदार मिकाडो फैब्रिक है, जो इस गाउन में इस्तेमाल हुआ है।

मानुषी ने अपने बाकी लुक को अपेक्षाकृत सरल रखा और अपने आउटफिट को ही मुख्य आकर्षण बनाया। उन्होंने अपनी कलाई पर एक साधारण कंगन और कुछ अंगूठियों के साथ अपने लुक को पूरा किया। उन्होंने विएंज विंटेज के छोटे इयररिंग्स पहनने का फैसला किया, जो उनके लुक के साथ पूरी तरह से मेल खा रही है। स्टनिंग शब्द ही मानुषी चिल्लर के लिए सही है, आपको क्या लगता है?

44 की उम्र में कटआउट ड्रेस पहन श्वेता तिवारी ने सोशल मीडिया का पारा चढ़ाया

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस 44 साल की हो चुकी हैं, लेकिन आए दिन अपनी हॉटनेस से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड और सेक्सी अंदाज देखकर लोगों की नजरें उनपर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।भोजपुरी इंडस्ट्री से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। वो आए दिन अपनी शोख अदाओं से फैंस को इस कदर दीवाना बनती हैं कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

अब हाल हे में एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस की निगाहें उन पर से हटने का नाम नहीं ले रही हैं।श्वेता तिवारी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही फैंस के बीच तबाही मचाने लगता है।एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्राउन कलर का स्टाइलिश कटआउट बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है। एक्ट्रेस अपने इस लुक में बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं।बालों का हाई बन बनाकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्वेता तिवारी ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है।

इन फोटो में उनका किलर लुक देखकर फैंस भी मंत्रमुग्ध हो गए हैं।श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय हैं। वो आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स फैंस के बीच शेयर करती रहती हैं।

विदामुयार्ची 2025 के टॉप 5 हाईएस्ट ग्रॉसर में शामिल पहले वीकेंड में इन देशों में की ताबड़तोड़ कमाई

साउथ सुपरस्टार अजित कुमार की हालिया फिल्म विदामुयार्ची बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रन कर रही हैं। फिल्म दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 100 का आंकड़ा पार कर ली है। वही, घरेलू बॉक्स ऑफिस पर इसने 60 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है।सैकनिल्क रिपोर्ट के मुताबिक, अजित कुमार, तृषा कृष्णन की नई फिल्म विदामुयार्ची 6 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म ने पहले दिन भारत में 26 करोड़ रुपये के साथ ओपनिंग की। वहीं नार्थ अमेरिका में सबसे बड़ी ओपनिंग करने वाली फिल्म बनकर उभरी।मगिज थिरुमेनी की निर्देशित फिल्म ने दूसरे दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 10।25 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। शनिवार को फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोतरी देखी गई। तीसरे दिन फिल्म ने 13।5 करोड़ रुपये कमाए। हालांकि चौथे दिन फिल्म के कलेक्शन में 11।70 प्रतिशत की गिरावट हुई और फिल्म ने 11।92 करोड़ रुपये ही कमा पाई। इन 4 दिनों के बाद विदामुयार्ची का घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 61।67 करोड़ रुपये हो गया है।एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री ट्रैकर रमेश बाला ने विदामुयार्ची का वीकेंड कलेक्शन साझा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, न्यूजीलैंड में विदामुयार्ची पहले ही वीकेंड में एके की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। इसने न्यूजीलैंड में पहले वीकेंड में लगभग 21 लाख रुपये कमाए हैं। साथ सऊदी अरब में विदामुयार्ची एके की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, विदामुयार्ची 2025 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन गई है और भारतीय सिनेमा की टॉप 5 फिल्मों की लिस्ट में भी शामिल हो गई है। लिस्ट में शामिल अन्य फिल्मों में संक्रांतिकी वस्तुनम, गेम चेंजर, स्काई फोर्स और डाकू महाराज शामिल हैं। विदामुयार्ची के 21 फरवरी तक बिना किसी बाधा के चलने की उम्मीद है, क्योंकि इस बीच कोई भी बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।

इम्तियाज अली और संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हैं रश्मि देसाई

अभिनेत्री रश्मि देसाई कई सफल टीवी शो में काम कर चुकी हैं। हालांकि, कुछ निर्देशकों के साथ वह काम नहीं कर पाई हैं। उन्होंने अपनी ख्वाहिश का इजहार किया और बताया कि कौन-कौन से निर्देशकों के साथ वह काम करना चाहती हैं।रश्मि देसाई ने कहा, मैंने यह कई बार कहा है और आज फिर कहूंगी। मैं इम्तियाज अली और संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि मुझे इस जीवन में उनके साथ काम करने का अवसर जरूर मिलेगा। जिस तरह से वे लोगों को जीवन के प्रति एक नया नजरिया देते हैं, वह बहुत खूबसूरत है।उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि बॉलीवुड, टीवी कलाकारों को टाइपकास्ट करता है। इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, वे करते हैं, कठिनाई जीवन का एक हिस्सा है। जब आप कड़ी मेहनत करते हैं, जब आप अच्छा काम करते हैं, तो आपको अपने परिश्रम का फल जरूर मिलता है। आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वे आपको टीवी एक्टर, ओटीटी एक्टर, फिल्म एक्टर बनाते हैं, लेकिन मुझे लगता है, एक एक्टर एक एक्टर है।

रश्मि देसाई आखिरी बार व्यंग्य एक्शन कॉमेडी हिसाब बराबरळ में नजर आई थीं। फिल्म की कहानी लिखने के साथ निर्देशन भी अश्विनी धीर ने ही किया। फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो ने एसपी सिनेकॉर्प के स

हयोग से किया है।रश्मि देसाई के साथ इस प्रोजेक्ट में आर। माधवन मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही फिल्म में नील नितिन मुकेश, कीर्ति कुल्हारी और फैजल राशिद समेत अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं।फिल्म की कहानी एक रेलवे टिकट परीक्षक राधे मोहन शर्मा पर आधारित है, जो अपने बैंक खाते में एक छोटी सी गड़बड़ी को नोटिस करता है। इस मुद्दे को सुलझाने के अपने प्रयास के दौरान वह एक बैंकर मिकी मेहता से जुड़े एक बड़े वित्तीय घोटाले का पर्दाफाश करता है।हिसाब बराबर का प्रीमियर 26 नवंबर 2024 को गोवा में भारत के 55वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था। फिल्म को 24 जनवरी 2025 को जी5 पर रिलीज किया गया था।

माधुरी ने श्रीराम नेने को खास अंदाज में दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

अभिनेत्री माधुरी दीक्षित ने अपने पति श्रीराम नेने को जन्मदिन की बधाई देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। पोस्ट में उन्होंने श्रीराम नेने को ऐसा व्यक्ति बताया, जिसने उनका दिल चुराया है और वापस किया। देवदास फेम माधुरी दीक्षित ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक दिल को छू लेने वाला वीडियो मोंटाज पोस्ट किया, जिसमें वह श्रीराम के साथ नजर आईं। क्लिप में कपल की छुट्टियों, पार्टियों और गेट-टुगेदर की रोमांटिक और कैंडिड तस्वीरें हैं।

कैप्शन में माधुरी ने लिखा, उस आदमी को जन्मदिन हो, जिसने मेरा दिल चुरा लिया और अभी भी उसे वापस नहीं दिया। मेरे प्यार! पति और एक बेहतर इंसान के लिए चीयर्स। लव यू ऑलवेज। अभिनेत्री ने इस दिल को छू लेने वाले मैसेज के साथ शहजाद अली और नाजिया सुल्ताना के गीत 'इश्क है एक्स रंगरेज' को एड किया।

श्रीराम नेने ने जन्मदिन की शुभकामना देने वाले दोस्तों-परिवार और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। एक भावपूर्ण पोस्ट में, उन्होंने अपने फॉलोअर्स को जन्मदिन की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया और साल को उपलब्धियों से भरा बताया।

नेने ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, आप सभी के साथ सूर्य के चारों ओर एक और चक्कर लगाने का जश्न मना रहा हूं। सभी को शुभकामनाएं देने और जन्मदिन को खास बनाने के लिए धन्यवाद। हमने साथ मिलकर बहुत कुछ हासिल किया। मेरा स्वास्थ्य ठीक हो गया है और मैं सभी के साथ अपने कई अनुभव शेयर करने के लिए उत्सुक हूं, ताकि हम लंबे समय तक साथ रह सकें।

कावेरी कपूर ने बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का एक धागा तोड़ा मैंने गीत खुद गाया और लिखा है?

बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी कावेरी कपूर के लिए हमेशा खास रहेगी। सिर्फ इसलिए नहीं कि उनका बॉलीवुड डेब्यू है, बल्कि इसलिए कि उन्होंने फिल्म के लिए एक खूबसूरत गाना गाया और कंपोज किया। फिल्म का गाना एक धागा तोड़ा मैंने एक खूबसूरत धुन है, जो जीवन के उस उथल-पुथल में खुद को खोजने के बारे में है, जो कभी-कभी जीवन बन जाता है। यह के बारे में है कि जीवन के घटित होने के बाद जीवन का क्या अर्थ है। यह आगे बढ़ने के बारे में है चाहे कुछ भी हो। और जो चीज़ गाने के पीछे के अर्थ की सुंदरता में जान डाल देती है, वह है कावेरी की भावपूर्ण आवाज़।

यह कैसे बना, इस बारे में बात करते हुए कावेरी ने बताया कि जब वह केवल 15 साल की थीं, तब उन्होंने यह गाना लिखा था। यह उन्होंने एक याद के रूप में लिखा था। लेकिन जैसे गाने में बताया गया है, कावेरी का जीवन और उनके प्लान उस समय गए जब उन्हें बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी का प्रस्ताव मिला और कुछ बदलावों के बाद इसे फिल्म के साउंडट्रैक में इस गाने को शामिल किया गया।

कावेरी ने कहा, यह गाना कभी भी हिंदी गाना नहीं था और मेरी इसे किसी फिल्म में शामिल करने की कोई नहीं थी। जब मैं 15 साल की थी तब मैंने यह गाना बनाया और लिखा था। लेकिन जब फिल्म बनी और कुणाल कोहली और निर्माता मोहन नादर ने इसे सुना, तो उन्हें यह इतना पसंद आया कि उन्होंने मुझसे इसे शामिल करने के लिए कहा। गाना, जिसे दरअसल पहले रहमान और कावेरी ने अंग्रेज़ी में रिकॉर्ड किया था। गीतकार प्रसून जोशी द्वारा केवल दो दिनों में हिंदी में फिर से तैयार की गई और ए. आर. रहमान द्वारा निर्मित की गई, जिसमें मूल रचना और गायन का श्रेय स्वयं कावेरी को दिया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। काम पर लोगों के साथ मेलजोल में समझ और धैर्य से सावधानी बरतें। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। हालाँकि वरिष्ठों से कुछ विरोध के स्वर सुनाई देंगे– लेकिन फिर भी आपको दिमाग़ ठण्डा रखने की ज़रूरत है। यात्रा और भ्रमण वग़ैरह न सिर्फ़ आनन्ददायक सिद्ध होंगे, बल्कि काफ़ी शिक्षाप्रद भी रहेंगे। आप और आपका जीवनसाथी मिलकर वैवाहिक जीवन की बेहतरीन यादें रचेंगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ़ ले सकते हैं। ख़ास लोग ऐसी किसी भी योजना में रुपये लगाने के लिए तैयार होंगे, जिसमें संभावना नज़र आए और विशेष हो। प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफ़ी मांगें। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अगर आप और आपका जीवनसाथी खाने–पीने पर ज़्यादा ध्यान देंगे, तो सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। आपका संगी आपसे सिर्फ कुछ समय चाहता है लेकिन आप उनको समय नहीं दे पाते जिससे वो खिन्न हो जाते हैं। आज उनकी यह खिन्नता स्पष्टता के साथ सामने आ सकती है। रोमानी नज़रिए से वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धार्मिक भावनाओं के चलते आप किसी तीर्थस्थल की यात्रा करेंगे और किसी संत से कुछ दैवीय ज्ञान प्राप्त करेंगे। काम का तनाव आपके दिमाग़ पर छा सकता है जिसकी वजह से परिवार और मित्रों के लिए वक़्त नहीं निकाल सकेंगे। आज प्यार की कमी महसूस हो सकती है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा। घर के कामों को पूरा करने के बाद इस राशि की गृहणियां आज के दिन फुर्सत महसूस करेंगी । आपको एहसास होगा शाम का वक्त सुकून भरा हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप ख़ुद को बेहतर और आत्मविश्वास से भरा हुआ महसूस करेंगे। पारिवारिक सदस्यों की मदद आपकी ज़रूरतों का ख़याल रखेगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

खाते–पीते वक़्त सावधान रहें। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके ज़रिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। परिवार की स्थिति आज वैसी नहीं रहेगी जैसा आप सोचते हैं। आज घर में किसी बात को लेकर कलह होने की संभावना है ऐसी स्थिति में खुद पर काबू रखें। प्यार का भरपूर लुत्फ़ मिल सकता है। कामकाज के मोर्चे पर आपकी कड़ी मेहनत ज़रूर रंग लाएगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। वैवाहिक सुख के दृष्टिकोण से आज आपको कुछ अनोखा उपहार मिल सकता है

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज अच्छी सेहत का मज़ा लेने से आप वंचित हो सकते हैं। आर्थिक तौर पर सिर्फ़ और सिर्फ़ एक स्रोत से ही लाभ मिलेगा। कुछ समय आप अपने शौक़ और अपने परिवार वालों की मदद में भी ख़र्च कर सकते हैं। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। आज आपके पास खाली समय होगा और इस समय का इस्तेमाल आप ध्यान योग करने में कर सकते हैं। आपको आज मानसिक शांति का अहसास होगा। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

तनाव और चिंता में इज़ाफ़ा मुमकिन है। जिन लोगों ने किसी अनजान शख्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताज़ा करने का दिन है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के छोटे सदस्यों को साथ लेकर आज आप किसी पार्क या शॉपिंग मॉल में जा सकते हैं। एक बढ़िया जीवनसाथी के साथ जीवन वाक़ई अद्भुत लगता है और आज आप इस बात का अनुभव कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

विवाहित दंपत्तियों को आज अपनी संतान की शिक्षा पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। बहुत ख़ूबसूरत और प्यारे इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। आपको अपने घर के छोटे सदस्यों के साथ वक्त बिताना सीखना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते हैं तो आप घर में सद्भाव बना पाने में कामयाब नहीं हो पाएंगे ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। अगर आप कार्यक्षेत्र में बेहतर करना चाहते हैं तो अपने काम में आधुनिकता लाने की कोशिश करें। इसके साथ ही नई तकनीक से अपडेटेड रहें। दिन उम्दा है, आज के दिन अपने लिए समय निकालें और अपनी कमियों और खुबियों पर गौर फर्माएं। इससे आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक परिवर्तन आएंगे। आपके और आपके जीवन साथी के बीच विश्वास की कमी रह सकती है। जिससे आज वैवाहिक जीवन में तनाव हो सकता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज के दिन आपको अपने उन दोस्तों से बचकर रहने की जरुरत है जो आपसे उधार मांगते हैं और फिर उसे लौटाते नहीं हैं। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं । आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 13 फरवरी 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 08:25 तक
नक्षत्र : मघा रात्रि 09:08 तक
योग : शोभन प्रातः 07:31तक
करण : बालव प्रातः 07:51 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:43, सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:42 , सूर्यास्त 06:25 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:36 , सूर्यास्त 06:16 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 06:09 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 09:08 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निवेश एमओयू को समय पर धरातल पर लागू करेगी राज्य सरकार : भजनलाल

जयपुर,12 फरवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के तहत हुए एमओयू को हर हाल में धरातल पर लागू करने के लिए कार्य कर रही है।

शर्मा बुधवार को निवास पर राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए एमओयू के क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि एमओयू के क्रियान्वयन के लिए त्रैमासिक लक्ष्य निर्धारित करते हुए एमओयू को धरातल पर उतारा जाए। उल्लेखनीय है प्रदेश में 1 लाख 66 हजार करोड़ रूपये से अधिक के एमओयू का क्रियान्वयन धरातल पर शुरू हो चुका है। जिसमें ऊर्जा, खनन, नगरीय विकास, उद्योग एवं कृषि क्षेत्र के निवेश शामिल हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' के दौरान हुए एमओयू समीक्षा के लिए त्रि–स्तरीय व्यवस्था की गई है। जिसके तहत 1 हजार करोड़ से अधिक राशि वाले एमओयू की समीक्षा प्रतिमाह नियमित रूप से मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि निवेशकों से संवाद स्थापित रखा जाए, ताकि उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। इसी दिशा में राज्य सरकार द्वारा इन्वेस्टर इंटरफेस के माध्यम से निवेशकों को एमओयू क्रियान्वयन की प्रगति की जानकारी उपलब्ध करवायी जा रही है, इस संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि निवेशकों से समय–समय पर प्रगति की साझा करें।

उन्होंने निर्देश दिए कि भू–आवंटन से संबंधित शेष एमओयू प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित करें। उन्होंने भूमि आवंटन से संबंधित प्रकरणों की साप्ताहिक रूप से समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि भूमि आवंटन जुड़ी रियायतों का भी सरलीकरण किया जाए। साथ ही, उन्होंने आवंटित भूमि श्रेणी के एमओयू की समीक्षा करते हुए कहा कि इस संबंध में जरूरी अन्य स्वीकृतियों का जल्द निस्तारण किया जाए, ताकि इन एमओयू के क्रियान्वयन में तेजी आ सके।

शर्मा ने निर्देश दिए कि ऐसे एमओयू जिनमें से अधिक विभागों की स्वीकृति आवश्यक है, ऐसी स्थिति में सभी संबंधित विभाग क्रियान्वयन प्रक्रिया को आपसी सामंजस्य के साथ तीव्र गति से पूरा करें। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव राजस्व दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव स्वायत्त शासन राजेश यादव, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास वैभव गालरिया, प्रमुख शासन सचिव आयुर्वेद भवानी सिंह देथा सहित विभिन्न विभागों के शासन सचिव उपस्थित रहे।

राजस्थान में पर्यटन और फिल्म पर्यटन दोनों को मिलेगा बढ़ावा : दिया कुमारी

जयपुर,12 फरवरी (एजेंसियां)। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारीने कहा है कि राजस्थान पर्यटन नीति और राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति को आसान बनाया जा रहा है इससे पर्यटन और फिल्म पर्यटन दोनों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान की राजधानी जयपुर में 8 व 9 मार्च को आईफा पुरस्कार समारोह आयोजित होना है, इससे राजस्थान पर्यटन को विश्व में भव्य पहचान मिलेगी। इससे राजस्थान में फिल्मों की शूटिंग्स में भी बढ़ोतरी होगी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शासन सचिव पर्यटन विभाग रवि जैन एवं पर्यटन आयुक्त विजय पाल सिंह की उपस्थिति में बुधवार को पर्यटन भवन में राजस्थान नीति और राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति को अंतिम रूप दिए जाने के सम्बन्ध आयोजित बैठक के पश्चात पत्रकारों से बात करते हुए उक्त जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने इससे पूर्व बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर अधिकारियों को बिंदुवार आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए राजस्थान पर्यटन नीति तथा राजस्थान फिल्म पर्यटन प्रोत्साहन नीति में सरल होनी चाहिए ताकि राजस्थान में पर्यटन को अधिकतम बढ़ावा मिले। उन्होंने कहा राजस्थान पर्यटन का वैश्विक स्तर पर सशक्त ब्रांडिंग हो इस पर दोनों ही नीतियों में फोकस किया जाए। दिया कुमारी ने कहा कि पर्यटन नीति के सेगमेंटवाइज नवाचार किए जाए जिससे पर्यटन से जुड़ी इकइयां और स्टेकहोल्डर्स तथा अन्य सभी राजस्थान पर्यटन को बढ़ावा देने में अपना अधिकतम योगदान दें सके। उन्होंने कहा कि पर्यटन नीति में डिजिटल इनीशिटिव को भी शामिल किया जाए।

बंडारू ने पवित्र त्रिवेणी संगम में लगाई डुबकी

चंडीगढ़,12 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने आज बुधवार को माघ पूर्णिमा के अवसर पर उत्तर प्रदेश प्रयागराज में आयोजित आस्था और अध्यात्म के महापर्व महाकुंभ मेले में भाग लिया। इस दौरान राज्यपाल व उनकी धर्मपत्नीती वसंथा बंडारू के साथ परिवार के अन्य सदस्यों ने भी त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान किया।

राज्यपाल ने कहा कि यह महाकुंभ दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक आयोजन है। शास्त्रों बताया गया है कि महाकुंभ के दौरान अमृत स्नान करने से व्यक्ति को जीवन में सुख–समृद्धि मिलती है और मनुष्य सभी पापों और बुराइयों से भी मुक्ति प्राप्त करता है।

उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज आज सनातन संस्कृति की अलौकिक आभा से सुशोभित है।

प्राचीन समय से चली आ भारत की यह परंपरा आज के आधुनिक युग में भी अक्षुण है और अपनी पूरी भव्यता और दिव्यता के साथ विश्व को भारत की संस्कृति से परिचित करा रही है।

रिश्वतखोरी का मामला : सीआईएसएफ उपनिरीक्षक पर सीबीआई ने कसा शिकंजा

टोंक,12 फरवरी (एजेंसियां)। सीबीआई ने सीआईएसएफ के एक उपनिरीक्षक और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ रिश्वतखोरी का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि उपनिरीक्षक ने राजस्थान के टोंक जिले के देवली स्थित सीआईएसएफ आरटीसी से जुड़े पांच बिलों के भुगतान के बदले 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता सीबीआई को बताया कि उपनिरीक्षक ने 86,537 रुपये के कुल बिल भुगतान को रोकने की धमकी दी थी और रिश्वत के रूप में 10,000 रुपये फोनपे के जरिए अपने खाते में ट्रांसफर करवाए।

सीबीआई ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए टोंक (राजस्थान) और दरभंगा (बिहार) में आरोपियों आवासीय और आधिकारिक परिसरों पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान कई दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं।

सीबीआई के अधिकारियों ने कहा कि यह मामला सरकारी पद का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार से जुड़ा है। फिलहाल, जांच जारी है, और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जल संसाधन और कृषि पर केंद्र सरकार की बड़ी घोषणाएं

चंडीगढ़,12 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कई अहम घोषणाएं कीं. इस दौरान केंद्रीय मंत्री पाटिल ने गुरु जयंती की शुभकामनाएं देते हुए देश–दुनिया के मौजूदा हालात पर अपनी राय रखी।

केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में पेश किए गए केंद्रीय बजट की तारीफ करते हुए कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम जनता को राहत दी है। उन्होंने बताया अब टैक्स स्लैब बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दिया गया है, जिसका सीधा फायदा मध्यम वर्ग को मिलेगा। यह फैसला आम लोगों की बचत को बढ़ावा देगा और देश की अर्थव्यवस्था को और मजबूत करेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि कुछ साल पहले भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान पर थी, अब पांचवें स्थान पर पहुंच गई है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार का लक्ष्य इसे जल्द ही तीसरे स्थान पर ले जाना है।

12 लाख की ठगी के मामलें में तीन साल से फरार मुख्य आरोपी महिला गिरफ्तार

जयपुर,12 फरवरी (एजेंसियां)। ग्रामीण जिले की थाना चंदवाजी पुलिस ने 12 लाख की ऑनलाइन ठगी के मामले में 3 साल से फरार चल रही मुख्य आरोपी थोकला लक्ष्मी पत्नी थोकला बुंदा कुमार, उम्र 40 वर्ष, निवासी 1–37 चिगुरावाड़ा दक्षिण स्टेशन एमआर पल्ली तिरुपति राज्य आंध्र प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में गिरोह के चार सदस्यों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

उप महानिरीक्षक सह पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा ने बताया कि साईबर अपराधों की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड़ के लिए अतिरिक्त पुलिस रजनीश पूनियां के निर्देशन व वृताधिकारी जमवारामगढ प्रदीप सिंह यादव आरपीएस के सुपरविजन तथा एसएचओ चन्दवाजी हीरा लाल सैनी के नेतृत्व में साईबर ठगी की मुख्य आरोपी थोकला लक्ष्मी को तिरूपति आन्ध्रप्रदेश से गिरफ्तार किया गया है।

डीआईजी शर्मा ने बताया कि 2 नवंबर 2021 को निम्स यूनिवर्सिटी चंदवाजी कार्यरत जयपुर के सी स्कीम निवासी रचित माथुर पुत्र राजीव ने रिपोर्ट दर्ज करवायी थी कि टेलीग्राम पर मंदीश खान नाम के व्यक्ति से उनकी पहचान हुई। जिसने अपने आपको बहुत बड़ी बिजनेस कम्पनी का मैनेजर बताया। मंदीश खान ने बिजनेस के पांच लेवल पूरे करने पर राशि डबल का झांसा देकर तीन बैंक खातों में 12 लाख रूपये जमा करवा लिये। इस मामले में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। पूर्व में पुलिस टीम द्वारा आन्ध्रप्रदेश में लगातार कैम्प कर विशेष साईबर तकनीकी से अभियुक्तों के ठिकानों की पहचान कर गिरोह के सदस्य ए. अरुण कुमार अब्दुल गनी निवासी तिरुपति आन्ध्रप्रदेश तथा गोपाल सिंह चुडावत व मोहम्मद जाहिद खान निवासी चितौडगढ़ को गिरफ्तार किया था।

अनुसंधान में सामने आया कि तिरूपति की थोकला लक्ष्मी व ए. अरूण रेड्डी के द्वारा टेलीग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर बिजनेस के लेवल बता अलग– अलग बिजनेस लेवल पर रकम करवायी जाती है। पांच लेवल पूरे करने पर राशि डबल होने का झांसा दिया जाता है। परिवादी से अब्दुल गनी नाम के व्यक्ति के बैंक खातें में चार लाख रूपये व दो अन्य खातों में आठ लाख रूपये जमा करवाये गये थे।

भूपेंद्र सिंह ने उठाई बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को गांव में पेंशन देने की मांग

चंडीगढ़,12 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि बुजुर्गों और दिव्यांग जनों को उनके गांव में ही पेंशन मिलनी चाहिए। खासतौर पर यह सुविधा उन गांव के लिए बेहद आवश्यक है, जहां बैंक नहीं हैं। इसके चलते पेंशन लेने के लिए लोगों को दूर दूसरे गांव या शहर में जाना पड़ता है।

हुड्डा ने कहा कि में पेंशन की शुरुआत, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को सम्मान, सहारा व सहूलियत देने के लिए की गई थी। लेकिन ऐसी अवस्था में जब इन लोगों को कई किलोमीटर दूसरे गांव या शहरों के बैंक से पेंशन लेने जाना पड़ता है, उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई को तो बैंक तक लेकर जाने के लिए कोई परिजन भी नहीं होता और कई स्वास्थ्य कारणों के चलते कहीं आने–जाने में अक्षम होते हैं। इसलिए लगातार प्रदेश के अलग–अलग इलाकों के बुजुर्ग उन्हें यह मांग उठाने के लिए बोल रहे हैं कि पेंशन वितरण का कार्य गांव में चाहिए।

गांव के सारे बुजुर्ग किसी दूसरे गांव या शहर तक बैंक में जाएं, उसकी बजाय बैंक के एक या दो कर्मचारी गांव में आकर पेंशन बांटने का काम बड़ी आसानी से कर सकते हैं।

नायब सैनी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी को जयंती पर किया नमन

चंडीगढ़,12 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के नायब सिंह सैनी ने आज नई दिल्ली में संत शिरोमणि गुरू रविदास की जयंती के अवसर पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री ने नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में संत रविदास जी के चित्र पर पुष्प भी अर्पित किए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को संत रविदास की जयंती की शुभकामनाएं देते कहा कि संत शिरोमणि गुरू रविदास जी महाराज ने एकता, मानवता और भाईचारे का जो संदेश दिया था, वह आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि हमें संतो, महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलते हुए सदैव समाज भलाई के काम करने चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने हरियाणा में सम्मान एवं विचार प्रचार–प्रसार योजना शुरू की हुई है, जिसके अंतर्गत संतो, महापुरुषों की जयंतियां व शताब्दियां सरकारी तर्ज पर मनाने की पहल की है। इसी कड़ी में संत शिरोमणि गुरू रविदास जी की जयंती, बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जयंती, संत कबीरदास जयंती, भगवान वाल्मिकी जयंती आदि जयंतियां शताब्दियां राज्य स्तर पर मनाई गई हैं। सतगुरु रविदास जी महाराज के श्लोक ''ऐसा चाहू राज मैं, जहां मिले सब को अन्न, छोट बड़ा सब संग बसे रैदास रहे प्रसन्न'' का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि उनकी वाणी को चरितार्थ करने का काम पिछले दस में हरियाणा सरकार ने किया है। आज गरीब से गरीब व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा है। उन्होंने बताया कि संत रविदास जी का एक स्मारक कुरूक्षेत्र में बनाया जा रहा है।

गंडक, बूढ़ी गंडक व कोनहारा घाट पर उमड़ी भक्तों की भारी भीड़, गंगा स्नान कर किया सूर्य को अर्घ्य

मुजफ्फरपुर/वैशाली (एजेंसियां)।

माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुजफ्फरपुर जिले के गंडक और बूढ़ी गंडक नदी के विभिन्न घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। श्रद्धालुओं ने पवित्र डुबकी लगाकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान घाटों पर 'हर हर गंगे' और 'जय गंगा मइया' के गगनभेदी जयकारे गूंजते रहे।

माघी पूर्णिमा हिंदू धर्म में अत्यंत शुभ तिथि मानी जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन गंगा स्नान करने से समस्त पापों से मुक्ति मिलती है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं और इस दौरान गंगा स्नान करने से व्यक्ति को विशेष पुण्य प्राप्त होता है।

इसी विश्वास के साथ श्रद्धालु तड़के सुबह से ही सीढ़ी घाट, अखाड़ा घाट, आश्रम घाट और संगम घाट पर पवित्र स्नान के लिए उमड़ पड़े। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने सूर्य देव को जल अर्पण किया और विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना की। इस दौरान विशेष रूप से

जरूरतमंदों को दान-पुण्य करने की भी परंपरा निभाई गई।

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए। एसडीओ (पूर्वी) अमित कुमार ने घाटों पर किसी भी तरह की अप्रिय घटना से बचने के लिए बूढ़ी गंडक नदी में निजी नावों के परिचालन पर अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया। इसके अलावा, एसडीआरएफ (स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स) की टीम को भी अलर्ट पर रखा गया।

प्रमुख घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया ताकि किसी भी स्थिति से निपटा जा सके। नगर निगम की ओर से घाटों की साफ-सफाई का विशेष प्रबंध किया गया था, जिससे श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा न हो।

माघी पूर्णिमा के अवसर पर वैशाली जिले के प्रसिद्ध कोनहारा घाट पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। हाजीपुर और सोनपुर क्षेत्र से आए हजारों भक्तों ने यहां गंगा और गंडक नदी के संगम में स्नान कर सूर्य को जल अर्पित किया।

इस पावन अवसर पर सोनपुर के काली घाट, चेचर घाट, चकौशन, कुतुबपुर, बिदुपुर, जुड़वानपुर, नवानगर घाट और कष्टहरिया घाट पर भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचे। घाटों के किनारे विशेष पूजा-पाठ और भंडारों का आयोजन किया गया, जहां भक्तों को प्रसाद वितरण भी किया गया।

घाटों के पास स्थित बाजारों में भी माघी पूर्णिमा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ के लिए विशेष सामग्री खरीदी और घाटों पर विधिवत पूजा-अर्चना की। फूल, धूप, अगरबत्ती, दीपक और नारियल जैसी पूजा-सामग्रियों की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी।

माघी पूर्णिमा का यह पर्व श्रद्धालुओं के लिए केवल स्नान और दान तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह आत्मिक शुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी है। इस दिन श्रद्धालु न केवल अपने लिए बल्कि अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भी पूजा-पाठ करते हैं।

मुजफ्फरपुर और वैशाली के विभिन्न घाटों पर उमड़े भक्तों की आस्था और श्रद्धा ने इस पर्व को और भी दिव्य बना दिया। पूर्णिमा के इस पावन दिन पर भक्तों की भक्ति, आध्यात्मिकता और सामाजिक समर्पण का अद्भुत संगम देखने को मिला।

दिनदहाड़े जमीन कारोबारी की हत्या

मुंगेर (एजेंसियां)।

बेगूसराय में बेखौफ अपराधियों ने दिनदहाड़े जमीन कारोबारी को गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों भीड़ लग गई।स्थानीय लोगों की मदद से जमीन कारोबारी को अस्पताल में भर्ती करवाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना लोहिया नगर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 11 नागदह इलाके की है। मृतक व्यक्ति की पहचान लोहिया नगर थाना क्षेत्र के बाघी के रहने वाले विद्यानंद महतो के रूप में की गई है। इधर, घटना की सूचना लोहिया नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई है। पुलिस का कहना है कि विद्यानंद महतो की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सीसीटीवी की मदद से अपराधियों की तलाश की जा रही है। कुछ लोगों से पूछताछ चल रही है। हत्या किस कारण से की गई है इसका पता लगाया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है। परिजनों का कहना है कि मृत विद्यानंद महतो की पत्नी जानकी देवी नागदह उत्क्रमित मध्य विद्यालय में शिक्षिका हैं। आज वह छुट्टी पर थीं। इसको लेकर ही विद्यानंद महतो छुट्टी का आवेदन देने स्कूल जा रहे थे। इसी दौरान नागदह सेवा सदन के बाद अपराधियों ने उन्हें घेर लिया। जब तक विद्यानंद महतो कुछ पूछते तब तक अपराधियों ने उनपर गोलियां बरसा दी। अपराधियों ने विद्यानंद महतो के सिर में एक और सीने में तीन गोली दागी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर गए। इसके बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। इधर, घटना के बाद परिजन हत्यारे की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

इंटर की परीक्षा देकर लौट रही दो बहनों की मौत, पिता भी जख्मी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में भीषण सड़क हादसे में दो सगी बहनों की मौत हो गई है, जबकि इस घटना में पिता गंभीर रूप से जख्मी हो गये। अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार पिता और दो पुत्रियों को रौंद दिया। घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी का माहौल हो गया है। घटना आरा-अरवल मुख्य मार्ग पर उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर बंगला के समीप की है, जहां मंगलवार की शाम बेलगाम ट्रक ने बाइक सवार पिता व दो पुत्रियों को रौंद दिया। हादसे में बाइक सवार दोनो पुत्रियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहे मृतका के पिता गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घायल पिता का आरा सदर अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है। घटना के दौरान लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही।

घटना के बाद चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि मृत छात्राओं में संदेश थाना क्षेत्र के सुंदरपुर गांव वार्ड नंबर-एक निवासी गौरी शंकर की 18 वर्षीया पुत्री सुषमा एवं 17 वर्षीया पुत्री रेखा शामिल है। हादसे में मृतका के पिता गौरी शंकर जख्मी हो गये।

घटना के संबंध में घायल गौरीशंकर ने बताया कि वे अपनी दोनो पुत्री रेखा एवं सुषमा को इंटर का परीक्षा दिलवाने के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित नेमीचंद शास्त्री स्कूल आए थे। परीक्षा खत्म होने के बाद जब वे अपनी पुत्री रेखा व सुषमा के संग बाइक द्वारा वापस गांव लौट रहे थे। उसी बीच बेलाउर बंगला के समीप पीछे से आ रही बेलगाम ट्रक ने उनके बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें उनकी पुत्री रेखा व सुषमा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से मृत सगी बहन एवं जख्मी गौरी शंकर को आरा सदर अस्पताल लाया गया। सूचना पाकर पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और दोनो शवो का पोस्टमार्टम करवाया ।

घटना के बाद अगिआंव प्रखंड प्रमुख मुकेश यादव और पवना पंचायत के मुखिया मंटू सिंह सदर अस्पताल पहुंच जख्मी से पूरे मामले की जानकारी दिए और अभिभावक के रूप में खड़ा हो पुलिस कार्यवाई पूरा करा दोनो छात्राओं के शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाये। दरसल दुर्घटना में पिता भी जख्मी हो गए थे जिसके बाद घर मे कोई अभिभावक के नही रहने से प्रमुख और मुखिया के द्वारा अभिभावक की जिम्मेदारी पूरी की गई।

बालू माफियाओं और पुलिस के बीच झड़प पथराव-गोलीबारी में कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के चकवारा गांव में बुधवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अवैध बालू खनन के खिलाफ छापामारी करने पहुंची बांका जिले की पुलिस पर ग्रामीणों और बालू माफियाओं ने हमला कर दिया। इस दौरान पथराव और गोलीबारी की घटनाएं हुईं। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। झड़प के दौरान पुलिस के कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, वहीं पुलिस ने मौके से तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं।

बांका जिले के एसडीपीओ राज किशोर प्रसाद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि बेलहर थाना क्षेत्र में अवैध रूप से बालू की ढुलाई कर उसे मुंगेर

जिले के चकवारा गांव में डंप किया जा रहा है। इसी सूचना पर पुलिस टीम जब छापामारी करने पहुंची, तो वहां कई ट्रैक्टर बालू उतारते हुए दिखे। पुलिस को देखते ही कई ट्रैक्टर चालक मौके से भागने लगे। पुलिस ने कुछ ट्रैक्टर जब्त करने की कोशिश की, तभी ग्रामीण और बालू माफिया उग्र हो गए और पुलिस पर हमला बोल दिया।

हमले के दौरान पुलिस पर ईंट-पत्थर फेंके गए, जिससे कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। इसके बाद स्थिति और बिगड़ गई और गोलीबारी शुरू हो गई। स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की। हालांकि इस झड़प में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

स्थिति को काबू में करने के लिए मुंगेर जिले की पुलिस को भी मौके पर बुलाया गया। तारापुर एसडीपीओ सिंधु शेखर और हवेली खड़गपुर एसडीपीओ चंदन कुमार के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस गांव में तैनात कर दी गई। फिलहाल चकवारा गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है और किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोकने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

एसडीपीओ राज किशोर प्रसाद ने बताया कि पुलिस ने मौके से तीन ट्रैक्टर जब्त किए हैं और आगे की कार्रवाई की जा रही है। बालू माफियाओं की पहचान कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। स्थानीय लोग भी डरे हुए हैं, वहीं पुलिस की सख्ती से बालू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है।

कार और ट्रक की भीषण टक्कर में दो महिलाओं की मौत, आठ घायल

रोहतास (एजेंसियां)।

रोहतास के सासाराम में राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर बुधवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में कार (बोलेरो) और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सासाराम सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के देवगंगा थाना क्षेत्र से 10 लोग उत्तर प्रदेश के प्रयागराज कुंभ में स्नान के लिए गए थे। स्नान के बाद वे एक कार से पश्चिम बंगाल

लौट रहे थे, तभी शिवसागर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर उनकी गाड़ी अचानक अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार ट्रक से जा टकराई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के कर्मी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को फौरन सासाराम सदर अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है। मृत महिलाओं की पहचान जीतू दास (42) और लोखी चक्रवर्ती (45) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों में उज्जवल दास, निशा दास, रंजन गौस, रोहन गौस, अंसार अली, कौशल, इंदु दास, पल्लव बनर्जी और उमर फारूक शामिल हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही शिवसागर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

थाना अध्यक्ष रितेश कुमार ने बताया कि कार और ट्रक की टक्कर में दो महिलाओं की मौत हुई है, जबकि आठ लोग घायल हैं। सभी घायल पश्चिम बंगाल के 24 परगना जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह संभावना जताई जा रही है कि कार चालक की लापरवाही या तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ।

दुर्घटना की खबर मिलते ही घायलों और मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है। इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि यातायात सुचारू रूप से बहाल हो सके।

अनियंत्रित बस ने महिला समेत दो लोगों को कुचला, दोनों की मौत

दरभंगा (एजेंसियां)।

समस्तीपुर जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें तेज रफ्तार और अनियंत्रित बस ने सड़क पार कर रही एक महिला और सड़क किनारे खड़े एक व्यक्ति को कुचल दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया और उन्होंने भाग रही बस को पकड़ लिया, जिसे बाद में पुलिस ने जब्त कर लिया।

जानकारी के मुताबिक, मृतकों की पहचान उजियारपुर थाना क्षेत्र के चांदचौर गांव निवासी वीणा देवी (55) और बाजितपुर चांदचौर वार्ड 13 के रहने वाले रामनंदन सिंह (60) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वीणा देवी अपने रिश्तेदार के घर से लौट रही थीं और शंकर चौक पर ऑटो से उतरकर सड़क पार कर रही थीं। तभी पटना से रोसड़ा जा रही तेज रफ्तार बस ने उन्हें टक्कर मार दी। इस दौरान सड़क किनारे अपनी बाइक के पास खड़े रामनंदन सिंह भी बस की चपेट में आ गए। वह दलसिंहसराय से सब्जी बेचकर घर लौट रहे थे। बस ने उन्हें इतनी जोरदार टक्कर मारी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हादसे के बाद गुस्साए स्थानीय लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाने की कोशिश की और किसी तरह बस को जब्त कर लिया। ग्रामीणों के अनुसार, वीणा देवी रिश्तेदार के यहां गई थीं और घर लौट रही थीं, तभी यह घटना हो गई। वहीं, रामनंदन सिंह सब्जी का कारोबार करते थे और हर दिन दलसिंहसराय जाकर सब्जी बेचते थे। बुधवार को भी वह अपनी बाइक से घर लौट रहे थे, लेकिन बस की चपेट में आ गए।

दलसिंहसराय के डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने बताया कि यह हादसा एनएच-28 पर हुआ, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतक एक ही गांव के थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त बस को जब्त कर लिया गया है और इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है।

तीन लड़कियां एक साथ गायब

पटना (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में फिर से तीन किशोरियों के गायब होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने आशंका जताई है कि यह सभी प्रेम प्रसंग में फरार हो गई हैं, लेकिन उन्होंने अनहोनी की संभावना को जताते हुए अपहरण किया जाने को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। तीनों किशोरियों के परिजन पुलिस से गुहार लगा रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और जांच में जुट गई है। पूरे मामले को लेकर मुजफ्फरपुर पुलिस का कहना है कि अलग-अलग थाना क्षेत्रों से तीन किशोर के गायब होने का मामला सामने आया है। परिजनों ने जानकारी ली जा रही है। वैज्ञानिक अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

पहला मामला गायघाट थाना क्षेत्र का है, जहां 17 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर लिए जाने का मामला सामने आया है। अपहृता के पिता ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें गरहां थाना क्षेत्र के मुरादपुर गांव के पप्पू कुमार समेत पांच लोगों को नामजद किया गया है। किशोरी के पिता ने बताया कि उनकी बेटी शनिवार की देर शाम को भूसरा हाट से सब्जी खरीदने गई थी और उसके बाद वापस नहीं लौटी।

दूसरा मामला मुसहरी थाना क्षेत्र के एक गांव का है, जहां 15 वर्षीय एक किशोरी का अपहरण कर लिया गया है। किशोरी के पिता ने अपहरण का आरोप लगाते हुए चार लोगों के विरुद्ध थाने में प्राथमिकी कराई है। इस प्राथमिकी में बताया है कि किशोरी सात फरवरी को अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी और लौटकर नहीं आने के बाद जानकारी मिली कि उनकी बेटी का कुछ लोगों द्वारा अपहरण कर लिया गया है। इधर, पुलिस और ग्रामीण मामले को प्रेम संबंध से भी जोड़ कर देख रहे हैं।

तीसरा मामला पारू थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां से भी एक 17 साल की किशोरी गायब हो गई है। परिजन ने गांव के हीएक युवक पर अपहरण करने का आरोप लगाया है। किशोरी के पीड़िता पिता ने बताया है कि उनकी पुत्री घर के सदस्यों को खाना खिलाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई। कुछ देर बाद उसकी मां कमरे में सोने गई तो देखा कि उनकी बेटी बिछावन पर नहीं है। इस बीच जानकारी मिली कि गांव के ही एक युवक ने गांव के अपने दो साथियों के साथ मिलकर के मेरी पुत्री का अपहरण कर लिया है। पूरे मामले को लेकर पारू थाना प्रभारी का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज कर आगे कि करवाई कि जा रही है।

13 मई 2024 को एक साथ तीन लड़कियां अपने घर से फरार हो गईं थीं। तीन अपने-अपने घर से मंदिर जाने के बहाने निकली थीं। इनमें से दो के पास मोबाइल था। एक का फोन मुजफ्फरपुर में ही बंद हो गया। दूसरी का फोन कानपुर में बंद हुआ था। तीनों छात्राओं ने घर में पत्र छोड़ा था। पत्र में लिखा था कि बाबा ने बुलाया है। भक्ति के लिए हिमालय जा रहे हैं। इसके बाद परिजनों ने 14 मई को पुलिस को तहरीर दी, जिस पर नौ दिन बाद एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद 960 किमी दूर इनकी लाशें मिलीं तो सब हैरान रह गए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com